हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अयोध्या में प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत, रोडशो किया

शंखनाद और 'राम राम-जय जय राजाराम' से गूंज उठी रामनगरी

ऐसी सौगात

- 15,700 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास
- 2 अमृत भारत और 6 वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई
- नवनिर्मित महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन
- 'अयोध्या धाम' रेलवे स्टेशन का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सुबह भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या पहुंचे। प्रधानमंत्री ने राज्य में 15,700 करोड़ रुपए से अधिक की केन्द्र व राज्य सरकार की 46 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस बीच शंखनाद की ध्वनि और 'राम राम-जय जय राजाराम' भजन से वातावरण गूंज उठा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अयोध्या

पीएम मोदी ने अयोध्या पहुंचने पर हवाई अड्डे से रेलवे स्टेशन तक एक रोड शो किया और पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया और दो अमृत भारत और छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद मोदी ने अयोध्या में ▶▶|शेष पेज 4 पर

ट्रेन में बच्चों से किया संवाद

अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के लोकार्पण के उपरांत पीएम मोदी ने ट्रेन के कोच में बच्चों से संवाद भी किया। बच्चों के चेहरे पर खुशी देखते ही बन रही थी।

मीरा के घर पहुंचे और पी चाय

प्रधानमंत्री अपने अयोध्या दौरे में लता मंगेशकर चौक के करीब स्थित एक मोहल्ले में उज्ज्वला योजना की 10 करोड़वीं लाभार्थी मीरा मांझी से उनके घर मुलाकात की और चाय पी।

वीणा को निहारा

गौरतलब है कि लता मंगेशकर के जन्मदिवस पर 14 टन वजनी व 40 फुट लंबी वीणा लगाई गई है। शनिवार को यहां वीणा के पास पहली बार पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाव विभोर हो गए। उन्होंने वीणा को निहारकर यहां की अलौकिक छवि का दीदार किया।

पीएम बोले- 22 को न आएं अयोध्या

पीएम ने 22 जनवरी को अयोध्या न आने की अपील की। उन्होंने कहा कि अपने घरों में भी श्रीराम ज्योति जलाएं दीपावली मनाएं।

सराफा में भी गूंजा...

30 साल के इतिहास में दूसरी बार चुनाव के हालात
रायपुर-बिलासपुर के सराफा कारोबारी चुनाव पर अड़े

अब नहीं सहिबो, बदल के रहिबो

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के 30 साल के इतिहास में दूसरी बार मतदान से चुनाव होना तय है। रायपुर के साथ बिलासपुर के भी सराफा कारोबारी चुनाव लड़ने का मन बना चुके हैं।।इस बार किसी भी हाल में सर्वसम्मनित से चुनाव नहीं होगा, यह तय है। एसोसिएशन का चुनाव करीब डेढ़ साल विलंब से अब जाकर नए साल में सात जनवरी को राजधानी रायपुर में होगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

एसोसिएशन के तीन पदों अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष का चयन प्रदेशभर के सराफा संघों के पदाधिकारी मतदाता करेंगे। इसके अलावा और किसी को मतदान का अधिकार नहीं होगा। मतदान करने वाले संघों के लिए यह जरूरी होगा कि वे शुल्क जमा कर दें। शुल्क जमा न करने वाले संघों के पदाधिकारियों को मतदान से वंचित होना पड़ेगा। इसी के साथ जो भी नए संघ जुड़ेंगे, उनके भी तीन पदाधिकारियों को मतदान का अधिकार रहेगा। ▶▶|शेष पेज 4 पर

नए संघों को भी मिलेगा मतदान का अधिकार

सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल बरड़िया का कहना है कि प्रदेश में जितने भी सराफा संघ हैं, उनके तीन पदाधिकारियों को मतदान का अधिकार रहता है। अगर इस बार प्रदेश में और नए संघ बनते हैं, तो उनके भी ▶▶|शेष पेज 4 पर

बिलासपुर में हुआ था मतदान

एसोसिएशन के 30 साल के इतिहास में पहली बार करीब साढ़े सात साल पहले बिलासपुर में हुए चुनाव में मतदान की स्थिति बनी थी और मतदान से ही पदाधिकारियों का चयन हुआ था, अन्यथा आमतौर पर सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चुनाव निर्विरोध हो जाता है। इस बार ▶▶|शेष पेज 4 पर

चुनाव तो लड़ूंगा ही

मैंने अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने का फैसला किया है। सामने चाहे कोई भी हो, मेरा चुनाव लड़ना तय है। अब सर्वसम्मति का सवाल ही नहीं उठता है।

कमल सोनी, अध्यक्ष बिलासपुर सराफा एसोसिएशन

मेरा लड़ना तय

अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने का मैंने फैसला किया है। सामने चाहे कोई भी हों, मैं तो चुनाव लड़ूंगा ही।

हरख मालू, पूर्व अध्यक्ष रायपुर सराफा एसोसिएशन

स्थिति देखकर फैसला

अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने का मैंने फैसला किया है। लेकिन उस दिन अगर मेरे सामने कोई सीनियर होगा तो मैं उनको समर्थन करने का विचार करूंगा ।

उत्तम गोलछा, रायपुर सराफा कारोबारी

खबर संक्षेप

फर्जी शिक्षाकर्मी भर्ती,11 को 3-3 साल की कैद

गरियाबंद। गारियाबंद की बहुचर्चित फर्जी शिक्षा कर्मी भर्ती मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ने 11 शिक्षक को दोषी करार देते हुए 3-3 साल की सजा सुनाई है। फर्जी प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी करने वाले मामले में 11 साल तक सुनवाई चली। केस में 26 लोगों की गवाही के बाद फर्जी बीएड, डीएड के सहारे नौकरी करने वाले 11 शिक्षक दोषी पाए गए। चयन समिति में शामिल 6 सदस्य पर दोष सिद्ध नहीं हुआ, ▶▶|शेष पेज 4 पर

मुख्यमंत्री ने 300 टन चावल के 11 ट्रक किए अयोध्या रवाना

भगवान श्रीराम को लगेगा छत्तीसगढ़ के चावल का भोग

रायपुर। अयोध्या में श्रीराम मंदिर की 22 जनवरी को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा में भगवान श्रीराम को छत्तीसगढ़ के चावल का भोग लगेगा। यहां से 300 मीट्रिक टन सुगंधित चावलों से भरे 11 ट्रकों को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर से भगवा ध्वज की झंडी दिखाकर रवाना किया। चावल छत्तीसगढ़ प्रदेश राइस मिलर्स एसोसिएशन द्वारा उपलब्ध कराया गया है। श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या के लिए रवाना किया। अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर का भव्य उद्घाटन हो रहा है। ऐसे में भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से भगवान श्रीराम के लिए चावल का भोग लगाने के लिए यहां से सुगंधित चावल भेजा गया है। इस चावल का प्रसाद भी लोगों में वितरित होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, छत्तीसगढ़ के राइस मिलर्स ने 300 टन चावल अयोध्या भेजा है। छत्तीसगढ़ की धरती से ऐसा किया गया है, यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। अयोध्या में इस चावल से भगवान को भोग लगेगा। चावल को ट्रकों में रवाना करने के बाद श्रीराम मंदिर में ▶▶|शेष पेज 4 पर

मान. विष्णुदेव साय जी
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
मान. अरूण साव
उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
मान. विजय शर्मा
उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
मान. किरण सिंह देव जी
प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा छत्तीसगढ़
मान. बृजमोहन अग्रवाल
केबिनेट मंत्री
मान. रामविचार नेताम
केबिनेट मंत्री
मान. केदार कश्यप
केबिनेट मंत्री
मान. ओ.पी. चौधरी
केबिनेट मंत्री
मान. टंकराम वर्मा
केबिनेट मंत्री
मान. दयाल दास बघेल
केबिनेट मंत्री
मान. श्याम जायसवाल
केबिनेट मंत्री
मान. लक्ष्मी राजवाड़े
केबिनेट मंत्री
मान. लखनलाल देवांगन
केबिनेट मंत्री
छत्तीसगढ़ के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं सभी केबिनेट मंत्रीगण
को विभागीय प्रभार मिलने पर हार्दिक बधाई...
चंदन अग्रवाल जी को छत्तीसगढ़ राईस मिल एसोसियेशन के
प्रदेश कोषाध्यक्ष बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं...
22 जनवरी 2024 • शाम 5 बजे से अयोध्या में
भव्य श्रीराम मंदिर के
प्राण प्रतिष्ठा के सुअवसर पर प्रदेश में पहली बार ऐतिहासिक
• 11 लाख दीप प्रज्ज्वलन • लेजर शो • आतिशबाजी
स्थान : विवेकानंद विद्यापीठ के सामने, कोटा, गुढ़ियारी, रायपुर (छ.ग.)
आप सभी सहपरिवार सादर आमंत्रित हैं...
चंदन अग्रवाल
प्रदेश कोषाध्यक्ष, राईस मिल
एसोसियेशन छत्तीसगढ़
बसंत अग्रवाल
युवा समाजसेवी एवं
भाजपा कार्यकर्ता
विनीत : प्रदेश भाजपा संगठन एवं समस्त भाजपा कार्यकर्ता

रायपुर, रविवार 31 दिसंबर 2023 | पौष कृष्ण पक्ष पंचमी | वर्ष : 22, अंक : 164 | पृष्ठ : 12+6+4 = 22, मूल्य : 5.00 ** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

लगातार आठवें साल बाजार का पॉजिटिव रिटर्न

ऐसा पहली बार है, दुनिया का कोई भी शेयर बाजार लगातार 8वें साल पॉजिटिव रिटर्न के साथ साल खत्म कर रहा। भारतीय शेयर बाजार ने साल 2016 से 2023 तक एक बार भी निगेटिव रिटर्न नहीं दिया है। कोविड-19 के दौरान साल 2020 की बिकवाली में भी भारतीय शेयर बाजार पॉजिटिव रिटर्न देने में कामयाब रहा था।

- नए साल में सेंसेक्स 74 हजार व निफ्टी 23 हजार का आंकड़ा छू सकता है
- 2023 में भारत ने विश्व के दस शीर्ष शेयर बाजार को पीछे छोड़ा
- भारतीय शेयर बाजार की कैपिटलाइज्जेशन 4.16 लाख करोड़ डॉलर बढ़ी

फुल स्पीड में बुल, शेयर मार्केट ने लगाया आल टाइम हाई, नए साल में बन सकते हैं नए रिकार्ड

हरिभूमि खास

अरविंद गायकवाड़ ▶▶| रायपुर

भारतीय शेयर मार्केट फुल स्पीड में दौड़ रहा है। खुदरा और विदेशी निवेशकों के लगातार निवेश और कंपनियों की आय में मजबूत वृद्धि की बदौलत शेयर बाजार के लिए बढ़िया साबित हुआ। घरेलू डिमांड बढ़ने, कैपेक्स साइकिल में रिवाइवल और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से निवेशकों का सेंटीमेंट पॉजिटिव नजर आया है। आठ साल की रिकॉर्ड तेजी के बाद लगातार नए ऑलटाइम हाई की ओर बढ़ा। 2023 में सेंसेक्स के 30 में से 30 शेयर सकारात्मक रिटर्न देने में ▶▶|शेष पेज 4 पर

चुनौतियों के बाद भी चमका बाजार

2023 में भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत बहुत उम्मीदों के साथ हुई, लेकिन साल के पहले ही महीने में अदाणी ग्रुप के खिलाफ अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट के बाद बड़ी बिकवाली दिखी। अगले महीने ग्रोथ पर फोकस आम बजट से निवेशकों को कुछ राहत मिली। मार्च महीने में अमेरिका में बैंकिंग संकट और इसके बाद क्रेडिट सुईस संकट की वजह से दुनियाभर के ▶▶|शेष पेज 4 पर

चीन व अमेरिका के बाजार में रही गिरावट

चीन के शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स की तुलना में देखें तो जनवरी 2008 में निफ्टी50 के साथ यह भी 6,000 के स्तर पर था। अमेरिका में लेहमन ब्रदर्स संकट के बाद दोनों इंडेक्स लुढ़ककर 3000 के स्तर पर आ गए थे। लेकिन, इसके बाद दोनों इंडेक्स के परफॉर्मेंस की तुलना करना थोड़ा मुश्किल है। 2023 में अब तक एक ओर शंघाई कम्पोजिट एक बार फिर 3,000 के स्तर पर लुढ़क चुका है। वहीं, निफ्टी इस मुकाबले सवा सौ गुना ऊपर 21,800 पर है।

सेंसेक्स 74 हजार व निफ्टी 23 हजार अंकों तक जा सकता है

दिसंबर 2024 तक सेंसेक्स 74 हजार अंकों तक जा सकता है। दमदार कैपिटल इनफ्लो और अच्छे मैक्रोइकनॉमिक फैक्टर्स के चलते साल 2024 में इंडियन स्टॉक मार्केट की रफ्तार बनी रहेगी। निफ्टी 50 दिसंबर 2024 तक 23 हजार अंकों का स्तर छू सकता है।

विदेशी निवेशकों ने किया 18 अरब डॉलर निवेश

साल 2023 में अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में करीब 18 अरब डॉलर निवेश किए हैं। इस तरह 2022 में की गई बिकवाली की लगभग भरपाई हो गई है। वहीं, देसी संस्थागत निवेशकों ने 2023 में 20 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। 2024 में भी दमदार ट्रेंड बने रहने का अनुमान है। 2024 में विदेशी और देसी संस्थागत निवेशक 2023 से भी ज्यादा निवेश कर सकते हैं।

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा निवेशक

अभी भी कुल निवेशकों की संख्या महाराष्ट्र में ही सबसे ज्यादा है। 2023 के दौरान महाराष्ट्र में कुल 22 लाख नए निवेशक बाजार से जुड़े। महाराष्ट्र में अब कुल निवेशकों की संख्या 1.49 करोड़ पर पहुंच चुकी है। उत्तर प्रदेश कुल 89 लाख निवेशकों के साथ दूसरे नंबर पर और गुजरात 77 लाख निवेशकों के साथ तीसरे नंबर पर है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

तवांग में फहराया गया 73 फुट ऊंचा तिरंगा

ईटानगर। भाजपा विधायक त्सेरिंग ताशी ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में समुद्र तल से 15,200 फुट की ऊंचाई पर 73 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक ताशी ने सीमा की सुरक्षा कर रहे सैनिकों से राष्ट्र के प्रति अपनी निस्वार्थ सेवा जारी रखने को कहा।

दिव्यांगों की रेल यात्रा और होगी सुविधाजनक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिव्यांग लोगों के लिए रेल यात्रा को और सुविधाजनक बनाने के लिए मसौदा दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें रेलवे स्टेशन और ट्रेन में बेहतर सुविधाएं सुलभ कराने के साथ ही 'टेक्स्ट-टू-स्पीच' की सुविधा होगी।

कोरोना के 743 नए केस, 7 मरीजों की मौत

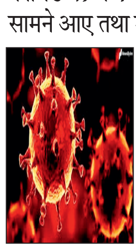

नई दिल्ली। देश में बीते 24 घंटे में कोविड-19 के 743 नए मामले सामने आए तथा उपचाराधीन मरीजों की संख्या 3,997 है। बीते 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण से सात लोगों की मौत हुई है। 24 घंटे में कोविड-19 से केरल में तीन, कर्नाटक में दो जबकि छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में एक-एक मरीज की मौत हुई है।

विनेश ने लौटाए अवार्ड, पुलिस ने रोका तो कर्तव्य पथ पर छोड़ा पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

विश्व चैंपियनशिप में कई बार की पदक विजेता विनेश फोगाट ने शनिवार को अपने खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार लौटा दिए और दिल्ली पुलिस द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय जाने से रोके जाने के बाद दोनों पुरस्कार कर्तव्य पथ के बीच में छोड़ दिए। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पहलवान विनेश ने मंगलवार को अपना खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार सरकार को लौटाने का फैसला किया था और कहा था कि ऐसे समय में इस तरह के सम्मान बेमतलब हो गए हैं जब पहलवान न्याय पाने के लिए जूझ रहे हैं। विनेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अपने फैसले की घोषणा की थी। उन्होंने शनिवार को अपने पुरस्कार लौटाने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। विरोध स्वरूप ▶▶|शेष पेज 4 पर

- कुश्ती महासंघ में थम नहीं रहा 'दंगल', दिग्गज पहलवान ने दिखाया दम
- पहलवान बजरंग पूनिया ने पूरे वाकये का शेयर किया वीडियो

कुश्ती की दुनिया में जारी 'दंगल' थमने का नाम नहीं ले रहा है। रेसलर बजरंग पूनिया के बाद शनिवार को महिला पहलवान विनेश फोगाट ने भी अपना सम्मान वापस कर दिया। जब वह सम्मान वापस करने पीएमओ जा रही थीं, इसी दौरान पुलिस ने विनेश को कर्तव्यपथ पर रोक लिया। लिहाजा विनेश ने अपना खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड पुरस्कार कर्तव्य पथ बैरिकेड्स पर छोड़ दिया।

पूनिया भी लौटा चुके हैं पुरस्कार

भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव में संजय सिंह को अध्यक्ष चुना गया था। इसके बाद साक्षी मलिक ने यह कहते हुए संन्यास ले लिया कि फिर से बृजभूषण जैसा ही चुना गया है तो क्या करें?

विनेश की उपलब्धियां

- 2022 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता
- 2019 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य जीता
- 2018 में एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता
- 2014, 2018 व 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक
- प्रतिष्ठित लॉरियस अवार्ड के लिए नामांकित होने वाली पहली भारतीय एथलीट

यह दिन किसी खिलाड़ी के जीवन में न आए

बजरंग पूनिया ने एक्स लिखा, यह दिन किसी खिलाड़ी के जीवन में न आए। देश की महिला पहलवान सबसे बुरे दौर से गुजर रही हैं। विनेश और उनके साथी प्रधानमंत्री कार्यालय जाना चाह रहे थे।

इस वजह से नाराज हैं पहलवान

दरअसल, रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह 'बबलू' ने जीत हासिल की थी। इसे लेकर विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक समेत कई रेसलर नाराज हैं।

महादेव सट्टा के लिए काम नहीं किया तो बंधक बनाकर पीटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

महादेव सट्टा चलाने वालों ने तीन युवकों को कमरे में बंद कर जमकर पिटाई करने का मामला सामने आया है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और शिकायत के बाद घटना को जांच में लिया है। हाउसिंग बोर्ड कालोनी ईडब्ल्यूएस 2688 निवासी केवल ▶▶|शेष पेज 4 पर

- पुलिस के स्पेशल डंडे से पिटाई

जांच में लिया गया

मारपीट के मामले का लिखित शिकायत आई है, जिसमें महादेव सट्टे का उल्लेख किया गया है। पुलिस इसे लेकर जांच में जुटी हुई है। जांच के बाद अपराध कायम किया जाएगा।

- आशीष बंछोर, सीएसपी छावनी

इधर, आरटीओ एजेंट के घर ईडी की दबिश

महादेव सट्टे के रुपए को सफेद करने वाले आरटीओ एजेंट के घर पर ईडी टीम दबिश देने पहुची। खबर लगते ही मौके पर जामुल पुलिस का बल भी पहुंचा था। मिली जानकारी के मुताबिक आरटीओ एजेंट राजेश मिश्रा के यहां ईडी की टीम पहुची। जहां उसके दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है। बताया जा रहा है कि ▶▶|शेष पेज 4 पर

7 राज्यों में घना कोहरा, बढ़ी ठिठुरन, 80 विमान और 30 ट्रेनें प्रभावित

नए साल में पहाड़ों में बर्फबारी, मैदान में सताएगा कोहरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मौसम का मिजाज पल-पल बदल रहा है। पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानों को कोहरे को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। लगातार चौथे दिन दिल्ली एयरपोर्ट से फ्लाइट्स के लेट होने का सिलसिला जारी रहा। सुबह साढ़े आठ बजे तक 80 फ्लाइट्स और 30 ट्रेनें अपने निर्धारित समय से नहीं चल पाईं। शनिवार सुबह राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत 7 राज्यों में घना कोहरा देखने को मिला। हिमाचल और यूपी में कोहरे के चलते हादसे में 5 की मौत हो गई।

नए साल में छग में बरसेंगे बादल!

छत्तीसगढ़ में एक बार फिर मौसम बदलने वाला है। 1 जनवरी से सरगुजा संभाग में बारिश होने के आसार हैं। दो दिन वहां सिस्टम सक्रिय रहेगा। 3 जनवरी के बाद इसका असर मध्य छत्तीसगढ़ में पड़ेगा और रायपुर व आस-पास के इलाके में भी बारिश होगी। इस दौरान न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होगी और ठंड से राहत रहेगी। हालांकि अभी भी उत्तर छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

विभाग आबंटन के पश्चात सीएम से मिले मंत्री

साय बोले-मोदी की गारंटी पूरा करने मनोयोग से जुट जाएं मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विभागों के आबंटन के बाद शनिवार को मंत्रिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि आप सभी मोदी की गारंटी पूरा करने पूरे मनोयोग से जुट जाएं। प्रदेश की जनता ने हम पर भरोसा जताया है। इस भरोसे को पूरा करने के लिए हम सब संकल्पबद्ध होकर कड़ी मेहनत से कार्य करेंगे। ▶▶|शेष पेज 4 पर

साय ने कहा- जनता ने जताया है भरोसा, इस विश्वास पर खरा उतरने के लिए हम सब संकल्पबद्ध होकर कड़ी मेहनत से कार्य करेंगे

पांच साल में पूरी करनी है 'गारंटी'

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि अगले पांच सालों में मोदी द्वारा दी गई सारी गारंटी पूरी करनी है। पूरी पारदर्शिता के साथ आम जनता को इसका लाभ देना है। मोदी की गारंटी समाज के सभी वर्गों से संबंधित है और आपको सुनिश्चित करना है कि उनकी गारंटी का जमीनी क्रियान्वयन बेहतर तरीके से होता रहे।

राजस्थान में 22 ने ली मंत्री पद की शपथ

अनोखा प्रयोग, चुनाव लड़ने वाले को बनाया मंत्री

एजेंसी ▶▶| जयपुर

राजस्थान में सरकार के गठन के 27 दिन बाद शनिवार को भजन लाल शर्मा मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ है। प्रदेश में शनिवार को कुल 21 विधायकों और एक प्रत्याशी ने मंत्री पद की शपथ ली। साथ ही 12 विधायकों ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। इस दौरान जो सबसे ज्यादा चर्चा में रहे हैं वो हैं श्रीकरणपुर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र पाल सिंह। दरअसल, करणपुर विधानसभा सीट पर पांच जनवरी को ▶▶|शेष पेज 4 पर

5 जनवरी को होगा चुनाव

श्रीगंगानगर जिले की श्रीकरणपुर विधानसभा सीट पर 5 जनवरी को मतदान होना है। लेकिन, श्रीकरणपुर सीट पर होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने बड़ा दांव खेला है। माना जा रहा है कि पांच जनवरी को श्रीकरणपुर में होने वाले चुनाव में इसका काफी फायदा मिलेगा। गौरतलब है कि सुरेंद्र पाल सिंह टीटी बीजेपी के दिग्गज नेताओं में शुमार हैं। भजन लाल शर्मा सरकार में राज्यमंत्री बनने से पहले साल वह वसुंधरा राजे सिंधिया सरकार में कृषि मंत्री रह चुके हैं।

कांग्रेस ने उठाए सवाल

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा के इस कदम पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, बीजेपी का अहंकार सातवें आसमान पर है। भाजपा ने चुनाव आयोग को ठेंगा दिखाकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए श्रीकरणपुर से बीजेपी प्रत्याशी सुरेंद्रपाल टीटी को मंत्री पद की शपथ दिलाई है। देश में यह पहला मामला है, जब चुनाव से पूर्व बीजेपी ने अपने प्रत्याशी को मंत्री बनाया है, कांग्रेस इस मामले को चुनाव आयोग के संज्ञान में लाकर कार्रवाई की मांग करेगी।

वर्ष 2023 गुजर रहा है और नूतन वर्ष 2024 का आगमन हो रहा है। चालू वर्ष में देश की राजनीति, अर्थव्यवस्था ने कैसा प्रदर्शन किया और नए साल में यह कैसी रहेंगी, इस पर विवेचना आवश्यक है। विदेश नीति के मोर्चे पर भी चालू वर्ष में भारत के शानदार प्रदर्शन और नए साल की चुनौतियों से भी रूबरू होना जरूरी है। वर्ष 2023 राजनीति के लिहाज से काफी उथलपुथल वाला रहा, तो आर्थिक मोर्चे पर देश ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत वैश्विक स्तर पर एक ग्लोबल ताकत बनकर उभरा। नए वर्ष में लोकसभा के साथ कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं, इसलिए यह वर्ष भी राजनीतिक उथलपुथल वाला रहेगा। वैश्विक दिक्कतों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था नए वर्ष में भी सबसे तेज गति से आगे बढ़ेगा। नए साल में भारत की संतुलित व मजबूत विदेश नीति देखने को मिलेगी। राजनीति, अर्थव्यवस्था व विदेश नीति में गुजरते साल की उपलब्धियों और नए साल की चुनौतियों का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

भविष्य की तैयारी का समय

राजनीति
प्रणय यादव
वरिष्ठ पत्रकार

नए साल की शुरूआत जय श्रीराम के उद्घोष से हो रही है। अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी साल खत्म होने से एक दिन पहले ही टेंट में बैठे रामलला के दर्शन कर आए। अब 22 जनवरी को भव्यमंदिर में रामलला की स्थापना होगी। इसमें कोई दो राय नहीं कि 22 जनवरी को होने वाला कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। पांच सौ सालों के रामभक्तों के संघर्ष की परणिति है, लेकिन बीजेपी, संघ और विश्व हिन्दू परिषद ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दे दिया है। घर-घर पीले चावल पहुंचाए जा रहे हैं। पांच लाख मंदिरों में कार्यक्रम के सीधे प्रसारण का इंतजाम किया जा रहा है। यानि पूरा देश राममय हो रहा है।

ये वक्त भूत की समीक्षा करके भविष्य की तैयारी करने का है। साल का अंत है। नए वर्ष की दस्तक है। हर क्षेत्र में साल भर में क्या हुआ और अगले वर्ष क्या होने वाले है इसकी विवेचना हो रही है इसलिए राजनीतिक दृष्टि से भी ये होना चाहिए। पिछला साल राजनीतिक गतिविधियों के लिहाज है, सरकार के फैसलों के लिहाज से बहुत ही महत्वपूर्ण साल था। और आने वाला साल देश के राजनीतिक और आर्थिक भविष्य की दिशा तय करेगा।

नए साल की शुरूआत जय श्रीराम के उद्घोष से हो रही है। अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साल खत्म होने से एक दिन पहले टेंट में बैठे रामलला के दर्शन कर आए। अब 22 जनवरी को भव्यमंदिर में रामलला की स्थापना करेंगे। इसमें तो कोई दो राय नहीं कि 22 जनवरी को होने वाला कार्यक्रम ऐतिहासिक है। पांच सौ सालों के रामभक्तों के संघर्ष की परणिति है, लेकिन बीजेपी, संघ और विश्व हिन्दू परिषद ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दे दिया है। घर घर पीले चावल पहुंचाए जा रहे हैं। पांच लाख मंदिरों में कार्यक्रम के सीधे प्रसारण का इंतजाम किया जा रहा है। यानि पूरा देश राममय हो रहा है। ये भक्ति भाव के लिहाज से तो अच्छी बात है, लेकिन राजनीतिक लिहाज से विरोधी दलों के टेंशन को बढ़ाने वाली है। अयोध्या को बीजेपी ने भक्ति की शक्ति का प्रतीक बना दिया है। प्रोग्राम का न्योता विरोधी दलों के जिन नेताओं को दिया गया है। वो ये तय नहीं कर पा रहे हैं कि जाएं या न जाएं। जिनको निमंत्रण नहीं मिला है वो इसलिए परेशान हैं कि जाएं तो कैसे जाएं। क्योंकि सब जानते हैं कि अब भक्तिभाव चरम पर होगा और बीजेपी लोकसभा चुनाव की वैतरणी राम का नाम लेकर ही पार करेगी। अयोध्या का मुद्दा बीजेपी के लिए ऐसा है, जिसमें चिट भी मेरी पट भी मेरी और अंटा मेरे बाप का। विरोधी दलों के जिन नेताओं को बुलाया गया है, अगर वो समारोह में शामिल हुए। रामलला के दर्शन करने पहुंचे तो बीजेपी के नेता कहेंगे जो लोग राम के अस्तित्व को नरकारते थे, जो राम मंदिर के विरोधी थे, आज वो भी राम भजन कर रहे हैं इसका क्रेडिट बीजेपी को मिलना चाहिए। और अगर विरोधी दलों के नेता नहीं गए। तो उन्हें रामविरोधी घोषित कर दिया जाएगा। कुल मिलाकर अगले साल राम राजनीति के केन्द्र होंगे। और अयोध्या के मुद्दे पर विपक्षी पार्टियों के लिए इधर कुंआ ऊधर खाई वाली स्थिति होगी।

बीजेपी के एजेंडे में तीन बड़े मुद्दे थे। राम मंदिर का निर्माण, आर्टिकल 370 को हटाना और कॉमन सिविल कोड। दो तिहाई एजेंडा पूरा हो गया। नरेन्द्र मोदी ने दूसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। उसके बाद पहला फैसला आर्टिकल 370 को खत्म करने का था। और पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले पर मुहर लगा दी। उन सभी पिटीशन को खारिज कर दिया जिनमें आर्टिकल 370 को खत्म करने के फैसले की संवैधानिकता को चुनौती दी गई थी। देश की सबसे बड़ी अदालत ने, संवैधानिक पीठ ने यह सरकार के फैसले को संविधान के अनुरूप बताया। इसलिए अब आर्टिकल 370 हमेशा हमेशा के लिए खत्म हो गया, लेकिन इस पर सियासत जारी रहेगी। बीजेपी चुनावों में इसका जिक्र करेगी। और कांग्रेस समेत जो पार्टियां इस फैसले के लिए सरकार की आलोचना कर रही हैं उनसे पूछेंगी कि अगर वो आर्टिकल 370 खत्म होने से परेशान हैं तो अपने मैनीफेस्टो में ये वादा क्यों नहीं करते कि अगर वो सत्ता में आए तो आर्टिकल 370 को वापस लाएंगे। इसी तरह अयोध्या में मंदिर बनकर तैयार है। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा हो जाएगी। इसके बाद बीजेपी पांच-पांच हजार श्रद्धालुओं को रोज अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए ले जाएगी। इसका मतलब किसी न किसी तरह चुनाव तक अयोध्या के मुद्दे को चर्चा में रखा जाएगा। अब बीजेपी के एजेंडे में तीसरा मुद्दा रह गया कॉमन सिविल कोड। मतलब अब देश में कॉमन सिविल कोड की बात शुरू होगी। हालांकि बीजेपी ने इसकी भूमिका बनाने का काम पहले ही शुरू कर दिया था। तीन तलाक खत्म करना इसका पहला चरण था। अब असम सरकार बिना तलाक दिए दूसरी शादी करने को गैरकानूनी घोषित करने का कानून बनाने जा रही है। यानि मुसलमानों को चार-चार शादियां करने का जो हक हासिल है वो खत्म होगा। इधर, केन्द्र सरकार ने आईपीसी और सीआरपीसी को तो पूरी तरह बदल दिया है। अब भारतीय दंड संहिता और भारतीय न्याय संहिता लागू हो गई है। अब अगला कदम कॉमन सिविल कोड की तरफ होगा, लेकिन इस तरफ नरेन्द्र मोदी की सरकार चुनाव से पहले बढ़ेगी या चुनाव के बाद ये फिलहाल कहना मुश्किल है।

ऐसा नहीं है कि बीजेपी सिर्फ धर्म की या भावनाओं के भरोसे राजनीति कर रही है। नरेन्द्र मोदी ने विकास, विरासत और विश्वास को ऐसा कॉकटेल तैयार किया है, जिसका असर आने वाले साल में खूब दिखेगा। अयोध्या, उज्जैन, काशी इसके उदाहरण हैं। अब तक ये तीनों शहर अपनी प्राचीनता, धार्मिक महत्व के लिए पहचानते जाते थे। ये आस्था के बड़े केंद्र थे, लेकिन अब आस्था के साथ-साथ आधुनिकता के प्रतीक बन गए हैं। काशी में पिछले साल पांच करोड़ से ज्यादा टूरिस्ट पहुंचे। गंगा में क्रूज चल रहा है। काशी में फाइव स्टार होटल बन रहे हैं। होम स्टे चल रहे हैं। इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की फैसेलिटीज उपलब्ध हैं। इसका असर काशी की इकोनॉमी पर दिख रहा है। उज्जैन में भी यही हुआ। अब अयोध्या में भी इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन हो गया है। एयरपोर्ट जैसा ही अयोध्या का रेलवे स्टेशन बना है। अयोध्या का कायाकल्प हो गया है। इसका फायदा भक्तों को भी होगा और अयोध्या के निवासियों को भी। मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद जब पहली बार जापान गए थे। उस वक्त उन्होंने कहा था कि काशी को भी क्योटो की तरह विकसित करने का प्रयास करेंगे। यानि विरासत को बचाए रखकर आधुनिकता का समावेश। इसके बाद ये सरकार की थीम बन गई और आने वाले साल में इसी तर्ज पर मथुरा का विकास होगा। बुद्धा सर्किट डेवलप होगा। अमृतसर का कायाकल्प होगा। तमाम प्राचीन और पवित्र शहरों को उनकी पुरानी पहचान के मुताबिक नए तरीके से डेवलप किया जाएगा।

आने वाले साल में देश के विकास में, देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। सरकार ने पिछले साल जो सबसे बड़ा फैसला किया वो राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का था। सरकार ने संसद और विधानसभाओं में, महिलाओं को तीस परशेंट रिजर्वेशन देने का कानून पास करवा लिया है। ये बीते हुए साल की बहुत बड़ी उपलब्धि है। हालांकि महिला आरक्षण विधेयक लागू तो अगली जनगणना के बाद होगा यानि 2026 से पहले इसके लागू होने की गुंजाइश नहीं है, लेकिन चूंकि कानून बन गया है। बीजेपी इसका क्रेडिट लेगी तो राजनीतिक दलों पर भी यह दिखाने का दबाव होगा कि वह अपनी अपनी पार्टी में टिकटों के बंटवारे में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएं। इसीलिए अगले लोकसभा चुनाव में महिला उम्मीदवारों की संख्या भी बढ़ेगी। चूंकि नरेन्द्र मोदी की राजनीति का फोकस आधी आबादी है। अब सेना में महिलाओं की तैनाती मोर्चे पर हो रही है। महिलाएं फाइटर जैट उड़ा रही हैं। कमांडो की ट्रेनिंग ले रही है। गांव में स्वंय सहायता ग्रुप के जरिए महिला सशक्तिकरण का अभियान चल रहा है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि अगला साल नारीशक्ति के उत्थान का वर्ष होगा।

अगले साल गांव गरीब किसान और नौजवान के मुद्दों के अलावा जातियों का मुद्दा भी अगले साल राजनीति का बड़ा इश्यू होगा। बिहार में जातिगत जनगणना के आंकडों को जारी करके नीतीश कुमार ने ये संकेत दे दिए हैं। जिस तरह विरोधी दल जातिगत जनगणना की मांग को आगे बढ़ा रहे हैं। अभी हाल में ही जिस तरह मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चुनाव में कांग्रेस ने अपने मैनीफेस्टो में जातिगत जनगणना का वादा किया। उससे ये साफ है कि अब लोकसभा चुनाव से पहले इस मुद्दे को बड़ा बनाने की कोशिश की जाएगी। असल में विपक्षी दलों को लगता है कि बीजेपी हिन्दुत्व की राजनीति करती है। हिन्दुत्व की पिच पर बीजेपी का मुकाबला मुश्किल है। इसलिए अगर जातियों की बात की जाए तो फायदा मिल सकता है। चूंकि ये बात अब जग जाहिर है कि जातियों के गणित में पिछड़े वर्ग की आबादी सबसे ज्यादा है। फिर दलित और आदिवासियों का नंबर है। सवर्णों की संख्या सबसे कम है, लेकिन विकास की दौड़ में सवर्ण आगे हैं। राजनीतिक दल इसी का फायदा उठाना चाहते हैं। बीजेपी को दलित पिछड़ा विरोधी घोषित करके इन वर्गों का सपोर्ट हासिल करना चाहते हैं। हालांकि बीजेपी के नेता इस चाल को समझ रहे हैं। इसलिए प्रदानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ये कहना शुरू कर दिया है कि उनके लिए सिर्फ चार जातियां हैं-गरीब, किसान, नौजवान और महिलाएं, लेकिन सिर्फ इस डॉयलॉग से बात बनेगी नहीं। जाति की सियासत होगी और अगले पूरे साल ये देश में राजनीतिक विमर्श का मुद्दा होगी।

चुनौतियों के बाद भी सुनहरी आर्थिक तस्वीर

अर्थव्यवस्था
शंभू भद्र
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

आज जब चालू वर्ष में हम भारतीय अर्थव्यवस्था की उपलब्धियों व कमियों की विवेचना कर रहे हैं, तो एक मिश्रित तस्वीर उभर रही है। मजबूत जीडीपी, महंगाई-बेरोजगारी पर नकेल, शेयर बाजार का रिकार्ड, जीएसटी कलेक्शन में इजाफा, विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि व आर्थिक कॉरिडोर ने वर्ष 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दी, तो खाने पीने की महंगाई, महंगे पेट्रोल व डीजल, सेवा क्षेत्र की कमजोरी, राजकोषीय व वित्तीय घाटा में बढ़ोत्तरी, व्यापार घाटा, सरकारी खर्च में कमी ने अर्थव्यवस्था की कमियों को उजागर किया। इस वर्ष भारत ने जी-20 का सफल आयोजन कर जहां दुनिया को नई राह दिखाई, वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था के सशक्त बनने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) महंगाई को काबू में लाने, असुरक्षित माने वाले कर्ज से जुड़े जोखिम पर अंकुश लगाने, नया ऋण लेकर पुराने कर्ज चुकाने (एवरग्रिनिंग) पर लगाम लगाने तथा बैंकों में ग्राहक सेवा और बेहतर बनाने को लेकर उपाय जैसे कदमों को लेकर पूरे वर्ष सुर्खियों में रहा। नए साल में आरबीआई केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) को बढ़ावा दे सकता है।

वर्ष 2023 की उपलब्धियां

वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद जीडीपी और महंगाई के मोर्चे पर साल 2023 में भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। भारत में आयोजित जी 20 समिट के दौरान भारत से यूरोप तक नया स्पाइस कॉरिडोर या आर्थिक कनेक्टिविटी कॉरिडोर बनाने पर भी सहमति बनी जो एक तरह से चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट का तोड़ है। यह कॉरिडोर जल्द ही भारत, पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच बनेगा, जिसमें भारत, यूएई, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, फ्रांस, इटली, जर्मनी और अमेरिका शामिल हो रहे हैं। इटली ने बीआरई प्रोजेक्ट से अलग होने की घोषणा कर एक तरह से भारत की परियोजना के साथ अपनी प्रतिबद्धता जाहिर कर दी है। ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते या एफटीए की दिशा में भी वर्ष 2023 में अहम बातचीत हुई। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मौजूदा और अगले वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। आरबीआई महंगाई दर को वर्ष 2023 में अधिकतर समय पर चार से छह प्रतिशत के बीच बनाए रखने में सफल रहा। साल 2023 में देश में बेरोजगारी दर कम करने में भी सफलता मिली है। एनएसएसओ की ताजा आवधिक श्रम बल रिपोर्ट देश में 15 साल से अधिक उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी दर 3.2 प्रतिशत दर्ज की गई यह छह साल में सबसे कम है। पिछले साल बेरोजगारी दर 4.1 प्रतिशत थी। 2023 में दिसंबर महीने की शुरुआत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर 600 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। बता दें कि अक्तूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 642 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

आरबीआई की ओर से लॉन्च की गई डिजिटल करेंसी यानी सीबीडीसी के लिहाज से भी साल 2023 अहम साबित हुआ है। सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) या ई-रुपये के सीमापार लेन-देन के उपयोग से लागत में दो से तीन फीसदी की बचत होती है। साल 2023 भारत के लिए चिप निर्माण का आगाज करने वाला साल भी रहा। माइक्रॉन टेक्नोलॉजी, फॉक्सकॉन और वेदांता जैसी कंपनियां भारत में चिप निर्माण के क्षेत्र में आगे बढ़ा रही हैं। इस वर्ष शेयर बाजार ऑल टाइम हाई पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार पर भरोसा करते हुए अपना निवेश जारी रखा। देश में एक्सप्रेसवे और हाईवे निर्माण के लिहाज से भी 2023 अहम साबित हुआ। बंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के एक हिस्से की शुरुआत आदि अहम हैं। एविएशन सेक्टर में मजबूती आई। वर्ष 2023 में हवाई यात्रियों की संख्या में भी बड़ी वृद्धि हुई।

ग्लोबल चुनौतियां

व्यापार में तनाव, बढ़ती ब्याज दरें, रूस व यूक्रेन युद्ध व इजराइल-हमास जंग, आपूर्ति तंत्र पर असर, खाद्यान्न व ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक खींचतान, सुस्त आर्थिक विकास दर नव वर्ष में चुनौतियां बनी रहेंगी। यूक्रेन युद्ध के जारी रहने से भारत के सबसे बड़े निर्यात बाज़ार यूरोपीय संघ में ऊर्जा से जुड़ी मंदी का खतरा है। फेड की दर वृद्धि में विराम वर्ष की दूसरी छमाही तक संभव नहीं है, क्योंकि अमेरिका घटती मुद्रास्फीति के दबाव से जूझ रहा है। बढ़ते संरक्षणवाद, एक वि-वैश्वीकरण-विरोधी आंदोलन और आर्थिक विखंडन नव वर्ष में चुनौतियां बने रहेंगे।

भारतीय अर्थव्यवस्था की उम्मीदें

भारत नव वर्ष में भी सबसे तेज विकास दर वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आरबीआई ने इस वित्तीय वर्ष (2023-24) में 7% के जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। वित्त वर्ष (2024-25) में इसके 6.4% पर होने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, भारत वर्ष 2023 में 5.8 प्रतिशत और वर्ष 2024 में 6.7 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर्ज करेगा। फिच रेटिंग्स के मुताबिक, 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था में 6.9% की वृद्धि दर रहेगी। 2024 में घरेलू मांग भी सेवाओं से वस्तुओं की ओर ट्रांसफर होने की संभावना है। अब तक जियो-पॉलिटिकल घटनाओं ने भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर नहीं किया है, लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से नए वर्ष में इसका टेस्ट होगा क्योंकि व्यापार लागत बढ़ने लगी है और कच्चे तेल पर दबाव पड़ सकता है। 2024 में अमेरिका और भारत सहित रिकॉर्ड 40 देशों में आम चुनाव होने वाले हैं। इन चुनावों से अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम फर्मों के बीच समस्या बनी हुई है, जो नए साल में भी रहेगी। आयातित ऊर्जा पर भारत की निर्भरता एक चुनौती है, आगे भी बनी रहेगी। एक बड़े और बढ़ते बाजार, एक युवा कार्यबल और शिक्षा सुधार, अपस्किलिंग, विनिर्माण, तकनीक-सक्षम शासन, बुनियादी ढांचे के विकास और बढ़ी हुई क्षेत्रीय कनेक्टिविटी पर एक दृढ़ नीतिगत जोर के साथ, देश ग्रीनफील्ड निवेशकों और व्यवसायों दोनों के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। बाज़ार विस्तार, विलय और अधिग्रहण, और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण से आर्थिक गतिविधियां बढेंगी। भारत अपने मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों के कारण वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक स्थान बना रहेगा। 2024 में भारत में विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने वाले प्रमुख उद्योगों में स्वास्थ्य सेवा और बीमा, फिनटेक, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु तकनीक, इलेक्ट्रिक वाहन व ऑटोमोबाइल, आईटी सेवाएं, रियल एस्टेट, बुनियादी ढांचा, एफएमसीजी, आरएंडडी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), तकनीकी नवाचार शामिल हैं। 2024 में निवेश-आधारित विकास के लिए उभरते उद्योग हैं बैटरी ऊर्जा भंडारण समाधान, हरित हाइड्रोजन, बायोटेक, एवीजीसी (एनीमेशन, दृश्य प्रभाव, गेमिंग, कॉमिक्स), सेमीकंडक्टर चिप निर्माण। इसलिए अर्थव्यवस्था के बेहतर रहने की उम्मीद है।

दुनिया के पटल पर मजबूत हुआ भारत

भू-राजनीति
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

दुनिया के मुख्तलिफ हिस्सों में भयानक युद्धों के जारी रहने के बावजूद भारत ने वर्ष 2023 में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। भारत दुनिया की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनी। वर्ष 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है। भारत ने अध्यक्ष के तौर पर जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी अंजाम दी। जी-20 के अध्यक्ष देश के तौर पर भारत की कयादत में विश्व के विभिन्न स्थानों पर 250 से अधिक शानदार बैठकें आयोजित की गई। अफ्रीकी संघ को जी-20 की पूर्ण सदस्यता हासिल हुई। जी-20 सम्मेलन के पहले ही दिन दुनिया भर के नेताओं ने दिल्ली घोषणा पत्र पर अपनी सहमति व्यक्त कर दी। विश्व पटल पर यह भारत की बड़ी नैतिक और कूटनीतिक उपलब्धि रही। अरब मुल्कों के साथ भारत के कूटनीतिक संबंध जिस ऊंचाई तक पहुंचे हैं, उसी का शानदार नतीजा हुआ है कि कतर में भारत के जिन पूर्व नेवल अधिकारियों को सजा ए मौत प्रदान की गई थी, उनकी सजा कैद में बदल दी गई है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जब चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतर गया।

पड़ोस में सतर्क रहे भारत

मालदीव की नई हुकूमत की कयादत मोहम्मद मुइज्जू कर रहे हैं, जोकि चीन के प्रबल समर्थक है। उन्होंने आधिकारिक रूप से भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस चले जाने और भारत से अपना हेलीकॉप्टर वापस ले जाने के लिए कहा है। इस छोटे से मगर रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ोसी देश के साथ बहुत सावधानी के साथ निपटना होगा। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान में भी चीन की सक्रिय दखलंदाजी पर सख्त कूटनीतिक नजर रखने की दरकार है। प्रधानमंत्री मोदी और शेख हसीना ने अखौरा-अगरतला रेलवे लाइन का उद्घाटन किया गया। जोकि भारत के पूर्वोत्तर को बांग्लादेश से जोड़ देगा। इससे अगरतला और कोलकाता की यात्रा में काफी कम समय लगेगा।

चीन से तल्ख रिश्ते

चीन के साथ हमारे कामकाजी रिश्ते तो बाकायदा बरकरार बने हुए हैं। निरंतर जारी कूटनीतिक और सैन्य वार्ताओं को बावजूद वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। चीनी समकक्ष के साथ बात करते हुए हमारे विदेश मंत्री ने एकदम स्पष्ट कहा कि सीमा विवाद का पूरी तरह जब तक समाधान नहीं हो जाता तब तक चीन और भारत के रिश्ते सामान्य हो ही नहीं सकते हैं। हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के विस्तारवाद से निपटने की खातिर क्वाड को और अधिक शक्तिशाली बनाना होगा।

पाक को साधना होगा

पाकिस्तान के साथ भारत के ताल्लुकात एकदम तनावपूर्ण, नाजुक और अनिश्चित स्थिति में बने हुए हैं। कश्मीर में जब तक पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद का पूर्णतः सफाया नहीं हो जाता, तब तक आने वाले दौर में भी पाकिस्तान के साथ संबंध सामान्य बन जाने की कोई स्थिति नहीं

होगी। अफगानिस्तान को भारत की मानवीय सहायता निरंतर जारी है। मगर इस देश को नई सुबह की दरकार है। भारत मदद करे।

कनाडा से कठोर संबंध

कनाडा यकीनन खालिस्तानियों की पनाहगाह बनता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर वैश्विक आतंकवाद का एकजुट होकर मुकाबला करने की पैरवी करने वाले अमेरिका और कनाडा को खालिस्तानियों पर कड़ी लगाम आयद करनी चाहिए। आज वह विकट दौर आ गया है, जबकि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी है।

दोनों जंग का हो अंत

यूक्रेन बनाम रूस युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ था कि एक नए विनाशकारी युद्ध द्वारा दुनिया की सरजमीं पर दस्तक दे दी गयी। यह युद्ध मध्य पूर्व में इजरायल और फिलिस्तीन की धरती पर शुरू हो गया है। सात अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीन की गाजा पट्टी से हमास तंजीम द्वारा कुछ रॉकेट इजरायल की धरती पर दागे गए और इसके बाद इजरायल हुकूमत द्वारा एक ऐसा विनाशकारी युद्ध शुरू किया गया, जिसका मकसद हमास तंजीम को पूरी तरह से तबाह और बर्बाद कर देना था। इसराइल के पक्ष में अमेरिका कमर कसकर खड़ा हो गया, अतः कोई भी प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र सिक्योरिटी काउंसिल में युद्ध को समाप्त करने के लिए अथवा युद्ध विराम के लिए भी पारित नहीं किया जा सका, क्योंकि अमेरिका इसराइल का फिलिस्तीन के विरुद्ध अंध समर्थन करता रहा है। इसराइल सेना के आक्रमण में अभी तक तकरीबन बीस हजार से अधिक फिलिस्तीन नागरिक मारे जा चुके हैं। हलाक़ हुए इन नागरिकों में बड़ी संख्या में बच्चे और महिलाएं शामिल हैं, जिनका युद्ध से कोई लेना-देना नहीं है। यूक्रेन युद्ध में रूस की आक्रामक बर्बरता के विरुद्ध बोलने वाले, पश्चिमी राष्ट्र आज इजरायल की विध्वंसकारी बर्बरता पर एकदम खामोश हैं। फिलिस्तीन की सरजमीन पर गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक पर रहने वाले बेबस इंसानों को रोज-रोज भयानक बारुदी विध्वंस का मुकाबला करना पड़ रहा है। यह भीषण विध्वंस विश्व की मानवीय चेतना को जरा सा भी झकझोर नहीं रहा है। वर्ष 2024 का आगमन हो रहा है और यूक्रेन और ग़ज़ा में छिड़ी जंग का निरंतर विस्तार हो रहा है। चीन और अमेरिका के मध्य ताइवान को लेकर सैन्य तनातनी बढ़ रही है।

जलवायु परिवर्तन चुनौती

जलवायु परिवर्तन की चुनौती आने वाले दौर की सबसे प्रबल चुनौती सिद्ध होगी। जहां एक तरफ युद्ध के कारण तबाही मची है वहीं दूसरी तरफ वहीं दूसरी तरफ जलवायु परिवर्तन के कारण बड़े-बड़े तूफान आ रहे हैं। विनाशकारी प्राकृतिक आपदाएं कहर ढा रही हैं। पर्यावरण विनाश की कीमत पर कोई भी आर्थिक विकास मानव जाति के लिए कोई सार्थक अर्थ नहीं रखता। महात्मा गांधी की सीख हमें याद आती है कि दुनिया के संसाधन इंसान की जरूरतों के लिए तो पर्याप्त है, लेकिन उसकी अंतहीन लिप्सा और लालच के सामने ये कुछ भी नहीं है।

शांति की आकांक्षा

आज विश्व को शांति की कहीं अधिक दरकार है। जंग और संघर्ष तबाही, गरीबी और भुखमरी को फैला रहे हैं। लाखों लोग बेघर हो रहे हैं। आर्थिक विषमता इतनी गहरी हो गई है कि शांतिपूर्ण देश भी आर्थिक विषमता व राजनीतिक ध्रुवीकरण की लपेट में आ चुके हैं। वैश्विक संकट की इस विकट दौर में भारत को अपनी अर्वाचीन ऋषि परंपरा के अनुरूप विश्व शांति की स्थापना के लिए विश्व पटल पर आगे आना चाहिए और इसके लिए प्रबल पहल करनी चाहिए, ताकि रूस-यूक्रेन युद्ध का समुचित समाधान निकाला जा सके और इजरायल और फिलीस्तीन के मध्य जारी जंग समाप्त की जा सके। दुनिया में एक उज्जवल भविष्य की बुनियाद रखी जा सके, जिसमें आर्थिक विकास के साथ ही साथ राजनीतिक सद्भाव और सामाजिक सद्भाव भी निहित हो।

बृजभूषण-पहलवान विवाद, ओडिशा ट्रेन हादसा और मणिपुर हिंसा

हरिभूमि न्यूज : ▶▶| नई दिल्ली

साल 2023 विदा होने को है। इस साल देश ने कई उपलब्धियों को छुआ तो कई हादसों में सैकड़ों लोगों की मौत भी हुई। साल की शुरुआत बृजभूषण और पहलवानों के बीच विवाद से हुई और अंत में संसद की सुरक्षा में सेंध का मामला चर्चा में रहा। बीच के महीनों में राजनीतिक घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं और अंतरिक्ष अभियानों ने अखबारों में जगह पाई। आइए सिलसिलेवार साल की बड़ी घटनाएं जानते हैं।

वर्ष 2023 में ये घटनाएं रहीं सुर्खियों में

बृजभूषण और पहलवानों के विवाद से हुई साल की शुरुआत

जनवरी में कई पहलवानों ने भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए। पहलवान बृजभूषण की बर्खास्तगी की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर धरने पर बैठ गए। लगभग पूरे साल ये विवाद सुर्खियों में रहा। इस बीच बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई। दिसंबर में कुश्ती संघ के चुनावों में बृजभूषण समर्थित संजय सिंह की जीत के बाद बजरंग पुनिया व विनेश फोगाट ने पद्मश्री पुरस्कार लौटा दिया। हालांकि कुश्ती संघ के चुनाव निरस्त कर दिए गए हैं।

फरवरी- मनीष सिसोदिया हुए गिरफ्तार

फरवरी में शराब नीति मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 8 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। सिसोदिया पर कमीशन लेकर शराब की दुकानों का लाइसेंस लेने वालों को अनुचित फायदा पहुंचाने का आरोप है। इस मामले में कई बार सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज की गई और रिमांड भी बढ़ाई गई। सिसोदिया के साथ आप के कई नेता अभी भी जेल में हैं।

मार्च- राहुल गांधी की सांसदी गई, पूर्वोत्तर में भगवा लहराया

मार्च की महीना राजनीतिक लिहाज से काफी सुर्खियों में रहा। साल की शुरुआत में आए पूर्वोत्तर राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम में भाजपा को सफलता मिली। पार्टी ने त्रिपुरा में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाई तो नागालैंड और मेघालय में गठबंधन सरकार का हिस्सा बनी। महीने के अंत में सूरत की एक कोर्ट ने मानहानि मामले में राहुल गांधी को दोषी करार दिया। इस मामले में राहुल की लोकसभा सदस्यता चली गई, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने बहाल किया।

अप्रैल में छाया रहा अमृतपाल और अतीक अहमद का मुद्दा

अप्रैल में अपराध जगत की बड़ी घटनाएं सामने आईं। उत्तर प्रदेश में गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई की पुलिसकर्मियों के बीच हत्या कर दी गई। इस दौरान पंजाब में खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को लेकर माहौल गर्म रहा। कई दिनों की छानबीन के बाद अमृतपाल पुलिस की गिरफ्त में आया। इसी महीने में भारत चीन को पीछे छोड़ दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया।

मई में मणिपुर हिंसा, नए संसद भवन में कामकाज हुआ प्रारंभ

मई की 3 तारीख को मणिपुर में आदिवासी एकजुटता मार्च के दौरान कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा भड़क उठी।इस दौरान आधिकारिक तौर पर 200 लोग मारे गए हैं। इसी महीने देश को नया संसद भवन मिला। 971 करोड़ रुपये की लागत से बना ये भवन कई आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। छिटपुट घटनाओं के बीच ये हिंसा अभी तक जारी है।

जून में हुआ ओडिशा ट्रेन हादसा, जुलाई में हिमाचल में बाढ़ ने मचाया तांडव

जून में ओडिशा के बालासोर में एक के बाद एक तीन ट्रेनें एक दूसरे से टकरा गईं। इसमें 290 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और 1,000 से ज्यादा लोग घायल हुए। मामले की जांच में सिग्नलिंग और परिचालन विभाग कर्मचारियों की लापरवाही सामने आई। जुलाई में हिमाचल प्रदेश भीषण बाढ़ की चपेट में आ गया। राज्य को इससे करीब 12,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

अगस्त - चंद्रयान पहुंचा, राहुल को मिली संसद सदस्यता

अगस्त में भारत ने एक बड़ी कामयाबी अपने नाम की। चंद्रयान-3 ने चांद की सतह पर सफलतापूर्वक लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। भारत चांद के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड करने वाला दुनिया का पहला देश भी बन गया। देश-दुनिया में भारत की ये उपलब्धि छाई रही। इसी महीने राहुल को भी राहत मिली। सुप्रीम कोर्ट ने मानहानि मामले में उनकी सजा पर रोक लगा दी, जिसके बाद राहुल की संसद सदस्यता बहाल हो गई।

सितंबर में हुआ जी-20 सम्मेलन अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

सितंबर में भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन किया। कोरोना महामारी और यूक्रेन युद्ध समेत कई वैश्विक घटनाओं के साए तले हुए इस सम्मेलन में भारत ने देशों के बीच महत्वपूर्ण फैसलों पर सहमति बनाई। अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को मान्यता देने से इनकार कर दिया। इसी महीने सिक्किम में झील फटने से सेना के जवानों समेत करीब 70 लोग मारे गए।

नवंबर- वनडे फाइनल हारे, सुरंग हादसा पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए

नवंबर का महीना देशवासियों के लिए खुशी और गम की मिलीजुली भावनाएं लेकर आया। भारतीय क्रिकेट टीम वनडे विश्वकप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गई। इसी माह 12 जनवरी को सिकलयारा में टनल धसक गई 17 दिन चले लंबे और कठिन बचाव अभियान के बाद उत्तराखंड की सुरंग में फंसे सभी मजदूरों को बाहर निकाला गया। इसी महीने 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव भी हुए।

दिसंबर- संसद की सुरक्षा में चूक 5 राज्यों में नई सरकार गठित

दिसंबर की शुरुआत में ही विधानसभा चुनावों के नतीजे आए। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को जीत मिली। कांग्रेस को केवल तेलंगाना में जीत से संतोष करना पड़ा। संसद पर हमले की 22वीं बरसी पर 2 लोग लोकसभा में घुस गए और नारेबाजी के बीच पीले रंग का धुंआ छोड़ दिया। इस मामले पर हंगामे के बीच दोनों सदनों से रिकॉर्ड मात्रा में विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया।

धारा 370, नोटबंदी और समलैंगिक विवाह; सुप्रीम कोर्ट ने सुनाए ये अहम फैसले

नई दिल्ली। साल 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने कई महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक मामलों में फैसले सुनाए। इस साल धारा 370, जल्लीकट्टू पर प्रतिबंध, समलैंगिक विवाह, दिल्ली में सरकार बनाम उपराज्यपाल, नोटबंदी और मैला ढोने जैसे कई मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसले किए। इस साल कोर्ट ने कुल 52,191 मामलों का निपटारा किया, जो बीते 6 सालों में सबसे ज्यादा है। आइए इस साल के सुप्रीम कोर्ट के कुछ अहम फैसलों पर नजर डालते हैं।

दिल्ली सरकार बनाम उपराज्यपाल विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में अधिकारियों की पोस्टिंग और ट्रांसफर का अधिकार दिल्ली सरकार को दिया। इससे पहले यह अधिकार उपराज्यपाल को था। कोर्ट ने ये भी कहा कि उपराज्यपाल सरकार की सलाह पर काम करेंगे। हालांकि, बाद में केंद्र सरकार अध्यादेश लेकर आई और ये अधिकार वापस उपराज्यपाल को दे दिया गया।

महाराष्ट्र में शिंदे को सीएम बनाने का सुनाया फैसला

जून, 2022 में एकनाथ शिंदे ने शिवसेना से बगावत कर भाजपा के साथ मिलकर सरकार बना ली थी। असली और नकली शिवसेना को लेकर उद्धव ठाकरे गुट सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। 11 मई को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शिंदे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने रहेंगे, क्योंकि उद्धव ने विधानसभा में फ्लोर टेस्ट होने से पहले ही इस्तीफा दे दिया था। यानी अगर उद्धव खुद से इस्तीफा नहीं देते तो उनकी सरकार बहाल की जा सकती थी।

कोर्ट ने और कौन-कौन से महत्वपूर्ण फैसले दिए?

कोर्ट ने हजारों साल पुरानी प्रथा जल्लीकट्टू पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने इस संबंध में राज्यों की ओर से कानूनों में किए संशोधन को वैध ठहराया। इसके अलावा चुनाव आयोग की नियुक्ति, केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय के निदेशकों का कार्यकाल, अमान्य विवाह से पैदा हुए बच्चों को मृत माता-पिता की संपत्ति में हिस्सा देने और सम्मान से मरने का अधिकार जैसे कई अहम फैसले सुनाए।

जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना सही

11 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के फैसले को सही ठहराया। इस मामले को लेकर 23 याचिकएं दायर की गई थीं, जिन पर 5 जजों की संविधान पीठ ने सुनवाई की। कोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिए कि वो सितंबर 2024 तक राज्य में चुनाव कराए। बता दें कि जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने के लिए साल 1954 में धारा 370 लागू हुई थी।

समलैंगिक विवाह को नहीं मिली कानूनी मान्यता

17 अक्टूबर को मुख्य न्यायाधीश वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने समलैंगिक जोड़ों के विवाह करने या सिविल यूनियन बनाने के अधिकार को मान्यता देने से इनकार कर दिया। 21 याचिकाओं पर 10 दिन सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि वो कानून नहीं बना सकता, केवल उनकी व्याख्या कर सकता है। कोर्ट ने कहा कि विशेष विवाह अधिनियम में बदलाव का काम संसद और विधानसभा का है।

मैला ढोने की प्रथा पर रोक मुआवजा 30 लाख किया

20 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने मैला ढोने के दौरान होने वाली मौतों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार को इस प्रथा का पूर्ण उन्मूलन सुनिश्चित करने का आदेश दिया। सीवर की सफाई के दौरान मौत के मामले में सरकार को 30 लाख रुपये का भुगतान करने को भी कहा। कोर्ट ने कहा कि इस काम में लगे हुए लोग स्थायी विकलांगता का शिकार होते हैं तो उन्हें न्यूनतम 20 लाख रुपये मुआवजा देना होगा।

नोटबंदी के फैसले को बताया सही

2016 में हुई नोटबंदी के खिलाफ कुल 58 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की पीठ ने सुनवाई की। पीठ ने 4:1 के फैसले से नोटबंदी को सही ठहराते हुए कहा कि प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी नहीं हुई और आर्थिक फैसले को नहीं पलटा जा सकता। कोर्ट ने कहा कि सरकार की नीयत और नीति ठीक थी। हालांकि, पीठ में शामिल जस्टिस बीवी नागरत्ना ने फैसले पर असहमति जताई थी।

मुकेश अंबानी ने कमाई में पीछे छोड़ा सावित्री जिंदल को

■ कमाई के मामले में ये रहे टॉप 5 पर

नई दिल्ली। क्या आप देश की सबसे अमीर महिला के बारे में जानते हैं। सावित्रि जिंदल भारत की सबसे अमीर महिला हैं जबकि मुकेश अंबानी भारत के सबसे अमीर शख्स हैं। मुकेश अंबानी से अमीर पूरे एशिया में भी कोई नहीं है। अंबानी के पास 7 लाख 65 हजार करोड़ से ज्यादा संपत्ति है। साल 2023 में मुकेश अंबानी ने सबसे ज्यादा कमाई की है। उन्होंने कमाई के मामले में सावित्री जिंदल को पीछे छोड़ दिया है। अंबानी ने इस साल अपनी कुल संपत्ति में 10 बिलियन डॉलर जोड़कर जिंदल परिवार की सावित्री जिंदल को पछाड़ दिया है। इस साल उनकी दौलत भारतीय रुपये में यह करीब 76 हजार करोड़ बढ़ी है।

सबसे ज्यादा कमाने वाले 5 भारतीय

साल 2023 में सबसे ज्यादा पैसा कमाने वालों में मुकेश अंबानी हैं जिनकी संपत्ति इस साल 9.98 अरब डॉलर बढ़ी। एचसीएल के शिव नादर दूसरे स्थान पर रहे जिनकी संपत्ति इस साल 9.47 अरब डॉलर बढ़ी। सावित्री जिंदल की संपत्ति 9 अरब डॉलर बढ़ी। डीएलएफ के कुशल पाल सिंह की संपत्ति 7.83 अरब डॉलर बढ़ी। शापूरजी पालोनजी ग्रुप के शापूर मिस्त्री की संपत्ति में 7.41 अरब डॉलर का इजाफा हुआ।

तरकश

-संजय के. दीक्षित

शुक्रिया...15 बरस

आप सभी के पसंदीदा साप्ताहिक स्तंभ तरकश ने डेढ़ दशक कंप्लीट कर लिया है। 2008 से दैनिक हरिभूमि में इस स्तंभ का सफर प्रारंभ हुआ था। हालांकि, कुछ अखबारों में तरकश के तीर नाम से यह कॉलम पहले भी छपता रहा। मगर, संस्थान बदलने के क्रम में निरंतरता टूट गई थी। इन्हीं दिनों...तारीख तो याद नहीं...पुराने मंत्रालय में तब के हायर एजुकेशन सिकरेट्री सीके खेतान के कमरे में हरिभूमि के प्रधान संपादक हिमांशु द्विवेदीजी से अचानक मुलाकात हो गई। मुलाकात पुरानी थी मगर उस रोज बरबस बात तरकश शुरू करने की निकली। और, हिमांशुजी ने सहमति देने में देर नहीं लगाई, बल्कि इसके लिए रविवार का दिन भी तय कर दिया। उस समय मेरे समक्ष समस्या यह थी कि मैं दिल्ली के एक नेशनल डेली से जुड़ा था। ऐसे में, एस. दीक्षित नाम से तरकश का प्रकाशन शुरू हुआ, उसके बाद से लगातार जारी है। वैसे, 15 बरस की अवधि बहुत लंबी नहीं होती, पर इसे एकदम छोटी भी नहीं कही जा सकती। वो भी बिना ब्रेक। यह अवसर मुहैया कराने के लिए हरिभूमि और हिमांशुजी को आभार। आमतौर पर लोकल अखबार गेस्ट कॉलमनिस्ट को...वो भी तरकश जैसा कॉलम...लिखने की इजाजत नहीं देते...हिमांशुजी ने मौका दिया। इन 15 बरसों में हमने भी क्वालिटी मेंटेन करने का भरसक प्रयास किया...खबरों को राग-द्वेष से दूर रखा। खरी-खरी लिखने के चक्कर में कई लोग नाराज हुए...फिर कुछ अच्छा हुआ तो खुश भी। बहरहाल, पाठकों के विश्वास ने तरकश को इतना सशक्त बना दिया कि सरकार में बैठे जिम्मेदार लोग इसकी खबरों पर संज्ञान लेने लगे। अनेक ऐसे मामले हैं, जिसे तरकश में आते ही सिस्टम हरकत में आया और कार्रवाइयां हुईं। तरकश के प्रति इस विश्वास के लिए लाखों पाठकों को शुक्रिया।

अघोषित डिप्टी सीएम

पूर्व ब्यूरोक्रेट्स ओपी चौधरी भले ही डिप्टी सीएम नहीं बन पाए मगर पोर्टफोलियो उन्हें ऐसा मिला है कि उनके पास सारे विभागों की चाबी रहेगी। ओपी को सबसे अहम विभाग फायनेंस मिला है। जाहिर है, लक्ष्मी के बिना कोई काम आगे नहीं बढ़ता। वैसे भी फायनेंस के अप्रूवल के बिना न कोई योजना आगे बढ़ती है और न ही कोई खरीदी, बिक्री या फिर पोस्टिंग, प्रमोशन की फाइल मूव होती। किस विभाग को कितना पैसा मिला है, कितना खर्च किया, कितना धर के बैठा है, पूरी कुंडली फायनेंस के पास होती है। कौन फिजूलखर्ची कर रहा, कौन लिमिट से ऊपर जाकर लग्जरी गाड़ी खरीद रहा, इस पर भी फायनेंस की नजर रहती है। ओपी को आवास और पर्यावरण विभाग भी मिला है। यह विभाग उसे ही मिलता है, जो पार्टी या फिर सीएम का विश्वस्त हो। रमन सिंह सरकार में राजेश मूणत लंबे समय तक आवास और पर्यावरण मंत्री रहे। इसमें टाउन एंड कंट्री प्लानिंग समेत पॉल्यूशन बोर्ड, एनआरडीए, आरडीए जैसे आते हैं। कालोनाइजर हो या आम आदमी, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से पाला पड़ता ही है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ बिगुल

मंत्री ओपी चौधरी ने विभाग मिलने से पहले ही रायगढ़ में सीएम के मंच से बड़ी घोषणा कर दी। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार न होने दूंगा और किसी को करने दूंगा। बोले, कोई पैसा मांगे तो मुझे बताना, उसकी खैर नहीं होगी। ओपी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद किया और पार्टी ने उन्हें आवास और पर्यावरण की जिम्मेदारी दे दी। ऐसे में, जमीनों को खेल करने वाले भूमाफियाओं और कालोनाइजरों की चिंताएं बढ़ गई हैं क्योंकि इस विभाग में बिना रैकेट को साधे फाइल आगे बढ़ती नहीं।

साय के घर साय

सीएम विष्णु देव साय दो तीन दिन के गृह जिले जशपुर के दौरे पर रहे। इस दौरान कल 30 दिसंबर को इलाके के लोगों से मेल मुलाकात का कार्यक्रम रखा। इस दौरान देर रात करीब 10 बजे एक चेहरे को देखकर हैरान रह गए। आगंतुक थे नंदकुमार साय। कभी बीजेपी के दिग्गज नेता रहे साय जी। विष्णु देव उनके सामने बच्चे रहे। मगर क्या करें, जहां घुटने भर भी पानी नहीं था, वहां साय जी ने खुद ही अपनी कश्ती डूबो ली। बार बार आदिवासी एक्सप्रेस दौड़ने के बावजूद पार्टी ने केंद्रीय मंत्री का दर्जा दिया। पर पता नहीं उनके दिमाग को क्या हुआ...सरकार बनने से ठीक पहले बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में चले गए और अब हार के बाद कांग्रेस भी छोड़ दिए हैं।

अफसरों की चुनौती

ब्यूरोक्रेसी में चर्चाएं हैं...सीएम सचिवालय को कंप्लीट करने के लिए दिल्ली से प्रमुख सचिव और एडिशनल चीफ सिकरेट्री रैंक के अफसरों से कुछ बात चली थी मगर फिलहाल वे आने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे। एक तो अधिकांश अफसरों के बच्चे यहां पढ़ रहे हैं और दूसरा जो सबसे अहम है वह है नई सरकार, नए चेहरे। नई सरकार में सीएम के अलावा दो-दो डिप्टी सीएम हैं। उनके बाद कुछ पुराने मंत्री। ऐसे में, सीएम सचिवालय के अफसरों के सामने कोआर्डिनेशन की बड़ी चुनौती होगी।

न्यू ईयर खराब-1

सरकार बदलने के बाद प्रशासनिक सर्जरी नहीं होने से अफसरों की स्थिति विकट हो गई है। अटकलें थी मुख्यमंत्री के शपथ के बाद उठापटक मच जाएगी। मगर पखवाड़ा से अधिक टाईम निकल जाने के बाद भी कोई सुगबुगाहट नहीं है। इस चक्कर में अफसरों का न्यू ईयर खराब हो रहा है। जाहिर है, सरकार बदलने के बाद मंत्रालय समेत कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों में व्यापक चेंजेस होते हैं। 2018 में सरकार बदली तो पहली लिस्ट ही 58 अधिकारियों की निकली थी। इस बार वैसा नहीं फिर भी अंदेशा तो था ही कुछ अवश्य होगा। मगर अभी वेट ही चल रहा है। अफसरों को खटक यह रहा कि क्रीज पर अगर टिक गया तो फिर बल्ले-बल्ले। मगर अगर हटा दिया तो न्यू ईयर निकल जाने के बाद क्या करेंगे। वैसे भी हटना है, सो पहले ही हटा दें तो कम-से-कम फेमिली के साथ कहीं घूम फिर आएं। मगर स्थिति पेंडुलम टाईप हो गई है...बेचारे उम्मीद और आशंका में दुबले होते जा रहे हैं...मेरा क्या होगा देवों के देव विष्णु देव। जो अधिकारी पहले से लूपलाईन में हैं, वे भी रायपुर नहीं छोड़ पा रहे। दरअसल, यही तो फील्डिंग का टाईम है। नई सरकार से ठीक ठाक केमेस्टी बन गई तो फिर पांच साल बढ़िया निकल जाएगा।

न्यू ईयर खराब-2

न्यू ईयर अफसरों का ही नहीं, छत्तीसगढ़ के बड़े कामकाज याने ठेका, सप्लाई वालों का भी खराब हो गया। इस उम्मीद में कारोबारियों ने न्यू ईयर सेलिब्रेशन का ट्रेवल प्लान बना लिया था कि किसी भी सूरत में 20 से 25 दिसंबर के बीच मंत्रियों को विभागों का बंटवारा हो ही जाएगा। सो, काम वाले मंत्रियों को बुके वगैरह देकर निकल लेंगे। मगर साल गुजरने से एक दिन पहले जाकर मंत्रियों को विभाग वितरण हो पाया। ऐसे में, कई ठेकेदारों ने अपना टूर प्रोग्राम केंसिल करा लिया है। उन्हें डर था कि सैर सपाटे पर गए और विभाग बंटा तो दूसरे लोग कहीं खो न कर दें। रायपुर के एक बडे ट्रेवल्र्स एजेंसी ने बताया, मंत्रियों के विभाग न बंट पाने के फेर में 32 लोगों ने अपना प्रोग्राम केंसिल कर दिया है। इनमें सिंगापुर, भूटान और थाईलैंड जाने वाले अधिक थे।

मंत्रियों में कंपीटिशन

पहली बार के विधायक भजनलाल शर्मा को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाकर बीजेपी ने नए, पुराने मंत्रियों समेत सभी विधायकों को रिचार्ज कर दिया है। छत्तीसगढ़ में भी बीजेपी के सभी विधायकों को भांति-भांति के सपने आने लगे हैं। उम्मीद के चक्कर में विधायक फुल एक्शन मोड में हैं। आलम यह है कि छह महीने का दौरा और मेल मुलाकात महीने भर में पूरा कर लिया है। मंत्री अलग बेचैन हैं...कैसे अपनी अलग लकीर खींचे। दरअसल, तीन राज्यों में सरकार के गठन में भाजपा ने जो प्रयोग किए हैं, उसके दूरगामी परिणाम दिखेंगे। भाजपा के लोग भी मान रहे हैं कि मंत्रियों का जलवा अब पुरानी बात हो गई। बीजेपी के एक बड़े नेता ने दबी जुबां से कहा, बीजेपी सरकार का 15 साल मंत्रियों, अफसरों के लिए स्वर्णिम काल रहा। कांग्रेस के भूपेश बघेल सरकार में भी मंत्रियों थोड़ा-बहुत जलवा तो काटा ही। मगर अब काम का जलवा रहेगा। याने जो मंत्री काम करेगा, सरकार में उसका प्रभाव दिखेगा। जाहिर है, मंत्रियों में अच्छा करने का कंपीटिशिन पैदा होगा। खासकर नए में। नए में अरुण साव, विजय शर्मा डिप्टी सीएम, पूर्व आईएएस ओपी चौधरी, श्याम बिहारी जायसवाल, लखनलाल देवांगन, टंकराम वर्मा और लक्ष्मी राजवाड़े मंत्री हैं। जाहिर है, सभी अपनी अलग लकीर लंबी करने का प्रयास करेंगे। इनमें तीन काफी तेज-तर्रार हैं। मुख्य तौर पर बढ़ियां करने का कंपीटिशिन इन्हीं तीन मंत्रियों के बीच रहेगा। चलिये, स्वस्थ्य कंपीटिशिन से राज्य को फायदा ही होगा।

हाथ की लकीरें

पूर्व विधायक रामदयाल उईके ने अपने ही समाज से जुड़े सिकरेट्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिख संविदा में पोस्टेड अफसर को हटाने की मांग कर डाली है। रामदयाल समय-समय पर चर्चा में आते रहे हैं। सबसे पहले पटवारी की नौकरी छोड़ बीजेपी की टिकिट से विधानसभा का चुनाव लड़ा और जीत कर चर्चा के केंद्र बने थे। फिर राज्य बनने के बाद अजीत जोगी के चुनाव लड़ने के लिए उन्होंने मरवाही सीट खाली कर दी। तब बीजेपी को बड़ा सदमा लगा था तो सियासी पंडित भी रामदयाल के फैसले से हतप्रभ रह गए थे। हालांकि, जोगी सरकार में रामदयाल को इस त्याग के बदले युवा आयोग के चेयरमैन से संतोष करना पड़ा था। जाहिर है, उन्होंने पार्टी छोड़ने की अगर चूक नहीं की होती तो बीजेपी की 15 साल की सरकार में एकाध बार आदिवासी कोटे से मंत्री बनने का मौका मिल गया होता। बहरहाल, बीजेपी छोड़ने के बाद 14 साल कांग्रेस में रहे...15वे साल जब बीजेपी की नैया डूब रही थी कांग्रेस से इस्तीफा देकर बीजेपी ज्वाईन कर लिया। यदि कांग्रेस में रहे होते तो निश्चित तौर पर मंत्री पद मिलता क्योंकि वे पार्टी के दो कार्यकारी अध्यक्षों में शामिल थे। और, अब देखिए जब बीजेपी की सरकार बननी थी तो मोदी और कमल के इस लहर में अपनी सीट गंवा बैठे। ठीक ही कहा गया है, हाथ में जब राजयोग की लकीर नहीं हो तो इस तरह की गल्तियां खुद-ब-खुद होती जाती हैं, इन पर मानव का कोई वश नहीं होता।

अंत में दो सवाल आपसे

1. विधानसभा में अनुपूरक पर चर्चा के दौरान सत्य को स्वीकार कर एक नए मंत्री घिर गए तो एक भी सीनियर सदस्य उनके पक्ष में खड़े नहीं हुए, क्यों?

2. विजय शर्मा के गृह मंत्री बनते ही पुलिस वालों की स्थिति क्यों खराब होने लगी है?

जैकेट के शेष

शंखनाद और 'राम .....

नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। हवाई अड्डे का नाम महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्या धाम रखा गया है। महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी। महर्षि वाल्मीकि के बहुत सारे अनुयायी हैं, जिनमें विशेष रूप से दलित समुदाय के लोग शामिल हैं। इसके पहले अयोध्या पहुंचने के बाद मोदी हवाई अड्डे से ही 'अयोध्या धाम' रेलवे स्टेशन के लिए एक रोडशो पर निकले, जहां विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने सड़कों के दोनों तरफ खड़े होकर प्रधानमंत्री का हाथ हिलाकर अभिवादन किया और उनकी तस्वीर भी लेते दिखे। इससे पहले, अयोध्या हवाई अड्डे पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी समेत कई प्रमुख नेताओं ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रधानमंत्री को अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत करते हुए एक तस्वीर साझा की और एक पोस्ट में कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का श्री अयोध्या धाम में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन। रोड शो के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक मंडलियों ने भी प्रस्तुति दी। तुलसीदास कृत रामचरित मानस की चौपाई सुनाते संस्कृतिकर्मी मोदी का स्वागत कर रहे थे। रास्ते भर मोदी-मोदी के नारों के साथ ही 'जय श्री राम' की गूंज सुनी गयी। मोदी के रोडशो के लिए सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की गयी है। लता मंगेशकर चौक पर भी साधु-संतों ने मोदी पर पुष्पवर्षा की और उन्होंने आशीर्वाद भी दिया। आज अयोध्या का श्रृंगार काफी अद्भुत था। जिसने भी देखा, यह श्रृंगार देख मनमोह उठा। रास्ते-रास्ते में बने तोरण द्वार और संत-साधु और आमजन ने अपने मन में भी मोदी को बसा लिया।

विमान यात्रियों ने किया हनुमान चालीसा : यूपी के अयोध्या में नवनिर्मित महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अयोध्या धाम पहुंचने वाली पहली फ्लाइट में एक अद्भुत नजारा देखने को मिला। फ्लाइट के दौरान विमान में सवार यात्रियों ने 'हनुमान चालीसा' का पाठ कर अपनी यात्रा की शुरुआत की।

अब नहीं सहिबो, बदल ....

मप्र के जमाने में ही 10 अक्टूबर 1993 में राजनांदगांव में छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन का गठन कर लिया गया था। प्रदेश के तीन दशक पुराने छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के चुनाव में सीधे सदस्य को मतदान का अधिकार नहीं होता। इसमें प्रदेश के जो भी संघ हैं, उनके तीन पदाधिकारियों अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष को ही मतदान का अधिकार रहता है। संघ बनाने के लिए यह जरूरी है जिस शहर में संघ बनाया जा रहा है, वहां पर कम से कम सात सराफा कारोबारी हों। अगर ऐसा नहीं है, तो आसपास के शहर, गांव से भी दूसरे कारोबारियों को मिलाकर संघ बनाया जा सकता है। प्रदेश में यूं तो 80 सराफा एसोसिएशन हैं, लेकिन पिछली बार जब दुर्ग में चुनाव हुआ था, तो उस समय 60 संघों ने ही शुल्क जमा किया था, इसलिए उनके पदाधिकारियों को ही मतदान का अधिकार मिला था। हालांकि तब चुनाव में मतदान करने की स्थिति नहीं थी, क्योंकि पदाधिकारियों का चुनाव सर्वसम्मति से निर्विरोध हो गया था।

नए संघों को भी ....

तीन पदाधिकारियों को मतदान का अधिकार रहेगा। कोषाध्यक्ष सुरेश भंसाली के मुताबिक मतदान के अधिकार के लिए यह जरूरी है कि संघ का शुल्क जमा होना चाहिए। जिन संघों का शुल्क जमा नहीं होगा, उनके पदाधिकारियों को मतदान का अधिकार नहीं रहेगा।

बिलासपुर में हुआ था .....

रायपुर में होने वाले चुनाव में भी जो स्थिति बन रही है, उससे मतदान होना तय माना जा रहा है। अध्यक्ष पद के लिए बिलासपुर से भी इस बार दावा सामने आ रहा है। इसी के साथ रायपुर के भी कुछ पदाधिकारी चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। अन्य शहरों के कारोबारी भी चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। इस बार आपसी सहमति की संभावना कम है। बिलासपुर सराफा एसोसिएशन के कुछ पदाधिकारी तो यह भी कह रहे हैं अब नहीं सहिबो बदल के रहिबो।

भगवान श्रीराम को ....

मुख्यमंत्री श्री साय ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ भगवान श्रीराम, माता जानकी और भगवान लक्ष्मण की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर सांसद सुनील सोनी, मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, श्याम बिहारी जायसवाल, दयाल दास बघेल, लक्ष्मी रजवाड़े एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश अग्रवाल, अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य भी उपस्थित रहे।

फर्जी शिक्षाकर्मी भर्ती....

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी प्रशांत देवांगन ने सभी को 3-3 साल की सजा के साथ जुर्माना भी लगाया। गरियाबंद प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रशांत कुमार देवांगन ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए मामले में पिताम्बर साहू, योगेन्द्र सिन्हा, देव नारायण साहू, भेगेश्वरी साहू, हेमलाल साहू, दौलत राम साहू, संजय शर्मा, ममता सिन्हा, शंकर लाल साहू, अरविंद कुमार सिन्हा, शिव कुमार साहू शिक्षाकर्मियों को 3-3 साल की सजा और एक एक हजार अर्थ दंड लगाया था। हालांकि सभी दोषियों ने कल ही जमानत लेकर अपील की तैयारी कर रहे हैं। न्यायालय ने मामले में 26 गवाहों के बयान दर्ज किए थे। दस्तावेजी साक्ष्य के बाद आरोपित 11 शिक्षाकर्मियों को दोषी पाया गया।

पेज एक के शेष

फुल स्पीड में बुल, शेयर...

सफल रहे हैं। 2024 में भी बाजार के ऑल टाइम हाइ पर बने रहने की संभावना है। शेयर मार्केट के एक्सपर्ट कह रहे हैं कि 2024 में सेंसेक्स 74 हजार और निफ्टी 23 हजार का आंकड़ा छू सकता है। इस उम्मीद की वजह भी है। भारतीय बाजार ने 10 वैश्विक बाजारों को पीछे छोड़ दिया है। मजबूत मैक्रोइकोनॉमिक फंडामेंटल्स, विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों की ओर से निवेश जैसे फैक्टर्स के कारण ऐसा हुआ है। दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत, 4.16 लाख करोड़ डॉलर के कैपिटलाइजेशन के साथ 5वें सबसे मूल्यवान बाजार के रूप में मजबूत बनी हुई है। पिछले वर्ष की तुलना में कैपिटलाइजेशन में 24.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कैपिटलाइजेशन लगातार 5वें साल बढ़ा है।

रिटेल निवेशकों की भागदारी लगातार बढ़ रही : इन सबके बीच भारतीय शेयर बाजार में रिकॉर्डतोड़ तेजी जारी है। घरेलू बाजार में इस तेजी की सबसे बड़ी वजह रिटेल निवेशकों की बढ़ती भागीदारी है। 2023 में सबसे ज्यादा निवेशक उत्तर प्रदेश से जुड़े हैं। देश के इस सबसे बड़े राज्य से 2023 में 23 लाख नए निवेशक जुड़े हैं। पिछले साल के मुकाबले इसमें 34 प्रतिशत की ग्रोथ रही। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश सबसे ज्यादा नए निवेशक जोड़ने के मामले में महाराष्ट्र को पीछे छोड़ चुका है। आमतौर पर सबसे ज्यादा नए निवेशक महाराष्ट्र से ही जुड़ते थे।

दुनियाभर के शेयर बाजारों में भारत की अपनी जगह : इस साल बाजार को लेकर एक और नया रिकॉर्ड बना है। भारतीय शेयर बाजार का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन पहली बार 4 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंचा है। दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में भारत पांचवें नंबर पर बना हुआ है। भारत से पहले 50 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ अमेरिका पहले स्थान पर, 10 ट्रिलियन डॉलर के साथ चीन दूसरे स्थान पर, 6 ट्रिलियन डॉलर पर जापान तीसरे स्थान पर और 4.5 ट्रिलियन डॉलर के साथ हॉन्ग कॉन्ग चौथे स्थान पर है।

अन्य एशियाई और यूरोपीय बाजारों का हाल : अन्य एशियाई बाजारों में, जापान के शेयर बाजार का मार्केट कैप 2023 में 11.6 प्रतिशत बढ़कर 6.09 लाख करोड़ डॉलर हो गया। यूरोप में, फ्रांस का बाजार 13.77 प्रतिशत बढ़कर 3.27 लाख करोड़ डॉलर हो गया और ब्रिटिश बाजार 5.3 प्रतिशत बढ़कर 3.07 लाख करोड़ डॉलर पर पहुंच गया। सऊदी अरब ने मार्केट कैप में 13.1 प्रतिशत, कनाडा ने 6.63 प्रतिशत और जर्मनी ने 12.25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। ये तीनों बाजार क्रमशः 2.97 लाख करोड़ डॉलर, 2.89 लाख करोड़ डॉलर और 2.39 करोड़ डॉलर तक पहुंच गए।

चुनौतियों के बाद भी...

बाजारों में दबाव दिखा। जून महीने में निफ्टी ने 2023 में पहली बार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने में कामयाब रहा। सितंबर में निफ्टी पहली बार 20,000 का आंकड़ा और फिर दिसंबर में सेंसेक्स ने पहली बार 70,000 का आंकड़ा पार किया। गुरुवार (28 दिसंबर) को निफ्टी 21,801.45 के नए शिखर पर पहुंच चुका है। इस दिन सेंसेक्स ने भी 72,484.34 का नया शिखर बनाया है।

विनेश ने लौटाए...

विनेश ने कर्तव्य पथ पर पुरस्कार छोड़ दिए और बाद में दिल्ली पुलिस ने इन्हें उठा लिया। विनेश ने ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया के साथ मिलकर भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह के चुनाव का विरोध किया था। इन तीनों ने बृजभूषण पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। संजय सिंह के डब्ल्यूएफआई प्रमुख की नियुक्ति के तुरंत बाद साक्षी ने कुश्ती से संन्यास की घोषणा कर दी थी। खेल मंत्रालय ने हालांकि संविधान के प्रावधानों का पालन नहीं करने के लिए डब्ल्यूएफआई के नवनिर्वाचित पैनल को निलंबित कर दिया था जबकि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से खेल संस्था का कामकाज देखने के लिए एक तदर्थ पैनल का गठन करने के लिए कहा था। विनेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए अपने पत्र में कहा था कि उनका जीवन सरकार के विज्ञापनों जैसा नहीं है जो महिला सशक्तिकरण और उत्थान के बारे में बात करते हैं। खेल मंत्रालय के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए आईओए ने बुधवार को डब्ल्यूएफआई का कामकाज चलाने के लिए तीन सदस्यीय तदर्थ समिति का गठन किया।

महादेव सट्टा के लिए...

देवांगन ने शिकायत की है कि हाउसिंग बोर्ड निवासी विक्की शर्मा और उसका बेटा जय शर्मा ने पीड़ित को कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी लगाने का लालच दिया। इसके एवज में 30 हजार रुपए प्रतिमाह रुपए मिलेगा। यह नौकरी उसे पटना शहर में जाकर करना होगा। इसके साथ ही वहां खाना-पीना और रहना फ्री होने का झांसा दिया। जब तीनों युवक पटना पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उन्हें कंप्यूटर ऑपरेटर नहीं, बल्कि महादेव सट्टा ऐप चलाने का काम करना है। युवकों को रेड्डी अन्ना की एक आईडी का पैनल दिया और चलाने को कहा गया। तीनों युवकों ने पैनल चलाने से मना कर दिया। तब युवकों के साथ सटोरियों ने कमरे में बंधक बना दिया और जबरदस्ती माह भर तक सट्टा ऐप का संचालन करवाया। इसी बीच, युवकों को मौका मिलते ही पटना से फरार होकर भिलाई पहुंचे। उनके साथ भागे युवक अमित हलधर को विक्की शर्मा और उसके गुर्गों ने पकड़ लिया। फिर उसके जरिए दो अन्य को बुलाया और उन्हें बंधक बनाकर अपने घर हाउसिंग बोर्ड ले गए। यहां उन्हें बेरहमी से पीटा गया।

दस माह पुराना वीडियो वायरल : बताया जा रहा है कि विक्की शर्मा द्वारा पुलिस के स्पेशल डंडे से तीनों युवकों की पिटाई कर रहा है। यह वीडियो दस माह पुराना है। पीड़ित केवल देवांगन का कहना है कि पिटाई के बाद उन लोगों ने दुर्ग पुलिस में ऑनलाइन शिकायत की थी। शिकायत जामुल थाने पहुंची। पीड़ित को धमकी भी दी गई कि विक्की शर्मा और उसके गुर्गों से मत भिड़ो। इससे युवक काफी डर गए। सटोरियों ने तीन युवकों पर 7 लाख रुपये का नुकसान करने का आरोप लगाया था। युवकों से तीनों के पास रखे 17 हजार रुपए भी छीना गया। शेष रकम 6 लाख 83 हजार रुपए वो उनसे और उनके परिवार के लोगों से वसूल करने की धमकी दी गई। युवकों की पिटाई करते हुए धमकी भी दी कि किसी का कोई डर नहीं है। जहां जाना है वहां जाओ उनकी हमारी पहचान ऊपर तक है।

पार्षद ने दिया आईडी : पीड़ित के मुताबिक जिस आईडी को विक्की शर्मा औपर उसके गुर्गे चला रहे थे, वो रेड्डी अन्ना ऑनलाइन सट्टा का है। ये आईडी नगर पालिक निगम भिलाई के एक पार्षद ने उन्हें दिया था। वो आईडी देने के एवज में सटोरियों से हफ्ता वसूल करता था। इसके अलावा राजनीतिक दबाव के बल पर उन्हें पुलिस से बचाने का दावा करता था। इसके अलावा ऑनलाइन सट्टा का बड़ा कारोबार भिलाई-दुर्ग के गली मोहल्लों में युवकों द्वारा लंबे समय से चलाया जा रहा है। इन पर पुलिस शिकंजा कसने का बड़ा प्रयास कर रही है। जामुल पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच में लिया। भिलाई के पार्षद की सारी कुंडली जल्द सामने आ जाएगी। इसके अलावा शहर के छुटभैया नेता भी शिकंजे में जल्द आएंगे।

इधर, आरटीओ एजेंट के...

राजेश मिश्रा महादेव के ब्लैक मनी को सफेद करता था। यह जानकारी ईडी के अधिकारियों बैंक के ट्रांजेक्शन से पता चला। उसके बाद टीम बनाकर हाउसिंग बोर्ड निवासी राजेश मिश्रा के मकान में पहुंचे। खबर लिखे जाने तक पूछताछ के दौरान राजेश मिश्रा की बुजुर्ग मां बेहोश भी हो गई। उन्हें उठाकर घर के भीतर ले जाया गया। राजेश मिश्रा के घर अभी उनके भाई उनकी मां और एक बहन है। अधिकरी उसके भाई से भी पूछताछ कर रही है। गौरतलब वहीं ईडी की टीम ने सुपेला में पदस्थ रहे आरक्षक भीम सिंह यादव को टीम ने गिरफ्तार कर लेकर गई थी। इसके पहले असीम दास को रायपुर स्थित एक होटल से करोड़ों रुपए के साथ पकड़ा था। दोनों से पूछताछ के बाद भीम सिंह पत्नी का भी नाम सामने आया टीम शुक्रवार को उसके निवास पहुंचकर समन चस्पा कर आई थी। आने वाले दिनों में ईडी की टीम नए खुलासे कर सकती है।

साय बोले-मोदी की...

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा ध्येय वाक्य है सुशासन का सूर्योदय, इसे चरितार्थ करना है। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह भी मौजूद रहे। साथ ही स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा मौजूद रहे।

अनोखा प्रयोग, चुनाव लड़ने...

चुनाव होना है, लेकिन चुनाव से पहले ही भाजपा के प्रत्याशी सुरेंद्र पाल सिंह टीटी को भी मंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई है। भाजपा के इस कदम के बाद कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। साथ ही कांग्रेस ने दावा किया है कि देश में यह पहला मामला है। उल्लेखनीय है कि राज्य में विधानसभा की 200 में से 199 सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान हुआ। चुनाव परिणाम तीन दिसंबर को घोषित किया गया था। भजनलाल शर्मा ने 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ नवनिर्वाचित विधायक दिया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था।

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

(1) निविदा सं. 30236247, दिनांक: 26.12.2023

कार्य का नाम: 48V/DC, 2+1 कंफीगुरेशन में 50 AMP यानी तीन मॉड्युल 25 AMP के प्रयोग के साथ ऑटोमेटिक स्विचिंग के टेलीकॉम प्रयोग हेतु RDSO विनिर्देश RDSO/SPN/TL/23/99/(VER.4) संशोधन सं. 1 अथवा नवीनतम के अनुसार रखरखाव मुक्त VRLA बैटरियों के लिए उपयुक्त SMPS आधारित बैटरी चार्जर की आपूर्ति। स्वीकृत निर्माता/ब्रांड: इलेक्ट्रिक इंडस्ट्रीज-नई दिल्ली अथवा समकक्ष। मात्रा: 34 संख्यक। द्वारा निरीक्षण: TPI.

(2) निविदा सं. 30236234, दिनांक: 26.12.2023

कार्य का नाम: RDSO विनिर्देश सं. IRSTC-68/2012 REV.0. AMDT. 1 के अनुसार सभी सहायक उपकरणों के साथ सम्पूर्ण 2 MB प्रोग्रामेबल प्राइमरी डिजिटल ड्रॉप इंसर्ट मल्टीप्लेक्सर के साथ कनेक्टिविटी के लिए आवश्यक केबलों तथा कनेक्टरों के साथ मौजूदा SDH उपकरण की आपूर्ति। DI MUX 30 चैनलों के लिए पूरी तरह वायर्ड होनी चाहिए तथा (क) पावर सप्लाई कार्ड-02 संख्यक, (ख) NIM कार्ड-01 संख्यक, (ग) ट्राइबुटरी कार्ड-01 संख्यक, (घ) 2 W/4 W E&M कार्ड (प्रति कार्ड 4 सर्किट)-05 संख्यक, (ङ) 2W सब्सक्राइबर लूप इंटरफेस कार्ड (प्रति कार्ड 4 सर्किट)-01 संख्यक एवं (च) 2 W एक्सचेंज लूप इंटरफेस कार्ड (प्रति कार्ड 4 सर्किट)-01 संख्यक के साथ सुसज्जित होनी चाहिए। टिप्पणी: MUX वाल्टियर मंडल में WEBFIL निर्मित मौजूदा NMS एवं PD MUX के अनुकूल होने चाहिए। मात्रा: 28 सेट। द्वारा निरीक्षण: TPI.

(3) निविदा सं. 30236246, दिनांक: 26.12.2023

कार्य का नाम: RDSO विनिर्देश IRS: S.93/96 (A) साथ में संशोधन 01 के अनुसार रखरखाव मुक्त VRLA बैटरियों की सेट की आपूर्ति (प्रत्येक बैटरी सेट 2V-200AH की 24 बैटरियों की होनी चाहिए) विनिर्देश IRS: S.93/96 (A) साथ में संशोधन 01 के अनुसार। निर्माता: अमारा राजा अथवा समकक्ष। मात्रा: 44 सेट। द्वारा निरीक्षण: TPI.

द्रष्टव्य: सामग्रियों की आपूर्ति 60 दिनों (क्रमांक 1 एवं 3 के लिए) एवं 90 दिनों (क्रमांक 2 के लिए) के अंदर की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 24.01.2024 को 1500 बजे (सभी क्रमांक के लिए)।

सम्पूर्ण विवरण **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/वाल्टियर

PR-937/O/23-24

पाकिस्तान बोला- नहीं सौंपेंगे सईद को, भारत से प्रत्यर्पण की संधि नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत द्वारा लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद, 2008 के मुंबई हमले के मास्टरमाइंड और संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी के प्रत्यर्पण की मांग संबंधी दस्तावेज पाकिस्तान को भेजे हैं। पाकिस्तान ने शुक्रवार को पुष्टि की कि भारत ने हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की डिमांड संबंधी दस्तावेजों को हाल ही में इस्लामाबाद भेजा है। इसी के साथ उसने यह भी स्पष्ट किया कि हाफिज सईद को पाकिस्तान भारत को नहीं सौंप सकता क्योंकि भारत-पाकिस्तान के बीच प्रत्यर्पण संधि नहीं है।

पाक विदेश कार्यालय ने दिया ये जवाब

बागची ने नई दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, हमने इस मामले में टिप्पणी के लिए संपर्क किया तो पाक विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच कोई द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि मौजूद नहीं है। नई दिल्ली का इस्लामाबाद के साथ कोई प्रत्यर्पण समझौता नहीं है। हालांकि, मामले से जुड़े और जानकार लोगों ने कहा कि इस तरह के फ्रेमवर्क समझौते के अभाव में भी प्रत्यर्पण संभव है।

कौन है हाफिज सईद

बता दें कि हाफिद सईद एक कट्टरपंथी मौलवी है, जिसे जुलाई 2019 में काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट द्वारा उसके और उसके करीबी सहयोगियों के खिलाफ दर्ज 23 एफआईआर के बाद गिरफ्तार किया गया था। उसे अप्रैल 2022 में आतंकवाद विरोधी अदालत द्वारा आतंक वित्तपोषण के दो मामलों में 33 साल की संयुक्त सजा दी गई थी। सईद के नेतृत्व वाला जेयूडी लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है, जो 2008 के मुंबई हमले को अंजाम देने के लिए जिम्मेदार है। इस हमले में छह अमेरिकियों सहित 166 लोग मारे गए थे।

नेपाल सीमा में घुसते छह ईरानी नागरिक गिरफ्तार : महाराजगंज। दो महिलाओं और दो बच्चों समेत छह ईरानी नागरिकों को सशस्त्र सीमा बल और आव्रजन विभाग द्वारा इस जिले के सोनौली में भारत-नेपाल सीमा अवैध रूप से पार करके नेपाल जाने का प्रयास करते हुए पकड़ा गया है। आव्रजन विभाग की टीम ने शनिवार को छह ईरानी नागरिकों को भारत-नेपाल सीमा पर रोक लिया।

न्यायालय तहसीलदार भखारा जिला धमतरी छ.ग.

उपस्थिति सूचना

क्रमांक/ /तह./2023 भखारा, दिनांक 29/12/2023

न्यायालयीन राजस्व प्रकरण क्रमांक 202306132300003/अ-5 वर्ष 2023-23

पक्षकार नरेश कुमार मरकाम पिता रामजी मरकाम जाति गोंड़ निवासी डोमा द्वारा आवेदन पत्र पेशकर लेख किया है कि ग्राम डोमा पटवारी हल्का नं. 25 में स्थित भूमि खसरा नं. 736 रकबा 0.27 हे. योग खसरा नं. 01 योग रकबा 0.27 हे. भूमि स्वामी नरेश कुमार पिता रामजी मरकाम निवासी डोमा के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि बन्दोबस्त के पूर्व पुराना खसरा नं. 465 रकबा 0.984 हे. दर्ज था जिसे आवेदक पंजीकृत बैनामा से क्रय किया है। वर्तमान में भूमि का रकबा 0.114 हे. कम हो गया है। जिसे बन्दोबस्त के पूर्व अभिलेख अनुसार रकबा में सुधार किये जाने आवेदन पत्र पेश किया है। राजस्व निरीक्षक के जांच प्रतिवेदन मय सुधार प्रस्ताव अनुसार ऋषि राम पिता उमेंदी कंवर अन्य पांच की भूमि खसरा नं. 737 रकबा 0.90 हे., के भाग रकबा 0.11 हे. आवेदक नरेश कुमार के नाम पर दर्ज किये जाने प्रस्तावित किया है। अनावेदक प्रभावित पक्षकार में धनेश्वरी, भीमाबाई, पिता उमेंदी, पुसई बाई पिता उमेंदीराम की उपस्थिति हेतु नियत है। प्रकरण में आगामी सुनवाई दिनांक 08/01/2024 नियत है।

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित उपस्थिति सूचना पत्र के आधार पर नियत तिथि को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित कर अपना पक्ष रखे। नियत तिथि तक उपस्थित नहीं होने पर प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए आगे की कार्यवाही की जावेगी।

तहसीलदार
भखारा

पूर्व तट रेलवे

(1) निविदा सं. 30236265, दिनांक: 26.12.2023

कार्य का नाम: डोर वे BOXN, BOSNHS, BOXN HSM2, BOXN M2, BOXN CR, BOXN HA (RDSO Drg. नं. WD-23018-S-01) मद सं. 2, 8, 14, 15, 17, 18 एवं 20. मात्रा: 500 संख्यक। द्वारा निरीक्षण: TPI.

(2) निविदा सं. 30236249, दिनांक: 26.12.2023

कार्य का नाम: BOBR/BOBRN वैगनों के लिए लोड सेंसिंग यंत्र, RDSO विनिर्देश सं. 02-ABR-02, परिशिष्ट-P संशोधन सं. 4 OF सितम्बर 2016 RDSO DRG. सं. WD-01065-S-01 संशोधन-नवीनतम के अनुसार। मात्रा: 500 संख्यक। द्वारा निरीक्षण: TPI.

(3) निविदा सं. 30236263, दिनांक: 26.12.2023

कार्य का नाम: NEI DRG. सं. RBSD-7077 संशोधन B नवीनतम के अनुसार AAR अनुमोदित CTRB CLASS "K" 6 1/2" X 9" साथ में नैरो जॉ एडॉप्टर तथा संबंधित उपकरण, RDSO विनिर्देश AB/RB-41-2016 संशोधन-1 अथवा नवीनतम के अनुसार। निर्माता: NBC/TIMKEN/SKF. मात्रा: 150 संख्यक। द्वारा निरीक्षण: TPI.

द्रष्टव्य: सामग्रियों की आपूर्ति 90 दिनों (क्रमांक 1 एवं 3 के लिए) एवं 75 दिनों (क्रमांक 2 के लिए) के अंदर की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 24.01.2024 को 1500 बजे (सभी क्रमांक के लिए)।

सम्पूर्ण विवरण **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/वाल्टियर

PR-936/O/23-24

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)

सूचना

एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाऐं एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in, कोल इंडिया के ई-प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

कार्यालय आयुक्त, केन्द्रीय जी. एस. टी. एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क; जी. एस. टी. भवन, धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.) - 492001 Office of the Commissioner, Central GST and Central Excise; GST Bhawan, Dhamtari Road, Tikrapara, Raipur - 492001

30-12-2023

प्रेस नोट

सूचित किया जाता है कि श्री ईश्वर खाड़े, निवास प्लॉट नंबर 53, गजानन नगर, खोबरागड़े लेआउट, मानेवाड़ा रिंग रोड, नागपुर (महाराष्ट्र), जो 31-12-2019 को सीबीआईसी, राजस्व विभाग से अधीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं, को सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित चार्ज मेमोरेंडम दिनांक 29-12-2023 जारी किया गया है।

चार्ज मेमोरेंडम को दिनांक 30-12-2023 को उनके वर्तमान निवास यानी प्लॉट नंबर 53, गजानन नगर, खोबरागड़े लेआउट, मानेवाड़ा रिंग रोड, नागपुर (महाराष्ट्र) पर पंचनामा दिनांक 30-12-2023 की कार्यवाही के माध्यम से तामील किया गया है। विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार उपलब्ध उनके मोबाइल नंबर और ईमेल के पते पर और व्हाट्सएप और ईमेल के माध्यम से भी भेजा गया है।

इसे रिकॉर्ड के अनुसार अंतिम उपलब्ध पते और उनके वर्तमान आवासीय पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से भी भेजा गया है। इसे जारी करने वाले प्राधिकारी के कार्यालय यानी आयुक्त, सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क रायपुर के कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है।

इसलिए श्री ईश्वर खाड़े, अधीक्षक (सेवानिवृत्त) तुरंत इसका संज्ञान लें और चार्ज मेमोरेंडम को सभी सार्थक माध्यम के द्वारा तामील किया माना जाएगा।

अपर आयुक्त (का./सत.)
केन्द्रीय जी. एस. टी. एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, रायपुर

शब्द पहेली - 5380

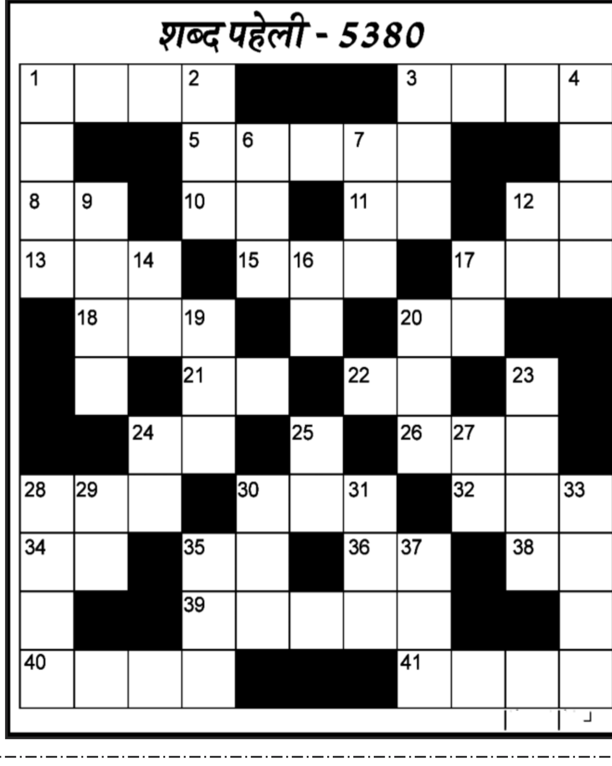

बाएँ से दाए-
1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़, भिड़ंत-4
5. क्रोधित होवा-5
8. लाश, पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख, नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा, लाभ-2
21. चिट्ठी, पत्र-2
22. जी, चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना, दबाना-3
28. दाड़म, एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी, पुलाव-3
34. मां, आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब, किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे
1. दलाली-4
2. स्वदेश, जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड, आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक, कणिका-2
14. थोड़ा, जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित, रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट, अभिमत-2
28. धरोहर, थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि, रोकड़-3
31. संधिपत्र, मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदृढ, तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -5379 का हल

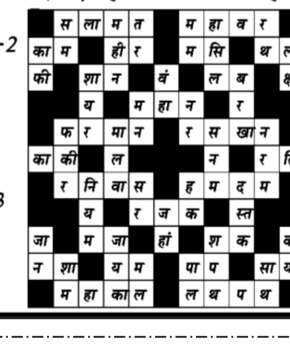

सूडोकु नवताल - 5390

★★★☆☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5389 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

अपने जीवन को नया रूप, नया अर्थ हम ही दे सकते हैं। इसके लिए हमें अपने स्वास्थ्य, आर्थिक, मानसिक, आत्मिक, संबंध और तकनीक प्रबंधन की कला सीखनी होगी। इस कला के सूत्रों को अपनाकर हमारा जीवन निश्चित ही तनावमुक्त, उत्साह और ऊर्जा से भरपूर बन जाएगा। इसका शुभारंभ हम कल से शुरू हो रहे नववर्ष से ही कर सकते हैं।

नए वर्ष में दें जीवन को नया अर्थ

आवरण कथा / कुमार राधारमण

यह जीवन सुख-दुख और हर्ष-विषाद की एक अनवरत यात्रा है। हमारी कामनाएं इस यात्रा को गति देती हैं और परेशानी का कारण भी बनती हैं। इस वर्ष आपने ना जाने कितनी योजनाएं बनाई होंगी। कुछ पूरे हुए होंगे और कुछ शेष होंगे। कल की बेहतरी की उम्मीद जिजीविषा को बनाए रखती है और जीवन को नए मायने देती है। वस्तुतः नएपन का बोध व्यक्ति को ऊर्जा से भर देता है और यही ऊर्जा मनुष्य के विकास का आधार है। कल से आरंभ हो रहे नववर्ष में हम स्व प्रबंधन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

आर्थिक प्रबंधन

यह आर्थिक युग है। जीने के लिए धन की अनिवार्यता है और आर्थिक आत्मनिर्भरता हर व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आप अपने परिवार से इतर लोगों के लिए भी सहारा बनते हैं और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में भी योगदान देते हैं। व्यवसाय कई पीढ़ियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना सकता है। व्यवसाय के लिए पूंजी चाहिए और लंबे समय तक छोटी बचत से भी बड़ी पूंजी खड़ी हो सकती है। बाजार के प्रभाव में आकर अनावश्यक खर्चे से बचें और आर्थिक रूप से जागरूक बनें। जिस निवेश में जोखिम हो, उसमें लाभ की संभावना भी छिपी होती है। नया वर्ष ऐसी किसी योजना को कार्यरूप देने का अवसर है। जमीन या मकान में ऐसा निवेश ना करें, जो कई वर्षों तक आपकी परेशानी का सबब बना रहे। वास्तविक जरूरत का सम्यक आकलन ऐसी परेशानी से बचा सकता है।

स्वास्थ्य प्रबंधन

जो स्वस्थ है, वही जीवन का आनंद ले सकता है। किसी रोग से ग्रस्त होने से पहले भी शरीर कई तरह के संकेत देता है, लेकिन सामान्यतः हम उन्हें पकड़ नही पाते क्योंकि हम इसके प्रति इतने जागरूक नहीं होते। ऐसे में, बेहतर यही है कि प्रतिवर्ष बुनियादी मानदंडों पर अपने स्वास्थ्य को परखने के लिए अपनी जांच कराएं ताकि यदि कोई रोग भीतर पनप भी रहा हो, तो शुरुआती दौर में ही उसका पता चल जाए और आप आगे का जीवन सक्रियतापूर्वक बिता सकें। क्या बीत रहे वर्ष में आपने ऐसी कोई जांच कराई है? यदि हां, तो क्या आपकी दिनचर्या डॉक्टर के कहे मुताबिक ही चल रही है या आप अब भी तमाम लक्षणों का विश्लेषण अपने कयास के आधार पर कर रहे हैं? चिकित्सा विज्ञान ने जो प्रगति की है, उसका लाभ उठाना आपका अधिकार है, यह लाभ लेने में ही ना सिर्फ आपकी बल्कि आपके परिवार की भी सुरक्षा और भलाई है।

संबंध प्रबंधन

यह दुनिया संबंधों की है। बहुधा देखा जाता है कि पद, कद, रुतबा बदलते ही हमारे व्यवहार में परिवर्तन आने लगता है। अपनी खुशहाली में हम जिनसे सम्मान और मान्यता की अपेक्षा रखते हैं, व्यवहार जगत में हम उन्हीं रक्तसंबंधियों से दूर होने लगते हैं। हममें से अधिकतर लोग अपने ही सगों से धोखा खाए, सताए हुए हैं। ऐसे में, कई बार पराए, अल्पपरिचित लोग अधिक प्रिय लगने लग जाते हैं। फिर भी, संबंध छूट नहीं जाते। मैं सही-तू गलत के चक्कर में यदि संबंधों की न्यूनतम मर्यादा के पालन से भी आप चूके हों, तो आने वाला वर्ष इसे सुधारने का अवसर है। नए संबंध भी बनाएं और रक्तसंबंधियों से भी जुड़े रहें। इससे आगे चलकर पहचान का संकट पैदा नहीं होगा।

तकनीक प्रबंधन

सबसे कीमती है समय। सही समय पर लिया गया सही निर्णय एक लंबी छलांग दे सकता है। लेकिन हममें से बहुतों की दुनिया अब गैजेट्स तक सीमित रह गई है। वास्तव में, इन दिनों लोग सोशल मीडिया पर बहुत अधिक समय दे रहे हैं। परिवार छोटे हो रहे हैं और परिवार का हर सदस्य अपने मोबाइल में व्यस्त है। गौर कीजिए कि इस बीत रहे वर्ष में आपने प्रतिदिन सोशल मीडिया पर बिताए औसत समय की तुलना में क्या कुछ हासिल किया? सोशल मीडिया आपके लिए अपनी रचनात्मकता की अभिव्यक्ति या धनार्जन का विषय है या आप बस टाइमपास कर रहे हैं? गैजेट्स पर अपनी व्यस्तता की समीक्षा कीजिए और अधिक सार्थक काम को समय दीजिए। जीवन की जरूरतें बहुत अधिक नहीं हैं और ना ही महत्वाकांक्षा का कोई अंत है। इसलिए किसी भी तकनीक को उतना ही समय दें, जितने के बाद भी आप परिवार को पर्याप्त समय दे पा रहे हों।

मानसिक प्रबंधन

संभव है, बीत रहा वर्ष आपके लिए किसी विषय या क्षेत्र में कड़वा अनुभव देने वाला रहा हो। यह अनुभव नए वर्ष में आपके काम आ सकता है, क्योंकि बकौल हरिवंश राय बच्चन-जो बीत गई, सो बात गई। किसी दुर्घटना के डर से हम सड़क पर निकलना तो नहीं छोड़ देते। जीवन में आगे बढ़ना ही होता है। अपनी जिजीविषा के बूते मनुष्य ने अनंत चुनौतियां पार की हैं। प्रकृति प्रतिपल नूतन है और जीवन का हर क्षण एक अप्रतिम अवसर है। महाप्राण निराला का महामंत्र है-'नवगति नवलय ताल-छंद नव, नवल कंठ नव जलद मंत्र रव।' जब तक आपमें प्राणऊर्जा है, आप अपनी परिस्थितियों को बेहतर बनाने के लिए प्रयास कर सकते हैं। अनंत अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। आइए, अपने जीवन को नया रूप, नया अर्थ देने के शुभ संकल्प के साथ नव वर्ष में प्रवेश करें। *

आत्म प्रबंधन

मनुष्य केवल भूख, नींद और पैसा कमाने के लिए नहीं है। उसके पास एक विकसित मन और चेतना भी है। जीवन की इस आपा-धापी में, हमारे पास अपने लिए समय ना के बराबर रह गया है। आज ऐसा एकांत दुर्लभ होता जा रहा है, जिसमें हम कुछ समय सिर्फ अपने आपको दे सकें। स्वाध्याय, चिंतन-मनन, शांत करने वाले संगीत और ध्यान से हममें से अधिकतर लोग विमुख हैं। जीवन में जो कुछ भी आध्यात्मिक रूप से मूल्यवान है, तकनीक वो हमें नहीं दे रही है। सो निरंतर सक्रियता के साथ ठहरना भी जरूरी है। नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए आत्ममंथन भी हो कि क्या यह हमें बेहतर मनुष्य बना रही है? यह समय इस वर्ष की गलतियों से सबक लेकर नए वर्ष में नए संकल्प के साथ प्रवेश करने का है। क्या आपके खान-पान और जगत-व्यवहार में शुचिता है? क्या चेतना के तल पर आप ऊपर उठ पाए हैं? क्या आपके जीवन में आध्यात्मिकता है? इन प्रश्नों के जवाब अगर ना में हैं तो यही सही समय है कि आत्मचेतना के लिए भी सक्रिय हों।

लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा

आभासी चक्रव्यूह

नववर्ष के संकल्पों की सूची बनाते हुए उसने तकनीकी दुनिया से मिली सहूलियतों पर भी विचार किया। नए साल में अपनी दुनिया नई कर लेने के वादों को वास्तविकता के धरातल पर उतारने के लिए बहुत से एप स्मार्ट फोन में डाउनलोड कर लिए। फोन की स्क्रीन पर पल-पल अवतरित हो वजन घटाने की युक्तियां बताने वाले एप से लेकर मन की सेहत सुधारने के तरीके सुझाने वाले एप तक। कोई एप दिन की शुरुआत में ही सितारों की चाल जान लेने के लिए चुना तो कोई जीवनशैली बदलने के गुर समझने के लिए। उसके उत्साहित युवा मन को ये एप्स झटपट कुछ कर जाने और उसका लेखा-जोखा रखने के माध्यम प्रतीत हुए।

साल का पहला सप्ताह स्क्रीन पर अवतरित होते सुझावों को समझते-गुनते ही बीत गया। स्क्रीन स्क्रॉल का वक्त घटने के बजाय और बढ़ गया। साथ ही कम हो गई लक्ष्य तक जाने, जो करने की ठानी है, उसे कर पाने की सक्रियता और प्रतिबद्धता। कोई संकल्प मुश्किल लगता तो मन उसका विकल्प भी किसी दूसरे एप में तलाशने की वर्चुअल दौड़-धूप शुरू कर देता। यह नहीं तो वह, वह नहीं तो यह। कुछ ना करते हुए सब कुछ कर जाने का आभासी चक्रव्यूह असल जीवन को घेरने लगा। गति पकड़ने के गुर बताने वाले माध्यमों से जीवन कुछ और ठिठक-सा गया।

बेटे के स्वयं से किए वादों का दावे भर बनकर रह जाना देख मां ने संयत स्वर में एक दिन कहा, 'सोचने या चाहने भर से कुछ नहीं होता बेटा, नियमित समय और ऊर्जा लगाना ही अपने लक्ष्य तक जाने का एकमात्र रास्ता है।' बेटे ने मां की ओर देखकर हामी भरी, 'हां मां, मैं समझ गया हूं। यह सब भ्रम-सा ही है। स्क्रीन के इस ओर बैठकर जानी-समझी गई बातों के मायने भी तभी हैं, जब वास्तविक दुनिया में हम स्वयं इन्हें लागू करने की ठानें।'

मां ने आशा भरी नजर से अपने बेटे को देखा और फिर बोलीं, 'अपने आपको या जिंदगी को बदलने की राह में असर तभी नजर आता है, जब सूचनाओं और जानकारियों को जुटाने के साथ-साथ मन-जीवन में भी सक्रियता लाई जाए। बदलाव का मार्ग किसी एप में नहीं स्वयं अपने आप में है बेटे।' बेटे ने बरसों से सधी-सजग और सक्रिय दिनचर्या का पालन कर रही मां की ओर मुस्कुराकर देखा और स्क्रीन स्क्रॉल कर रहे अंगूठे को विराम दिया। फोन एक तरफ रख मन ही मन कुछ ठानते हुए वह कागज-कलम ले गंभीरता से अपनी समय सारिणी बनाने लगा। *

गीत
अशोक 'अंजुम'

नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!

तोड़ गया, अंदर तक हमको तोड़ गया,
गया वर्ष जो उलझन अनगिन छोड़ गया,
तुम देना निष्कर्ष,
तुम्हारा स्वागत है!
स्वागत है,
नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!
जो सच्चाई की राहों के साधक हैं,
मानवता के जो सच्चे आराधक हैं,
वे पाएं उत्कर्ष,
तुम्हारा स्वागत है!
स्वागत है,
नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!
निर्बल का बल बनकर जो भी रहते हैं,
जिनके मन में करुणा के नद बहते हैं,
उनको देना हर्ष,
तुम्हारा स्वागत है!
स्वागत है,
नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!
सबके पथ पर सुंदर फूल खिलाना तुम,
भटकों को अब मंजिल तक पहुंचाना तुम,
सुफलित हों संघर्ष,
तुम्हारा स्वागत है!
स्वागत है,
नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!

आत्मप्रेरणा / बीके शिवानी, मोटिवेशनल स्पीकर

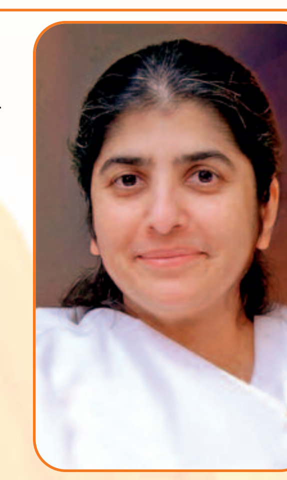

आध्यात्मिक संस्था ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से जुड़ीं राजयोग मेडिटेशन शिक्षिका एवं अतंरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मोटिवेशनल स्पीकर बीके शिवानी दुनिया भर के लाखों-करोड़ों लोगों के जीवन में सार्थक और सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रेरित करती रहती हैं। नववर्ष के अवसर पर शिवानी बता रही हैं बेहतर, शांतचित और खुशहाल जीवन जीने के सूत्र।

नए संकल्प लें दृढ़ता से करें उन्हें पूर्ण

आध्यात्मिक प्रेरक वक्ता बीके शिवानी किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। 2007 में प्रसारित टीवी शो- 'अवेकनिंग विद ब्रह्मा कुमारीज' के माध्यम से उन्होंने जनमानस को मानसिक तनाव, अवसाद आदि मानसिक विकारों से मुक्त होकर अपने आत्म-सम्मान को ऊंचा रखने एवं आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की प्रेरणा दी। 2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित बीके शिवानी विश्व साइकिएट्रिक एसोसिएशन की गुडविल एम्बेसेडर होने के अलावा फॉग्सी (एफओजीएसआई) के अद्भुत मातृत्व कार्यक्रम से भी जुड़ी हैं। प्रस्तुत हैं उनके प्रेरक विचार, उन्हीं की जुबानी।

नव वर्ष के मायने

नए वर्ष का मतलब होता है, पुराने को विदाई और नए को बधाई देना। पुरानी, कड़वी बातों, घटनाओं को भूल कर आगे बढ़ना। लेकिन क्या हम ऐसा कर पाते हैं? जवाब है-नहीं। अधिकतर लोग वर्षों तक इन कटु बातों को याद रखते हैं। मन पर बोझ लिए चलते रहते हैं और दुखी रहते हैं। जरूरी यह है कि हम पुराने साल को विदा करते समय ऐसी तमाम यादों, कमजोरियों को बिसारते जाएं। हरेक के प्रति शुभभावना रखें। लोगों को दुआएं दें, तो स्वयं को भी दुआ देना ना भूलें। नए, शक्तिशाली संकल्प लें और इन्हें दृढ़ता के साथ पूर्ण करें।

स्व-परिवर्तन सिखाता है राजयोग ध्यान

राजयोग ध्यान द्वारा स्व-परिवर्तन की इस अद्भुत यात्रा को मुझे 25 वर्ष से अधिक हो गए हैं। गुजरते समय के साथ अपने भीतर छिपे अहंकार को आत्मिक स्वरूप के अभ्यास से परिवर्तित करने का प्रयास किया है। यह यात्रा अब भी जारी है, क्योंकि आंतरिक शक्ति का विकास एक निरंतर प्रक्रिया है। हमें किसी से कुछ मांगना नहीं, सिर्फ देना होता है। देने से आंतरिक शक्ति स्वयं ही बढ़ती जाती है। जो हम देते हैं, बदले में वही पाते हैं। यह सोच दुनिया की उस मान्यता से ठीक विपरीत है कि हम जो पाते हैं, वही सच है। इससे शांति, स्थिरता एवं स्वीकार्यता तीनों बढ़ती है। इच्छाएं खत्म होती जाती हैं और वर्तमान में रहने की आदत स्वाभाविक बन जाती है। हमारे ब्रह्मा कुमारीज में एक खूबसूरत कहावत है कि जब मैं बदलूंगी तो मेरी दुनिया भी बदलेगी। तमाम आध्यात्मिक सिद्धांत एवं पद्धति भी स्व में सुधार लाने पर ही जोर देते हैं। अर्थात् स्व का ध्यान रखें, स्व की जिम्मेदारी लें, स्व को सशक्त बनाएं, स्व को मान दें एवं स्व को प्रेम करें। ऐसा करने से हम आध्यात्मिक, भावनात्मक, मानसिक, शारीरिक एवं सामाजिक पांचों रूपों में शक्तिशाली बनते जाते हैं। इसलिए किसी व्यक्ति या बाह्य परिस्थिति के बदलने की प्रतीक्षा किए बिना स्वयं पर ध्यान दें।

ऐसे रखें खुद को शांत

अशांत वातावरण में खुद को शांत रखने से पहले हमें समझना होगा कि कोलाहल हमारे आस-पास नहीं, बल्कि हमारे अपने मन के अंदर होता है। अगर सुबह ही हम अपने मन की स्थिति को ठीक कर लेते हैं और पूरा दिन थोड़ा-थोड़ा उसका ध्यान रखते रहते हैं, तो कैसी भी परिस्थिति आने पर हम उसका स्थिर रहकर सामना कर पाते हैं। जैसे किसी फोन को सुबह चार्ज करने के बाद उसके सैकड़ों फीचर्स पूरे दिन कार्य करते रहते हैं। लेकिन बैट्री अगर चार्ज ना हो, तो फिर फोन रखने का कोई उद्देश्य नहीं रह जाता है। उसी प्रकार, हमारी आत्मा भी एक बैट्री की तरह ही है, जिसे हमें हर सुबह मेडिटेशन से चार्ज करना पड़ता है। इसके अलावा, जब हम कर्मयोगी के स्वरूप में स्थित होकर कोई कार्य करते हैं, तो उसकी दिशा सही होती है। कहने का तात्पर्य है कि हर कर्म करते हुए हमें अपने वाइब्रेशंस का ध्यान रखना होता है।

कैसे मिलती है सच्ची खुशी

सच्ची खुशी तब मिलती है, जब हमारा मन हर परिस्थिति में स्थिर रहता है। यानी बाह्य संसार में कुछ भी घटित क्यों ना हो रहा हो, कोई व्यक्ति कुछ भी क्यों ना बोल रहा हो, आलोचना ही क्यों ना कर रहा हो, मन हलचल में नहीं आता है। विचलित नहीं होता है और हम खुश रहते हैं। इसी प्रकार, जब मन में सही विचार उत्पन्न होते हैं, तो हमें खुशी मिलती है। असल में खुशी हमारे भीतर ही छिपी है। वह प्रत्येक मनुष्य आत्मा का मूल एवं आंतरिक गुण है। विडंबना यह है कि आज मानव बाहरी दुनिया में खुशी तलाश रहा है। उसकी खुशी दूसरों पर निर्भर हो गई है। मनोनुकूल परिस्थिति ना होने पर वह दुखी, निराश हो जाता है। ऐसे में हम अगर अपनी स्व स्थिति पर ध्यान दें, तो खुश रहने से कोई रोक नहीं सकता है।

बच्चों-युवाओं के लिए संदेश

आजकल बच्चे, किशोर और युवा कई तरह की मानसिक समस्याओं का सामना करते दिखते हैं। हमें समझना होगा कि उनकी मानसिक समस्याओं के कई कारण हैं। पहला, वे अपने घरों में बड़ों को गुस्सा, तनाव, बेचैनी, चिंता आदि में घिरा देखते हैं। वही वाइब्रेशन उन्हें खुद भी अनुभव होती हैं। इसके अतिरिक्त, बाहरी जगत का नकारात्मक वातावरण उनके मन-मस्तिष्क पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसके अलावा, अभिभावकों एवं अन्य लोगों द्वारा बच्चों के अंदर निरंतर यह विचार डाला जाता है कि जैसी परिस्थिति होगी, वैसे ही उनका मन होगा। परिणाम यह होता है कि बच्चों और युवाओं की भावनाएं बाह्य कारकों पर निर्भर करने लगती हैं। किसी को क्रोध आता है, तो वे भी गुस्सा करने लगते हैं। कोई निराश होता है, तो उन्हें भी वही महसूस होता है। इस प्रकार की भावनात्मक निर्भरता से उनका भावनात्मक स्वास्थ्य कमजोर हो जाता है। हालांकि, बच्चे या युवा अपनी दिनचर्या में सुधार लाकर इन तमाम समस्याओं से निजात पा सकते हैं। उनके बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि वे रात को समय से (दस बजे तक) सोएं। सोने से कम से कम एक घंटे पहले गैजेट्स से दूरी बना लें। इसके बदले सकारात्मक चीजें पढ़कर या सुनकर सोएं। तब नींद भी अच्छी आएगी और सुबह जल्दी उठ सकेंगे। इससे वे ऊर्जावान महसूस करेंगे। साथ में उनकी रचनात्मकता, स्पष्टता, निर्णय लेने की क्षमता सब बढ़ जाएगी। याद रखें कि आप जो पढ़ते, सुनते, देखते और बोलते हैं, उससे ही विचार उत्पन्न होते हैं। इसके अलावा, टीवी या मोबाइल फोन देखकर खाना बंद करें। खाने से पहले मेडिटेशन के जरिए भोजन में सकारात्मक ऊर्जा भरें। हो सके तो घर का बना भोजन करें, जिसमें प्यार के वाइब्रेशन होते हैं और जो शुद्धता से बनाए जाते हैं। इन उपायों से उन्हें अवश्य लाभ होगा। *

बातचीत : अंशु सिंह

नए वर्ष के दोहे

अखिलेश श्रीवास्तव चमन

अखबारों में सुर्खियां, नया दिवस औ रैन।
मन ना माने बात यह, पढ़ते थक गए नैन।।
आते व जाते रहे, नए साल हर साल।
यक्ष प्रश्न अब भी वही, कपड़ा, रोटी, दाल।।
नया कहूं तो किसलिए, तुझको ऐ नववर्ष।
वही पुरानी बेबसी, चिथड़ा-चिथड़ा हर्ष।।
आंख धंसीं, चेहरे बुझे, जन-गण हैं बदहाल।
भूख, गरीबी, व्याधियां, दे गया गुजरा साल।।
गए साल में लिखना था, एक नया इतिहास।
क्या लिक्खें यह सोचते, बीते बारह मास।।
कितने फागुन, चैत गए, कितने अगहन, माघ।
नए मुखौटों में मिले, वही पुराने घाघ।।
द्वेष, डाह औ नफरतें, महंगाई की मार।
नया साल गर हो सके, कर इनका उपचार।।
हे विधना नववर्ष में, हो ऐसा संयोग।
मिटे देश की देह से, दहशतगर्दी रोग।।

लघुकथा / ललित शौर्य

नया सूरज

रश्मि बड़े ध्यान से सूरज को देख रही थी। वह मन ही मन बुदबुदाई, 'सूरज तो कल जैसा ही है, तो फिर यह साल नया कैसे हो गया? मैं तो यह नहीं मानती कि कुछ भी नया है!'

तभी पीछे से आकर रश्मि की भाभी ने उसे चौंका दिया, 'सुबह-सुबह बहुत ध्यान से क्या देख रही हो रश्मि? क्या नया नजर आ रहा है आज?'

'नया ही तो कुछ नजर नहीं आ रहा है। कल से टीवी, अखबारों में सुन-पढ़ रही हूं, नए साल का नया सूरज! पर यहां नया और नयापन जैसा कुछ भी नजर नहीं आ रहा। खैर! आपको नया साल मुबारक हो भाभी!' रश्मि ने उलझे स्वर में जवाब दिया। 'नयापन तो महसूस करना पड़ता है रश्मि। अगर हम इसे महसूस कर लें तो सब कुछ नएपन से भर जाएगा। हमारे भीतर उमंग की तरंग दौड़ने लगेगी। सूरज का नयापन हमें पहले से ज्यादा गर्माहट देगा। संबंधों का नयापन पहले से ज्यादा गहरा लगेगा। हमें अपने भीतर एक नई ऊर्जा महसूस होगी।' भाभी ने रश्मि को समझाने की कोशिश की।

यह सुनते ही रश्मि के शरीर में एक अजीब-सी सिहरन दौड़ गई। अभी तक जो सूरज उसे तेजहीन लग रहा था, अचानक उसकी आंखों के सामने दमकने लगा था। उसने भाभी को गले लगा लिया, बोली, 'भाभी, मुझे इस नए सूरज और नएपन का आभास कराने के लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद और नए साल की शुभकामनाएं।' *

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार के चार वर्ष पूरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने आज अपने कार्यकाल के सफल चार वर्ष पूरे कर लिए। इन चार वर्षों में विकास के कई नए आयाम स्थापित हुए, जो आज झारखंड की तकदीर और तस्वीर बदलने का काम कर रही है। इसी कड़ी को आगे बढ़ते हुए मुख्यमंत्री ने सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मोरहाबादी मैदान, रांची में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में राज्य वासियों को कई सौगातें दी। इन तोहफों में कई योजनाओं का उद्घाटन- शिलान्यास, लाभुकों के बीच परिसंपत्ति वितरण और युवाओं को नियुक्ति पत्र मिलना शामिल है, जो इस राज्य के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

323 योजनाओं की रखी गई नींव, 3698.32 करोड़ रुपए होंगे खर्च : सरकार के 4 वर्ष पूरे होने के अवसर पर रांची में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री ने 323 योजनाओं की नींव रखी। इन योजनाओं पर 3698.32 करोड़ रुपए होंगे खर्च होंगे। इनमें कृषि विभाग की 2 , खाद्य आपूर्ति विभाग की 2, परिवहन विभाग की 1, स्वास्थ्य विभाग की 23, कल्याण विभाग की 7 , जल संसाधन विभाग की 3, नगर विकास एवं आवास विभाग की 8, ग्रामीण विकास विभाग की 1, आरइओ की 211, पाक निर्माण विभाग की 58 और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की 7 योजनायें हैं। इनमें जिन महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास हुआ, उसमें रिम्स रांची, गिरिडीह, हजारीबाग, लातेहार, देवघर, साहिबगंज, दुमका और गढ़वा में क्रिटिकल केयर ब्लॉक अस्पताल, रांची पलामू और देवघर में धनवंतरी आयुष अस्पताल, रांची के धुर्वा में चिल्ड्रेन ट्रैफिक पार्क, गढ़वा में अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय, लातेहार में कोल्ड स्टोरेज, रांची के सोनाहातु में स्वर्णरेखा नदी पर उच्च स्तरीय पुल, लातेहार सरायकेला और पलामू स्थित एकलव्य विद्यालय में मल्टीपरपज ऑडिटोरियम शामिल है।

दो सीट के लिए दाखिल इमरान का नामांकन खारिज

लाहौर। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को झटका देते हुए शनिवार को पंजाब प्रांत में नेशनल असेंबली की दो सीट के लिए दाखिल उनके नामांकन पत्र खारिज कर दिये। पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव के लिए मतदान होगा। लाहौर में निर्वाचन कार्यालय ने बताया, '' पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने नेशनल असेंबली चुनाव के लिए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक इमरान खान के नामांकन को लाहौर (एनए 122) और मियांवाली (एनए-89) से खारिज कर दिया है।

आयोग ने बताया ये कारण : आयोग ने नामांकन खारिज करने का कारण तोशाखाना मामले में खान को दोषी ठहराया जाना और उनके नामांकन पत्र के प्रस्तावक और अनुमोदक का संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों का नहीं होना बताया है। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि खान की सजा को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने स्थगित कर दिया है, लेकिन उन्हें अयोग्य करार देने का फैसला अब भी बरकरार है।

मकरविलक्कू त्यौहार के लिए सबरीमला मंदिर खोला गया

सबरीमला। केरल के सबरीमला में स्थित भगवान अयप्पा मंदिर को मकरविलक्कू तीर्थयात्रा के लिए शनिवार की शाम को खोला गया। मंदिर के मुख्य पुजारी पी एन महेश नंबूदरी ने तंत्री प्रधान पुजारी कंडारारू महेश मोहनारारू की उपस्थिति में पहाड़ी मंदिर के गर्भगृह को खोला। मंदिर में 41 दिवसीय मंडला पूजा सत्र के बाद 27 दिसंबर की देर रात कपाट बंद कर दिए गए थे। मकरविलक्कू दर्शन के बाद मंदिर 20 जनवरी तक खुला रहेगा।

पूरे सप्ताह रहेगी कार्यक्रमों की धूमधाम : मंदिर का प्रबंधन करने वाली शीर्ष संस्था त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड ने कहा कि 15 जनवरी को मकरविलक्कु उत्सव से पहले 13 और 14 जनवरी को क्रमशः 'प्रसाद शुद्ध क्रिया' और 'बिंबा शुद्ध क्रिया' समेत विभिन्न अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। मकरविलक्कू के दिन श्रद्धालु सन्निधानम (मंदिर परिसर) में 'तिरुवभरणम' पवित्र आभूषण का स्वागत और भगवान अयप्पा की मूर्ति को सजाते हुए 'दीपआराधना' देखने का मौका मिलेगा।

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर, 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente, रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029 समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508133

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Raipur- 79871-19756 6263818152

Appointment आवश्यकता

आवश्यकता है- ग्लोबल' इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड में तत्काल परमानेंट भर्ती लड़के-लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन कार्यानुसार 7300+ 9500+ 11000+ 13500 + 15000 बाहर के लोगों को रहना+ खाना मेडिकल फ्री मार्कशीट की फोटो कॉपी+ 2 फोटो+ बायोडाटा के साथ। **संपर्क करे:- भिलाई पावर हाउस, ओवर ब्रिज के पास लक्ष्मी मेडिकल के बाजू में (छ.ग.) मो.- 91097-99525.** (RO-6301)

नर्सिंग सटाफ

आवश्यकता है- घर पर ही रहकर बुजुर्ग एवं पेशेंट की देखभाल हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता 10 वी, 12 वी, जी.एन. एम, ए. एन. एम, बी. एस. सी नर्सिंग , ड्यूटी 10 घंटे एवं 24 घंटे **संपर्क करें : 9109099781.** (RO -379)

घरेलु/कुक कार्य

आवश्यकता है- रायपुर में गृह कार्य झाडू- पोछा कपड़ा बर्तन साफ सफाई व शुद्ध शाकाहारी खाना बनाने हेतु शादीशुदा या अकेले पुरुषों एवं महिलाओं (जिनके बच्चे साथ में न रहते हो) की आवश्यकता है। **संपर्क करें:- 9977200093.** (RO -2147)

मैकेनिक/हेल्पर

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित वर्कशॉप में कार्य हेतु मैकेनिक, हेल्पर, लेथ ऑपरेटर, और वेल्डर की आवश्यकता है। सैलरी योग्यता अनुसार ITI को प्राथमिकता रहने खाने की सुविधा उपलब्ध **संपर्क करें मोबाइल:- 9618282810.**(RO-1062)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम की दुकान में काम करने के लिये अनुभवी लड़को की आवश्यकता है **संपर्क:- दीपक साउंड सर्विस फूल चौक जोरा पारा काली माता मंदिर के पास रायपुर 9827114645.** (RO-2373)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के रायपुर और रायगढ़ में सिक्योरिटी गार्ड,सुपरवाइजर हेतु 5 वी,8, 10 वी पास हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहना,खाना,फ्री,वेतन 10000 से 15000 mobile **8109070600,7869230888, 8085859632, 8839506548.** (RO -1031)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- बच्चा संभालने हेतु 24 घंटे की बाई /युवती चाहिये। रहना एवं खाना दिया जाएगा। **स्थान:- तेलीबांधा, रायपुर सम्पर्क करे मोबाइल नंबर:- 9575042814.** (RO-2377)

सुपरवाइजर/ मैनेजर

आवश्यकता है- पारले जी कम्पनी को लड़के लड़कियों की आवश्यकता है 8वी, 10वी पोस्ट ग्रेजुएट सैलरी 18500/- से 34000/- रहना + खाना + मेडिकल + OT पोस्ट- सुपरवाइजर, हेल्पर, स्टोर इंचार्ज, एरिया मैनेजर **मोबाइल 9889647149.**(RO -2385)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु 7 सेल्समेन,1 कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राईवर-1 सभी रायपुर लोकल अनिवार्य, वेतन 8000- 20000/- + कमीशन अनुभवी को प्राथमिकता, **विरदी साड़ी कंकालीपारा रायपुर संपर्क समय 10.30 9.30, मो.,9340477419, 9425522577.** (RO-1683)

मेडिकल स्टोर कार्य

आवश्यकता है- पुरानी बस्ती रायपुर, स्थित मेडिकल स्टोर में कार्य करने हेतु अनुभवी, गैर अनुभवी लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है **संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 9826213776.** (RO-2378)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- राजेंद्र पार्क चौक स्टेशन रोड दुर्ग स्थित अस्पताल में कार्य हेतु ड्यूटी डॉक्टर एवं स्टाफ नर्स की आवश्यकता है **संपर्क :- 90981-50467, 79747-62534.**(RO-1480)

ड्रायवर

आवश्यकता है- रायपुर एयरपोर्ट में इनोवा क्रिस्टा स्विफ्ट। चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। सैलरी क्रिस्टा- 25000, स्विफ्ट- 15000, + PF+ ESI+ पेंशन, संपर्क करें राहुल ट्रेवल्स रायपुर एयरपोर्ट मोबाइल 7399411411. (RO-3670)

घरेलु/मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- घर का घरेलू कार्य आफिस टेली कॉलिंग घर बैठे मार्केटिंग हेतु फिमेल चाहिए, कार ड्राइवर चाहिए टाइम 8-6 या 9-7 सैलरी 5000 से 10000 फोटो बायोडाटा आधार भेजिए **संपर्क:- गोकुल टावर गुढ़यिारी रायपुर 9039321951.**(RO-2374)

मशीनमेन/हेल्पर

आवश्यकता है- सीटफैड आफसेट मशीन 18x28, 25x36 हेतु मशीनमेन, हेल्पर, बाइंडर, डीटीपी ट्रेंड आपरेटर तुरंत **संपर्क करें- 8878165000.**(RO-398)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- Job for Female Computer Operator Salary Rs 4000- Rs 5000 Address VNDG & Company Devendra Nagar, Raipur CG Whatsapp your Resume at **9229462212** Call Mobile **9111753339.** (RO-2379)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- इन्दौर (MP) में ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28वर्ष के 10/12वी, स्नातक लड़के चाहिए। वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस + रहना फ्री कोई शुल्क नहीं लगेगा। **सम्पर्क- सरकण्डा बिलासपुर 9575712101, 7970225494.** (RO-32297)

फीमेल असिस्टेंट

आवश्यकता है- ऑफिस असिस्टेंट (फीमेल) की आवश्यकता है, सैलरी योग्यतानुसार. **सम्पर्क करें मोबाइल नंबर:- 9826188395, 6395581060.**(RO -2386)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं पास लड़के चाहिए सैलेरी 7000+ कमीशन+ बोनस, रहना, खाना फ्री, ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना **सम्पर्क टिकरापारा बिलासपुर 9685471225, 6266578863.** (RO-32335)

सफाई/अटेन्डेटर

आवश्यकता है- रेल्वे के अन्तर्गत रनिंग ट्रेन में साफ सफाई एवं अटेन्डेट की आवश्यकता है अपने दस्तावेज अनिवार्य रूप से 3-3 कॉपी लावें आधार कार्ड, 8वीं, 10वीं, 12वीं का रिजल्ट, पासपोर्ट साईज 10 फोटो, नॉमिनी का आधार, पैन कार्ड, साफ बैंक पास बुक, चरित्र पुलिस प्रमाण पत्र, मेडिकल प्रमाण पत्र, न्यूनतम आयु 18 वर्ष से 50 वर्ष तक केवल पुरुष ही आवेदन करें। **सम्पर्क करें 9300086168, 8516829325, 7039042045.** (RO-32308)

मैकेनिक

आवश्यकता है- मैकेनिक चाहिए दो पहिया वर्कशॉप हेतु अनुभवी, निपुण मैकेनिक की आवश्यकता है जो अपने कार्य में दक्ष हो आकर्षक वेतन योग्यतानुसार **संपर्क करें:- शुक्ला जी माँ दुर्गा ऑटोस फाफाडीह रायपुर 9993485550, 09300697230.**(RO-2375)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- रायपुर व आसपास क्षेत्र में फर्नीचर मार्केटिंग के लिए सेल्स पर्सन की आवश्यकता है, वेतन के साथ आकर्षक कमीशन भी दिया जायेगा। स्वयं का वाहन होना आवश्यक है **संपर्क करें:- 8871767757.**(RO-1061)

सफाई कर्मचारी

आवश्यकता है- साफ-सफाई एवं चाय पानी हेतु महिला कर्मचारी की आवश्यकता है। **पता:-कमला मोटर्स जी.ई.रोड. गंजपारा रिलायंस पेट्रोंल पंप के पास दुर्ग मो.-94255-50265.** (RO-5579)

अन्य

आवश्यकता है- Reliance jio 5G कंपनी में घर बैठे पार्ट/फुलटाइम (SMS JOB) करके लड़के/लड़कियां, ग्रहणीय, स्टूडेंट कमाए (18,500-48500) महीना लैपटॉप मोबाइल फ्री नौकरी हेतु नाम पता WhatsApp **करें 9631550466.** (RO-6697)

आवश्यकता है- एयरपोर्ट (HEAD DEPARTMENT) हेतु सीधी भर्ती (पक्की परमानेंट नौकरी) अनपढ़, 8वीं, 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट (लड़के-लड़कियां) सैलरी (35400-83900) सुपरवाइजर, ग्राउंड स्टाफ, कंप्यूटर ऑपरेटर, चेकर, ड्राइवर, हेल्पर, गार्ड (फ्री रहना +खाना +मेडिकल) रायपुर **संपर्क:- 09310717928.** (RO-2358)

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घरबैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप + मोबाइल मुफ़्त) NAME, **पता** QUALIFICATION, CALL / SMS / WHATSAPP **करें :- 8695963713.** (RO - 1306)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

Astrology ज्योतिष

राजगुरू ज्योतिष - जन्मपत्रिका, हस्तरेखा, मंगलदोष, लक्ष्मीयोग, जमीनलाभ, शादीयोग, मनचाहा प्यार, नौकरी प्रमोशन, नशामुक्ति, पति-पत्नी झगड़ा किया कराया प्यार में धोखा, वशीकरण तलाक मार्ग दर्शन के लिए फोन करके मिले A TO Z समस्याओं का समाधान **पता:- ब्राह्मण पारा आजाद चौक रायपुर मोबाइल नंबर:- 8889131176.** (RO-1048)

ज्योतिष - आपके घर किसी ने किया कराया, भूत-प्रेत, वशीकरण, पति-पत्नि में अनबन, गृहक्लेश, दवाई का ना लगना, या और कोई भी बाधा है तो खुली आंखों से दिखाऊंगा। दुःखीया एक बार फोन जरूर करे। **पता:-2nd floor, Shikhar Apartment, Near T.I. Mall, Smritinagar Bhilai, Durg संपर्क:- स्वामी कुलदीप जी 8059178317.** (RO-om)

Property प्रापर्टी

फ्लैट

फ्लैट बेचना है- फ्लैट नं. 301, 302 तीसरे फ्लोर में कुल 1555 Sqft. में बना हुआ 4 बेडरूम, हाल, किचन, सर्वेंट रूम, स्टोर रूम, सर्वसुविधायुक्त फ्लैट बेंचना है। पता- श्रीराम रेसीडेंसी शंकरनगर व्हाईट हाऊस के पास रायपुर संपर्क करें- 9977345867 (RO - 1065)

दुकान/प्लाट

दुकान/ प्लाट बेचना है- 200 वर्ग फुट का दुकान, 2000. वर्ग फुट प्लाट , 850 वर्ग फुट प्लाट, 1500 वर्ग फुट प्लाट बेचना है । **संतोषी नगर पुराना धमतरी रोड रायपुर संपर्क करें- 8770094538** (RO -1064)

प्लाट

प्लॉट उपलब्ध है- प्राइम लोकेशन आईआईटी भिलाई के पास आवासीय डायवर्टेड प्लाट मात्र 499/- रूपये में उपलब्ध है। **संपर्क करें:-मो :- 78287-81009.** (RO -371)

मकान

मकान बेचना है- चंगोराभाठा मे 750वर्गफुट 2BHK मकान, कार पोर्च, पीओपी किया हुआ स्वतंत्र नया मकान एवं रायपुरा विप्र नगर 1650फुट प्लॉट 31 दिसंबर के पहले बुकिंग करने पर इलेक्ट्रिक स्कूटर फ्री **संपर्क:- 9300505421, 9993451070.** (RO-2376)

मकान बेचना है- गुढ़ियारी 1333 वर्गफुट पर बना मकान सामने और पीछे खुला एरिया, बोरिंग की सुविधा सहित बेंचना है। **संपर्क करें- 7415687718** (RO -1066)

मकान बेचना है- 44, नगर निगम कोलोनी (समता कालोनी) अग्रसेन चौक के पास पूर्व एवं उत्तर दिशा का कार्नर का मकान- नीचे-पहला एवं दूसरा मंजिल बना हुआ 1500 Sqft. का प्लाट एरिया बिक्री करना है। इच्छुक व्यक्ति **संपर्क करें- 94790-88739** (RO -1067)

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए- कान्यकुब्ज ब्राह्मण जन्म 1993 ग्वा. सुंदर आदि नाड़ी 29/6'1₹ एच.एम. (LPU) पी.जी.डी.एम. फ्रंट ऑफिस मैनेजर एम.एन.सी दिल्ली 8 लाख (पिता क्लास वन शास. म.प्र.) कार्यरत हेतु सुंदर सुशील समकक्ष कार्यरत वधू चाहिए (सभी ब्राह्मण मान्य) मोबाइल:- 94247 67409 (2361)

वधु चाहिए

वधु चाहिए
जैन दिगंबर वधु चाहिए जैन उम्र 28 वर्ष कद 5 फीट 2 इंच 12वीं पास युवक हेतु सजातीय वधु चाहिए
संपर्क करें
8839484995
9926110737

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

सब कुछ है यहां पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड

Healthcare

ईलाज की गारंटी पैसा ठीक होने के बाद
○ गुप्त रोग नामर्दी, लिंग में छोटापन ।
○ शीघ्र पतन पेशाब से धातु जाना ।
○ लिंग में ढीलापन, शुक्राणु की कमी ।
○ शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी ।
○ आयुर्वेदिक द्वारा खोई हुई शक्ति पुन: प्राप्त करें ।
○ चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
○ नि:संतान दम्पति आज ही मिले ।
आज ही संपर्क करें
श्रीकांत आयुर्वेदिक जड़ीबुटी भण्डार दुर्ग में शॉप नं. 16, पारख कॉम्पलेक्स, पेट्रोल पम्प के सामने, ग्रीन चौक
रायपुर में स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने
9174440077 9009330088

गुप्त रोग चिकित्सा
मशीनों द्वारा जांच मात्र 1 दिन में ईलाज
•शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
•शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
•वीर्य में शुक्राणुओं की कमी
•सेक्स से भय • बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
•लिंग में छोटापन, पतलापन, टेढ़ापन
•पेशाब में धातु जाना • स्वपन दोष
विशेष ईलाज :- वात रोग, बवासीर, पथरी, सफेद दाग, पेट में गैस, कब्ज रोग, खून की कमी, कमजोरी, गन्जापन, बाल झड़ना
आरोग्य केयर चिकित्सालय सोसायटी वस्त्र भंडार के सामने, जलेबी चौक, पावर हाउस, भिलाई
मो.: 98936 59105
समय: सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक

टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर परखनली शिशु केन्द्र
1994 से आपकी सेवा में
उपलब्ध सुविधाएं
▸ आई.व्ही.एफ.
▸ इक्सी
▸ आई.यू.आई.
▸ लेप्रोस्कोपी
▸ हिंस्ट्रोस्कोपी
संपर्क डॉ. विजया वाकोडकर
वाकोडकर नर्सिंग होम नेहरू नगर वेस्ट भिलाई
फोन : 9329029731

आमिर खान को लगा मराठी सीखने का चस्का

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के लिए पिछली कुछ फिल्में खास नहीं रहीं। साल 2018 में आई फिल्म ठग्स ऑफ हिस्दुस्तान के बाद उन्होंने एक भी हिट प्रोजेक्ट नहीं दिया है। प्रोफेशनल लाइफ से इतर पर्सनल लाइफ को लेकर भी आमिर खान चर्चा में रहे हैं। हालांकि साल 2024 की शुरुआत उनके लिए काफी खूबसूरत होगी। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट की बेटी आइरा खान अपने बॉयफ्रेंड नुपूर शिखरे के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। लेकिन उससे पहले आमिर खान को कुछ नए शौक लगे हैं जिन्हें लेकर वो खबरों में हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक बेटी की शादी से पहले आमिर को मराठी सीखने का शौक लग गया है।

लाइफ Style

अनन्या

खो गए हम कहां नंबर 1 पर कर रही ट्रेंड

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अर्जुन वरैन सिंह निर्देशित खो गए हम कहां 26 दिसंबर 2023 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी सोशल मीडिया की सच्चाई से रूबरू कराती है, जिससे आज लगभग हर इंसान जूझ रहा है।

खो गए हम कहां को क्रिटिक्स से तारीफें मिली और दर्शक भी इसे काफी पसंद कर रहे हैं। अनन्या, सिद्धांत और आदर्श की परफॉर्मेंस को भी काफी पसंद किया गया है। नेटफ्लिक्स पर रिलीज होते ही फिल्म ओटीटी पर ट्रेंड कर रही है। जवान, मिशन रानीगंज और टॉप गन समेत कई फिल्मों को छोड़ खो गए हम कहां नेटफ्लिक्स पर नंबर वन पोजिशन पर ट्रेंड कर रही है। अर्जुन कपूर ने खो गए हम कहां का रिव्यू किया और इसे 'मस्ट वॉच' फिल्म बताई।

अर्जुन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म को लेकर अपना ओपिनियन शेयर करते हुए कहा, वाकई नाम सूट करता है। खो गए हम कहां एक इमोशनल फिल्म है। देखने का अनुभव है। मेच्योर लेखन ने कम लेकिन पावरफुल परफॉर्मेंस का समर्थन किया है। हम किस दुनिया में जीते हैं और किन चीजों से डील करते हैं, उसे बड़ी जटिलता से डायरेक्ट किया गया है। अर्जुन कपूर ने आगे कहा, प्लॉट को जिस तरह से दिखाया गया है, वो खूबसूरत है और आप इससे वाकई रिलेट करते हैं। यह बिल्कुल देखी जानी चाहिए। अनन्य पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव ने जो कैमरा डायरी शेयर की है, वो फिल्म की जान है। जो दोस्ती आपने महसूस की है, वो हम में से एक है।

हॉलीवुड मसाला

क्रिसमस मनाकर किया सुसाइड

लॉस एंजिलिस। पॉपुलर हॉन्ग कॉन्ग एक्ट्रेस लाई सुक यिन ने 26 दिसंबर को सुसाइड कर लिया। एक्ट्रेस 47 साल की थीं। रिपोर्ट्स की मानें तो एक्ट्रेस अपने बेटे के पास अनकॉन्शियस हालत में पाई गईं। मंगलवार दोपहर की यह घटना है। कहा जा रहा है कि लाई सुक यिन ने घर पर कोएले जलाए थे। जिसके बाद उन्होंने सुसाइड करने की कोशिश की। एक्ट्रेस को आनन-फानन में जब अस्पताल लेकर जाया गया तो उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

प्रियंका के दूर रहने पर निक ऐसे रखते हैं बेटी का ख्याल

लॉस एंजिलिस। निक जोनास जो अक्सर अपनी पत्नी और बॉलीवुड दिवा प्रियंका चोपड़ा के प्रति अपने दिल छू लेने वाले इशारों से प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं, न केवल सपनों के पति हैं बल्कि एक अच्छे पिता भी हैं। नवीनतम बातचीत में, प्रियंका चोपड़ा की माँ मधु चोपड़ा ने खुलासा किया कि कैसे वह अपने दामाद से विस्मय में हैं, यह देखकर कि जब उनकी माँ काम पर बाहर होती हैं तो वह अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनास की देखभाल कैसे करते हैं। अपनी तुलना में सबसे अच्छी मां होने के लिए अपनी बेटी प्रियंका की प्रशंसा करते हुए, मधु ने कहा, मैं देखती हूं कि प्रियंका और निक पेशेवर रूप से एक-दूसरे का बहुत अच्छे से समर्थन कर रहे हैं।

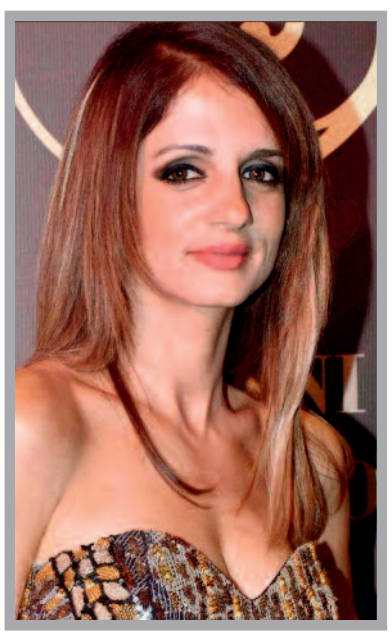

सुजैन को एयरपोर्ट से लौटना पड़ा वापस

मुंबई। ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान काफी समय से एक्टर अर्सलान गोनी को डेट कर रही हैं। दोनों पार्टीज से लेकर इवेंट तक में साथ देखे जाते हैं। न्यू ईयर से पहले कई सेलिब्रिटीज वेकेशन के लिए एयरपोर्ट पर दिखे। इन्हीं में एक कपल सुजैन और अर्सलान भी थे लेकिन उनके साथ ऐसा कुछ हुआ कि एयपोर्ट पर पोपट बन गए और उन्हें वापस लौटना पड़ा। पपराजी ने ये सब अपने कैमरे में कैद कर लिया। दरअसल सुजैन और अर्सलान छुट्टियां मनाने के लिए जाने वाले थे तो वे मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे। गेट के बाहर ही अर्सलान जब अपने डॉक्यूमेंट्स खोजने लगे तो पता चला कि पासपोर्ट लाना ही भूल गए। वह सुजैन को बताते हैं तो वह भी हैरान होती हैं। सिक्योरिटी चेक करने वाले अधिकारी से सुजैन अपना पासपोर्ट वापस लेती हैं और वहां से दोनों लौट जाते हैं।

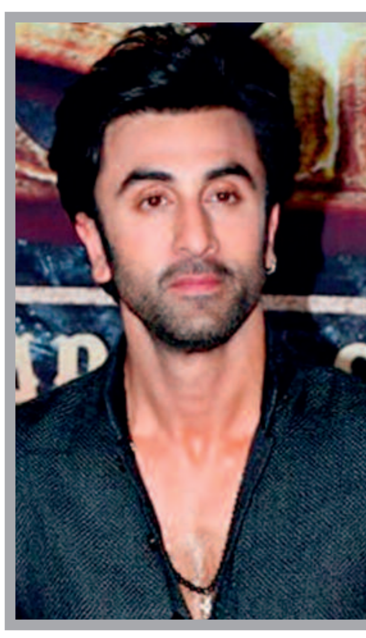

रणबीर व राजकुमार की बनेगी जोड़ी...

मुंबई। फिल्म 'एनिमल' में रणविजय के किरदार से सुपरस्टार रणबीर कपूर हर किसी के दिलों-दिमाग पर छाए हुए हैं। एनिमल की सुपर सक्सेस के बाद हर कोई रणबीर की अगली फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस बीच 'डंकी' फिल्म डायरेक्टर राजकुमार हिरानी ने अपनी फिल्म 'संजू' के एक्टर रणबीर कपूर के साथ एक और मूवी बनाने को लेकर बड़ा अपडेट दिया है, जिसे जानकार फैंस काफी एक्साइटेड हो जाएंगे। फिल्म 'डंकी' को लेकर राजकुमार हिरानी इन दिनों चर्चा का विषय बने हुए हैं। अपनी इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान हाल ही में राजकुमार ने इंटरव्यू दिया है। इस दौरान उनसे भविष्य में संजू फिल्म स्टार रणबीर कपूर के साथ फिल्म करने को लेकर सवाल पूछा गया।

टीवी मसाला

1 करोड़ के सवाल का जवाब देने से चूका कंटेस्टेंट...

मुंबई। कौन बनेगा करोड़पति एक ऐसा शो है, जिसका हर सीजन दर्शकों का फेवरेट रहा। केबीसी का सीजन 15 भी काफी हिट रहा है। शो में एक बार फिर से अमिताभ बच्चन ने अपनी शानदार मौजूदगी से पूरे सीजन को यादगार बना दिया। इस वक्त कौन बनेगा करोड़पति का फिनाले वीक चल रहा है। इस आखिरी सप्ताह में बिग बी काफी इमोशनल भी हुए। फैंस भी दुखी नजर आ रहे हैं। ऐसे में बीता एपिसोड काफी दिलचस्प रहा। केबीसी के आखिरी हफ्ते में बिहार के अविनाश भारती अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर बैठे नजर आए। अविनाश का खेल बेहद ही शानदार रहा, लेकिन वह एक करोड़ का जवाब देने से चूक गए। आइए जानते हैं क्या था वो सवाल? अमिताभ बच्चन ने शो के दौरान बताया कि ये केबीसी के इतिहास का ऐसा पहला एपिसोड है, जिसमें पहले ही दिन कंटेस्टेंट एक करोड़ के सवाल तक पहुंचा। अविनाश ने खेल के दौरान अपनी सारी लाइफलाइन का इस्तेमाल करके 50 लाख रुपये जीते। इसके बाद अविनाश के सामने 1 करोड़ का सवाल आया, जिसका जवाब देने में उनके भी पसीने छूट गए, क्योंकि उनके पास अब कोई भी लाइफलाइन नहीं बची है। इसी वजह से उन्होंने गेम को 50 लाख के सवाल के साथ क्विट कर दिया।

यशराज के प्लान में रोड़ा बनेगा शख्स

मुंबई। तेरी मेरी डोरियां के 30 दिसंबर के एपिसोड में देख सकेंगे कि बरार फैमिली का घर चला गया है और अभी वो जसलीन के लिए अस्पताल में

हैं। इस बीच साहिबा के माता-पिता वहां आ जाते हैं। कीरत ने उन्हें सब बता दिया था। वो लोग सभी के लिए खाना लेकर आते हैं जिसे वो मिलकर खाते हैं। थोड़ी देर बाद साहिबा सीढ़ियों से जाती है तभी एक शख्स उसका मुंह बंद करके एक कमरे में ले जाता है। कमरे में अंधेरा होता है और जहां वह देखती है वहां पर गैरी पहले से मौजूद है। वह उसे खुद से दूर हटाती है लेकिन फिर गैरी कहता है कि वह यशराज के बारे में कुछ बताना चाहता है। गैरी को अहसास हो जाता है कि यशराज किसी का सगा नहीं है। साहिबा ने उसे पहले ही समझाया था कि जसलीन ने उसे बिना किसी शर्त के प्यार किया जबकि यशराज फायदा उठा रहा है।

राजकुमार का बुलावा आते ही 'डंकी' में भूमिका निभाने पहुंच गए थे रोहिताश्व

मुंबई। रोहिताश्व गौड़ एंडटीवी के लोकप्रिय शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अपने मशहूर किरदार मनमोहन तिवारी के चलते सबके चहेते बन चुके हैं। उन्होंने टेलीविजन और बॉलीवुड में अपना एक अलग मुकाम बनाया है। उनकी बेजोड़ कॉमिक टाइमिंग ने मनोरंजन उद्योग के एक प्रतिभाशाली कलाकार के तौर पर उन्हें मजबूती से स्थापित किया है। गौड़ ने हाल ही में राजकुमार हीरानी की फिल्म डंकी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसमें वे एक धोखेबाज वीजा एजेंट के किरदार में नजर आये। एक बेबाक बातचीत में उन्होंने विस्तार से बताया है कि उन्हें यह भूमिका कैसे मिली। शाहरुख खान की फिल्म से जुड़ने के बारे में रोहिताश्व गौड़ ने बताया, ''यकीन करना मुश्किल है, लेकिन यह मेरे लिये सबसे महत्वपूर्ण मौकों में से एक बन गया, और इसके लिए मुझे बहुत कम इंतजार करना पड़ा। दिलचस्प बात यह है, कि यह सब एक ही दिन में हो गया। मैं नायगांव में अपने शो 'भाबीजी घर पर हैं' की शूटिंग कर रहा हूँ। लगातार सफर करने से बचने के लिये मैं आमतौर पर सेट के पास के एक अपार्टमेंट में ठहरता हूँ और सिर्फ छुट्टी के दिनों में अपने घर गोरेगांव जाता हूँ। हमें अगले दिन शूटिंग करनी थी, लेकिन मुझे सुबह ही खबर मिली कि सेट पर एक हफ्ते की छुट्टी है। मैंने सोचा कि इस वक्त का इस्तेमाल घर जाकर अपने परिवार के साथ बिताने के लिये करना चाहिये। रास्ते में मुझे राजकुमार हीरानी जी का कॉल आया और उन्होंने पूछा कि मैं क्या कर रहा हूँ। मैंने उन्हें बताया कि मैं घर जा रहा हूँ और उन्होंने ज्यादा कुछ कहे बिना मुझे सीधे गोरेगांव की फिल्मसिटी में बुलाया। वहाँ जाने पर मैं एक बड़ा सेट देखकर चौंक गया, जहाँ हजारों लोग थे। फिर मिस्टर हीरानी ने बताया कि वे पंजाब के एक जाने-माने थियेटर आर्टिस्ट के साथ एक दृश्य की शूटिंग करने वाले थे, लेकिन किसी कारण से वह अपना किरदार निभाने नहीं आ पाया। वह फिल्म की शूटिंग का पहला दिन था और मिस्टर हीरानी प्रोडक्शन को रोकना नहीं चाहते थे।

दूसरे पार्ट की कहानी को लेकर डायरेक्टर ने दिया हिंट

मुंबई। *क्रिसमस के मौके पर रिलीज हुई 'सालारः पार्ट 1- सीजफायर' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कर रही है। फिल्म वर्ल्डवाइड 600 करोड़ के क्लब में शामिल होने के करीब है। 'सालार' को प्रशांत नील ने डायरेक्ट किया जिन्होंने इससे पहले 'केजीएफ' और 'केजीएफ चैप्टर 2' बनाई। प्रभास और प्रशांत नील के साथ आने से 'सालार' को लेकर उम्मीदें और बढ़ गई थीं। फिल्म देखने वाले दर्शक अब इसके दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। डायरेक्टर ने 'सालार 2' की कहानी को लेकर भी यह राज खोला है कि यह पिछली फिल्म से और बड़ा, और बेहतर होगा। प्रशांत ने कहा कि जो भी फीडबैक मिला है उसे देखने के बाद वह दूसरे पार्ट में कोई बदलाव करने के मूड में नहीं हैं। फिल्म की कहानी तैयार है। पिंकविला को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि क्या 'सालार पार्ट 2' की कहानी में कुछ बदलने वाले हैं तो उन्होंने कहा, 'नहीं, मैं कहानी नहीं बदलूंगा। मुझे जो फीडबैक मिला है उसकी वजह से मैं इसमें थोड़ा भी बदलाव नहीं करने जा रहा हूं। मेरा मतलब है कि कहानी पहले से तैयार है। मुझे कहानी को फॉलो करना होगा। एक डायरेक्टर के रूप में मेरा काम उस कहानी को बताना है जो हमने लिखी है। यह एक ऐसी कहानी है जो हम सभी को पसंद आई। हम उसी कहानी के साथ आगे बढ़ने जा रहे हैं।'*

रातों रात चर्चा में आए ये एक्टर्स, परफॉर्मेंस से चुरा ली सारी लाइमलाइट

मुंबई। *साल 2023 कई कलाकारों के लिए शानदार रहा। एक फिल्म या वेब सीरीज से उन्हें पॉपुलैरिटी मिली। कोई नेशनल क्रश कहलाई तो कोई इंटरनेट सेंसेशन बन गया। अपनी परफॉर्मेंस से इन कलाकारों ने क्रिटिक्स से लेकर दर्शकों की वाहवाही लूटी। इनमें कई तो ऐसे हैं जो सालों से काम करते आ रहे हैं लेकिन अब जाकर उनके एक रोल ने उन्हें लोकप्रिय कर दिया। चलिए बताते हैं जबरदस्त परफॉर्मेंस देने वाले ऐसे ही एक्टर्स के बारे में।*

करिश्मा तन्ना : 'स्कूप' के लिए करिश्मा तन्ना हर जगह अवॉर्ड बटोर रही हैं। टीवी सीरियल के बाद करिश्मा का ओटीटी डेब्यू शानदार रहा। उनका कहना है कि इंडस्ट्री में इतने सालों की मेहनत अब रंग लाई

अविनाश तिवारी : वेब सीरीज 'बंबई मेरी जान' से अविनाश तिवारी को पहचान मिली। उन्होंने अंडरवर्ल्ड डॉन का किरदार निभाया। इसके अलावा उनकी एक और सीरीज काला आई थी।

अपारशक्ति खुराना : विक्रमादित्य मोटवाने की वेब सीरीज 'जुबली' में अपारशक्ति खुराना ने लीड रोल किया। उन्होंने अपनी एक्टिंग से किरदार में जान डाल दिया।

वामिका गब्बी : 2023 वामिका गब्बी के लिए यादगार रहा। उन्हें दर्शकों ने 'जुबली', 'मॉर्डल लव चेन्नई', 'चार्ली चोपड़ा' और 'खुफिया' में देखा। हर फिल्म और सीरीज में उनकी एक्टिंग पसंद की गई।

तृप्ति डिमरी : फिल्म 'एनिमल' से तृप्ति डिमरी इंटरनेट सेंसेशन बन गईं और वह नेशनल क्रश बन गईं। फिल्म में तृप्ति का छोटा सा ही राल था लेकिन हर किसी ने उन्हें नोटिस किया।

विक्रांत मैसी : '12वीं फेल' में विक्रांत मैसी ने लीड रोल किया। छोटे बजट की इस फिल्म ने अपने कलेक्शन से सभी को हैरान कर दिया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 53.68 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया।

अदा शर्मा : 'द केरल स्टोरी' से अदा शर्मा रातों रात स्टार बन गईं। फिल्म के विषय को लेकर विवाद भी हुआ।

गिरते को करो सलाम, खूब लगाओ दांव, बरसेगा धन

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं या करने जा रहे हैं तो एक बात पल्ले गांठ बांध लें कि मोटे पैसे कमाने का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इसलिए सबसे पहले तो लंबी अवधि के निवेश पर ध्यान दें। निवेश करने से पहले जिस कंपनी के शेयर खरीद रहे हैं, उसकी प्रोफाइल भी जांच लें। हां एक बात और ध्यान रखें की निवेश से पहले अपने गोल तय करें और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं। धैर्य और संयम बनाए रखें। अक्स्र देखने में आता है कि पैसा लगाने वाले नए लोग एक बड़ी गलती ये करते हैं कि वह बढ़ते शेयरों पर दांव खेलते हैं। इसमें कुछ खराबी नहीं है, लेकिन इनसे कमाई की संभावना कम होती है या रिटर्न बेहद कम ही मिल पाता है। कई बार तो नुकसान भी उठाना पड़ता है। अगर कोई शेयर अपने 52 हफ्तों के हाई के आसपास ट्रेड कर रहा है तो नए निवशकों को उससे दूरी ही बनाए रखनी चाहिए, क्योंकि उस शेयर के गिरने के चांस काफी हाई होते हैं। इसलिए अक्सर कहा जाता है कि बाजार में ऐसे शेयरों में पैसा लगाएं जो काफी टूट गए हों। यानी शेयर बाजार में गिरते को सलाम करें और खूब निवेश करेंगे तो धन बरसेगा यानी आपको बेहतर रिटर्न मिलेगा।

बाजार के जानकारों का कहना है कि यह कोई नहीं बात नहीं है। यह काफी पुराना और आजमाया हुआ फॉर्मूला है। बाजार के मंझे हुए खिलाड़ी इसे अच्छे से समझते हैं, लेकिन इसमें एक परेशानी यह है कि आपको कैसे पता चलेगा कि कोई शेयर अब अपने निचले स्तर तक पहुंच चुका है और अब वह उससे नीचे नहीं जाएगा। इसके पीछे कई फैक्टर्स काम करते हैं, लेकिन एक महत्वपूर्ण इंडिकेशन है कि उस शेयर का पिछला रिकॉर्ड लो है। अगर वह शेयर अपने रिकॉर्ड लो के करीब या उससे नीचे पहुंच गया है तो इसका मतलब है कि अब उस शेयर में खरीदारी का समय है। इस समय निवेशकों को चाहिए कि वे निवेश करें और अच्छा रिटर्न प्राप्त करें।

- बाजार में तेज गिरावट के समय दिग्गज देते हैं खरीदारी की सलाह
- यह पैसा बढ़ाने का सबसे बेहतर फार्मूला, कभी नहीं होंगे कंगाल
- अक्सर गिरावट के समय लोग पैनिक होते और पैसे निकालते हैं
- यह परंपरा गलत, रिकवरी का नहीं मिलता लाभ, होता है नुकसान
- निवेश का पहला मूल मंत्र संयम बनाए रखें
- इंतजार करें और अपने निवेश को बढ़ाते जाएं
- बाजार के उतार-चढ़ाव से घराएं नहीं
- शेयर बाजार में निवेश के लिए जरूरी है धैर्य
- जल्दबाजी में शेयर बेचने से हो सकता है नुकसान
- शेयर में पैसा लगाने से पहले देखें कंपनी की वित्तीय स्थिति

अगर जारी रहा डाउनवर्ड ट्रेंड

एक सवाल ऐसे में यह भी उठता है कि अगर कोई शेयर नीचे गिरना जारी रहा तो क्या होगा। कई इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी फर्म इस पर कहती है कि अगर कोई शेयर नीचे गिरना जारी रहता भी है तो भी घबराने की जरूरत नहीं है। कई बार मार्केट डाउन होने पर मजूबत शेयर भी क्रॉस फायरिंग में फंसते हैं और गिरते रहते हैं। यही वह समय है जब आपको घबराने की जरूरतर नहीं है और संयम बरतना है। अगर ऐसे में गिरावट से आपको घाटा लग भी रहा हो तो भी अपने शेयर को बेचें नहीं और धैर्य बनाए रखें, क्योंकि ये मजबूत शेयर जरूर वापसी करेंगे और आपके द्वारा डिस्काउंट पर की गई खरीदारी आपको जबरदस्त कमाई कराएगी यानी आपको मालामाल होने से कोई नहीं रोक पाएगा।

घबराहट में निर्णय न लें

हमेशा याद रखें कि अर्थव्यवस्था और बाजार का मिजाज चक्रीय होता है। जिस तरह तेजी का दौर आता है, वैसा ही गिरावट का दौर भी बन सकता है। जाहिर है, गिरावट वाले दौर में घबराकर बिकवाली करना अच्छी रणनीति नहीं होगी। अच्छे शेयर अक्सर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देते हैं।

नुकसान में न बेचें शेयर

उतार-चढ़ाव शेयर बाजार का स्वभाव है। निवेशकों को शेयर बाजार में आई गिरावट से घबराना नहीं चाहिए। अगर आपने शेयर बाजार में पैसा लगा रखा है और इसमें आपको अभी नुकसान हुआ है तो भी आपको नुकसान में अपने शेयर बेचने से बचना चाहिए। क्योंकि लॉन्ग टर्म में मार्केट में रिकवरी की उम्मीद है। ऐसे में अगर आप अपने शेयर्स को लम्बे समय के लिए होल्ड करते हैं तो आपको नुकसान होने की उम्मीद कम हो जाएगी।

किस बात का रखना है विशेष ध्यान

यह जरूर याद रखें कि किसी भी शेयर को बिना जांचे परखे न खरीदें। शेयर खरीदने से पहले कंपनी के वित्त और उस सेक्टर के भविष्य को लेकर अध्ययन जरूर कर लें। गिरावट की स्थिति में अगर खराब शेयर हाथ में लग तो 'कंगाली में आटा गीला' वाला हाल हो जाएगा।

दिग्गजों की सलाह

जाने-माने निवेशक वॉरेन बफे ने 2016 में कहा था कि जब मार्केट नीचे जा रहा हो तो शेयर खरीदने से पहले बहुत ज्यादा छानबीन नहीं करेंगे तो भी चल जाएगा। दिग्गज निवेशक जैक बोगल ने भी एक इंटरव्यू में 2018 में कहा था कि बाजार में हो रहे बदलावों (गिरावट) से घबराकर अपने मन को ना बदलें और शेयर खरीदकर उसे होल्ड करें। अगर आप रिकवरी (बाजार की) का फायदा उठाने से चूके तो संभव है कि आप अपने वित्तीय लक्ष्यों से भी चूक जाएं।

अनुशासन बनाए रखें

पोर्टफोलियो में नाटकीय रूप से बदलाव करते रहने से जोखिम बढ़ता है। ऐसी आदत लंबी अवधि के लक्ष्यों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। बेहतर होगा कि बाजार में फौरी उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज करें और अनुशासन बनाए रखें। यदि पोर्टफोलियो में बदलाव जरूरी लगे तो छोटे-छोटे बदलाव करें। इन बदलावों से आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। जरूरी यह है कि निवेश में हमेशा अनुशासन बनाए रखें और निवेश करते जाएं।

सिर्फ 100 रुपये हर रोज बचाएं और बन जाएं मालामाल

सुझाव | बिजनेस डेस्क

- सिर्फ चाय-सिगरेट के पैसों से भी बन सकते हैं करोड़पति
- नौकरी के साथ साथ ही तैयार हो जाएगा मोटा फंड
- चैन से कटेगा बुढ़ापा, बच्चों की शिक्षा के खर्च की नहीं होगी टेंशन
- म्यूचुअल फंड की एसआईपी में 12 फीसदी तक मिल रहा रिटर्न

कहते हैं कि अमीर बनने का सबसे आसान तरीका है, बचत करना। आजकल तो निवेश के ऐसे विकल्प भी मौजूद हैं, जो मामूली सी रकम को पैसों के ढेर में बदल सकते हैं। बावजूद इसके लोगों में बचत और निवेश को लेकर जागरुकता काफी कम है। अगर कोई निवेशक सिर्फ चाय और सिगरेट की आदत छोड़कर इन पैसों को निवेश करें तो नौकरी खत्म होने तक उनके पास 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड जमा हो जाएगा। बाजार के जानकारों का कहना है कि निवेश को लेकर लोगों के सुस्त रुझान से बहुत दिक्कतें आती हैं और कई लोग तो आर्थिक रूप से तंगहाली में ही दम तोड़ देते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ ऐसे यूजर हैं, जिनके पास किसी न किसी ओटीटी का सब्सक्रिप्शन है. इस पर हर महीने 150 से 200 रुपये खर्च करते हैं, लेकिन म्यूचुअल फंड में 100 रुपये से भी निवेश करने वालों की संख्या इसकी महज 10 फीसदी यानी 2 करोड़ है. राधिका की बात कई मायनों में सही भी है, क्योंकि अगर नौकरी शुरू करने वाला युवा सिर्फ रोज के चाय-सिगरेट जितने खर्च का पैसा भी निवेश करे तो रिटायरमेंट तक मोटा फंड तैयार हो जाएगा।

हर महीने कितना पैसा होगा जमा

मान लीजिए कोई दिनभर में सिर्फ 3 सिगरेट पीता है, जिस पर उसका औसतन खर्चा 60 रुपये होता है। इसके अलावा ऑफिस टाइम में 3 से 4 कप चाय पीता है तो भी औसतन 40 रुपये का खर्चा आएगा। दोनों को जोड़ दिया जाए तो रोजाना सिर्फ चाय-सिगरेट पर ही 100 रुपये का खर्चा हो जाएगा। यानी महीने में निवेश करने वाली रकम करीब 3,000 रुपये होगी।

कैसे बनेगा करोड़ों का फंड

निवेश के जानकारों का कहना है कि अगर सिर्फ रोजना के चाय और सिगरेट के पैसों को निवेश किया जाए तो नौकरी करने के दौरान यानी करीब 30 साल में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड तैयार हो जाएगा। अगर 30 साल की उम्र में नौकरी शुरू करने के साथ ही कोई 3000 रुपये हर महीने की एसआईपी शुरू करता है तो 30 साल में उसकी ओर से कुल 10.80 लाख रुपये का निवेश किया जाएगा। इक्विटी म्यूचुअल फंड का लंबी अवधि में औसतन रिटर्न 12 फीसदी रहता है। इसी रिटर्न से देखा जाए तो रिटायरमेंट तक यह निवेश बढ़कर 1,05,89,741 रुपये पहुंच जाएगी। इस दौरान 95,09,741 रुपये सिर्फ ब्याज के रूप में मिलेंगे।

किस फंड पर दांव लगाना सही

ऐसा नहीं है कि म्यूचुअल फंड सिप पर 12 फीसदी रिटर्न सिर्फ कहने की बात है। बाजार में कई ऐसी फंड योजनाएं हैं, जो 20 साल की लंबी अवधि में 12 फीसदी से कहीं ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं। पॉलिसीबाजार डॉट कॉम के अनुसार, कई ऐसे ही फंड हैं, जिनका 20 साल का औसतन रिटर्न 12 फीसदी से कहीं ज्यादा है।

इन फंडों का ऐसा रिटर्न

- आदित्य बिड़ला वेल्थ एस्पायर फंड ने 10 साल से ज्यादा निवेश पर 19.20% फीसदी का रिटर्न दिया है।
- बजाज आलियांज स्मार्ट वेल्थ लक्ष्य ने भी 10 साल से ज्यादा के निवेश पर 17.90% सालाना का रिटर्न दिया।
- एचडीएफसी लाइफ संपूर्ण निवेश में पैसे लगाने वालों को लंबी अवधि में हर साल 17.70% का रिटर्न मिला।
- मैक्स लाइफ ऑनलाइन बचत ने भी 10 साल से ज्यादा के निवेश पर 16.90% का रिटर्न मिला।
- भारती एक्सा लाइफ वेल्थ प्रो फंड ने भी 10 साल से ज्यादा अवधि में 16.60% का औसतन रिटर्न दिया है।

प्लानिंग से बनेगा फटाफट पैसा, आराम से कटेगा बुढ़ापा

सिर पर आ गया रिटायरमेंट तो ऐसे करें निवेश का प्लान

जानकारी | बिजनेस डेस्क

इक्विटी फंड लंबी अवधि में 10 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दे रहे

"रिटायरमेंट करीब आ गया है और आपके पास बुढ़ापे के लिए सेविंग नहीं है। ऐसे लोगों के लिए भी निवेश के कई विकल्प हैं, जहां कम समय में ही मोटा पैसा बनाया जा सकता है। अगर आप भी ऐसा कुछ सोच रहे हैं तो आप भी इक्विटी में कम से कम 10 साल के लिए निवेश कर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। इक्विटी फंडों ने 10 साल से ज्यादा समय के निवेश में 10 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। इस तरह आसानी से अच्छा फंड जुटाकर बुढ़ापे का जुगाड़ किया जा सकता है।"

यह बात सही है कि निवेश और बचत जितनी जल्दी शुरू की जाए, उतना ही बेहतर होता है और फायदा भी ज्यादा मिलता है, लेकिन, जिंदगी की जिम्मेदारियों को पूरा करने और लोन वगैरह चुकाने में फंसकर रह गए और सेविंग नहीं कर सके। ऊपर से रिटायरमेंट भी सिर पर आ गया है तो अब कहां पैसा लगाएं, जिससे फटाफट आपके खाते में एक मोटा फंड जमा हो जाए। रिटायरमेंट की प्लानिंग भी कई बार खर्चों और जिम्मेदारी की वजह से नहीं हो पाती और आप देखते ही देखते 50 की उम्र पार कर जाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही हुआ है और अभी तक रिटायरमेंट के लिए पैसे नहीं जोड़ सके हैं तो निवेश की अलग रणनीति बनाकर मोटा फंड जुटा सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आपकी देनदारियां कम हों और आप बाजार में थोड़ा जोखिम उठाने के लिए भी तैयार हों। आप भी इक्विटी में कम से कम 10 साल के लिए निवेश कर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। इक्विटी फंडों ने 10 साल से ज्यादा समय के निवेश में 10 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। इस तरह आसानी से अच्छा फंड जुटाकर बुढ़ापे का जुगाड़ किया जा सकता है।

ज्यादा रिटर्न वाले विकल्प चुनें

किसी भी नौकरीपेशा के लिए 50 साल की उम्र वह पड़ाव होता है, जब उसकी आय अपने उच्चतम स्तर पर और लोन आदि की देनदारियां लगभग खत्म होने की कगार पर रहती हैं। ऐसे में निवेशक जोखिम लेने में भी सक्षम रहता है तो उसकी पूरी रणनीति ज्यादा रिटर्न पाने की होनी चाहिए। इसके लिए इक्विटी आधारित निवेश पर जोर देना बेहतर होगा। कुछ हिस्सा इंटरनेशनल इक्विटी फंड, डेट फंड और सोने में भी लगाना चाहिए। निवेशक ध्यान रखें कि इक्विटी में लगाने वाले पैसे को कम से कम 10 साल तक बनाए रखेंगे तो 10-12% का जबरदस्त रिटर्न मिल सकता है।

... जोखिम नहीं लेना चाहते तो

50 साल से ज्यादा उम्र के ऐसे निवेशक, जिनमें जोखिम लेने की क्षमता नहीं होती और शॉर्ट टर्म का लक्ष्य लेकर चलते हैं, उन्हें लार्जकैप सेग्मेंट में सबसे ज्यादा निवेश करना चाहिए। ऐसे निवेशकों को लॉर्जकैप फंड में कुल फोलियो का 50%, मल्टीकैप फंड में 40%, मिड और स्मॉलकैप फंड में 10% का निवेश करना चाहिए। इसके अलावा अन्य फंड से फोलियो घटाना हो तो कम अवधि वाली एफडी और पोस्ट ऑफिस की योजनाओं में निवेश कर सकते हैं।

यह नियम अपना सकते हैं

- 60 के करीब हैं तो 3 भाग में बाटें पैसाः जब आपकी उम्र 60 के करीब हो या आप रिटायरमेंट ले चुके हैं तो निवेश को तीन भागों में बांटकर रिटर्न का लक्ष्य बनाएं।
- पहला लिक्विड फंड का खाता बनाएं जो आपको जरूरत पड़ने पर तत्काल पैसे उपलब्ध करा सके। इसमें 40 महीने के खर्च के बराबर राशि जमा करें, जो एफडी या शार्ट टर्म बांड में लगाई जा सकती है। इसमें 15-20% का निवेश हो।
- दूसरा स्थायी आय का विकल्प तैयार करें, जिससे निवेश पर कोई जोखिम न हो और निश्चित रिटर्न भी मिलता रहे। इसके लिए वय वंदन योजना या आरबीआई बांड में पैसे लगा सकते हैं। इसमें 45-50% का निवेश करना चाहिए।
- तीसरे विकल्प में ज्यादा रिटर्न देने वाले निवेश शामिल करें, जो फंड को तेजी से बढ़ा सकें। इसके लिए बाजार से जुड़े इक्विटी उत्पाद चुन सकते हैं। इसमें 30-40% हिस्सा लगाना चाहिए।

आपके माता-पिता के लिए बेस्ट हैं ये सुरक्षित निवेश की स्कीम

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट के बाद ज्यादातर निवेशक अपने रुपये पैसे को लेकर ज्यादा सजग रहते हैं और जब निवेश की बात होती है तो वह इसके लिए पूरी तरह से सुरक्षित विकल्प खोजते हैं। सीनियर सिटीजंस के लिए अपनी जमा पूंजी के बड़े हिस्से को सुरक्षित निवेश करने और उसके जरिए स्टेबल रिटर्न पाने के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) सबसे अच्छे विकल्पों में शामिल है। असल में रिटायरमेंट के बाद निवेशक बाजार का ज्यादा जोखिम लेने की स्थिति में नहीं होते हैं। ऐसे में निश्चित रूप से फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) जैसे सुरक्षित निवेश विकल्प उनके लिए बेहतर है। इस पर न सिर्फ रिटर्न की गारंटी होती है, बल्कि आपका पैसा भी सुरक्षित रहता है। सीनियर सिटीजेंस फिक्स्ड डिपॉजिट पर बैंक सामान्य एफडी की तुलना में ज्यादा ब्याज देते हैं। इन योजनाओं में जोखिम बहुत ही कम होता है।

बैंक देते हैं ज्यादा ब्याज

सीनियर सिटीजन आम तौर पर बाजार का रिस्क नहीं लेना चाहते हैं। उनकी जोखिम लेने की क्षमता कम होती है और वे अपना पैसा सुरक्षित निवेश विकल्पों में निवेश करते हैं। बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान सीनियर सिटीजंस को लो रिस्क कैटेगरी का मानते हैं और उन्हें निवेश के लिए आकर्षित करने के लिए एफडी पर ज्यादा ब्याज दरों की पेशकश करते हैं। एक और वजह यह है कि बैंक उन्हें अपना भरोसेमंद ग्राहक मानते हैं, क्योंकि रिटायरमेंट के बाद ज्यादातर सीनियर सिटीजंस की पसंद एफडी होती है।

म्यूचुअल फंड में निवेश के कई बेहतर विकल्प, पति की रिटायरमेंट तक बना लेंगी अच्छा खासा फंड

हाउसवाइफ भी जोड़ सकती हैं करोड़ों की रकम

अक्सर देखा जाता है कि घरेलू महिलाओं के सामने आर्थिक आजादी की समस्या आ जाती है। जिंदगी में हर काम के लिए वह पति की कमाई और पूंजी पर निर्भर रह जाती हैं। लेकिन वे भी थोड़ी सी सावधानी के साथ बचत और निवेश करें तो आर्थिक रूप से आजादी के साथ ही पति की रिटायरमेंट तक घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ एक करोड़ से ज्यादा का फंड बना सकती है।

तैयारी | बिजनेस डेस्क

हाउसवाइफ के पास अपनी कमाई का निश्चित जरिया नहीं

हाउसवाइफ की जिंदगी किसी भी नौकरी पेशा से अधिक बिजी होती है। सुबह जल्दी जागकर घर का सारा काम करना। पति के लिए नाश्ता और लंच बनाना। बच्चों का टिफिन तैयार करना और बुजुर्गों की दिनभर देखभाल करना। एक हाउसवाइफ के लिए यह सारे काम रोज सांस लेने की तरह हैं। एकदम ऑफिस में काम करने जैसा, लेकिन इतना सारी जिम्मेदारियों के बाद भी वह आर्थिक रूप से आजाद नहीं रहती। सोचो क्या उनके पास वित्तीय आत्मनिर्भरता रहती है। 100 में 90 का जवाब होगा, नहीं। पर, अगर आप थोड़ा सा वक्त और पैसा अपने लिए निकालें तो पति की रिटायरमेंट होने तक एक करोड़ से ज्यादा का फंड जुटा लेंगी। इसलिए आपको सिर्फ थोड़ी सी प्लानिंग के तहत काम करना होगा और एक महीने में अपने रोजमर्रा के खर्चे से कम से कम 2600 रुपये तक बचाने होंगे। एक स्टॉक ब्रोकर कंपनी का कहना है कि ज्यादातर हाउसवाइफ की नजर सिर्फ परिवार की देखभाल और उनसे जुड़ी जिम्मेदारियों तक सिमटकर रह जाती है। इस भागदौड़ के बीच अगर सिर्फ मट्ठी भर पैसा हर महीने अपने नाम से जमा करना शुरू कर दें, तो पति की रिटायरमेंट तक आपके पास भी मोटा फंड बन जाएगा। आज महिलाओं के लिए भी ऐसे निवेश विकल्प हैं, जहां थोड़े पैसे लगाकर भी लंबी अवधि में बड़ी पूंजी जमा हो जाती है।

कितने पैसे की होगी जरूरत

यह बात तो सभी जानते हैं कि हाउसवाइफ के पास अपनी कमाई का कोई निश्चित जरिया नहीं होता। इस लिहाज से घर खर्च में पैसे बचाकर वे अपने पास हर महीने कुछ रुपये जमा कर सकती हैं। अगर आप भविष्य के लिए फंड बनाने की सोच रहीं तो बस आपको बच्चे की रोजाना टिफिन जितना खर्चा ही बचाना होगा। मान लीजिए, बच्चे की रोज की टिफिन और जेब खर्च के पीछे आपके 100 रुपये खर्च होते हैं, तो हर महीने आप 4 रविवार हटाकर भी 2,600 रुपये का फंड जुटा लेंगे।

इन पैसों को करें निवेश

आपने देखा कि हर महीने आपके पास 2,600 रुपये जमा हो रहे हैं तो अब आप एक म्यूचुअल फंड की एसआईपी खुलवा दीजिए। म्यूचुअल फंड में आप हर महीने 2,600 रुपये भी जमा करती हैं तो लंबी अवधि यानी 10 साल से ज्यादा के समय में आपको इस पर हर साल 12 फीसदी का औसत रिटर्न मिल जाएगा।

पति की रिटायरमेंट तक कितना पैसा

मान लीजिए आपकी शादी 28 साल की उम्र में होती है और पति की रिटायरमेंट उम्र 60 साल है। इस तरह आपके पास निवेश करने के लिए 32 साल मिलेंगे। इन 32 सालों में 2,600 रुपये हर महीने के हिसाब से आप कुल 9,98,400 रुपये यानी करीब 10 लाख रुपये का निवेश कर सकेंगी। इस पर हर साल 12 फीसदी का रिटर्न मिलता है तो 32 साल में आपका कुल फंड बढ़कर 1,17,24,172 रुपये हो जाएगा, जिसमें ब्याज की रकम 1,07,25,772 रुपये होगी।

इकोनॉमी में 16% से ज्यादा का योगदान

ध्यान रखने वाली बात यह है कि आपने 32 साल तक लगातार एक ही निवेश बनाए रखा है। अगर आप हर साल निवेश की जाने वाली राशि में बढ़ोतरी करते हैं तो यह फंड और भी ज्यादा हो जाएगा। इस तरह, पति की रिटायरमेंट आने तक आप घर में रहकर एक करोड़ से ज्यादा फंड तैयार कर लेंगी। इस तरह हाउसवाइफ को भी आर्थिक आजादी मिलेगी और वह भी आसानी से एक बढ़िया फंड तैयार कर लेगी। इसलिए जरूरी है कि महिलाओं को भी अपने रोजमर्रा के खर्च से कुछ न कुछ बचाकर निवेश करना चाहिए। इससे उनको आत्मनिर्भर बनने से कोई नहीं रोक सकता।

बिजनेस साइट

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने की रिटेल सावधि जमा पर 125 आधार अंकों की वृद्धि

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
Hamesha Aapke Liye

मुंबई। भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने एनआरओ मीयादी जमा सहित घरेलू रिटेल सावधि जमा पर ब्याज दरों में 10 आधार अंकों से 125 आधार अंकों तक की वृद्धि की घोषणा की है जो 29 दिसंबर हो चुकी है। ये दरें 2 करोड़ रुपये से कम की जमा राशि पर लागू होंगी। दरों में वृद्धि काफी हद तक छोटी अवधि की परिपक्वता जमा श्रेणी, विशेष रूप से 1 वर्ष से कम अवधि की जमाओं पर केंद्रित है। छोटी अवधि की परिपक्वता अवधि में ब्याज दरों में वृद्धि से न केवल जमाकर्ताओं को बहुत लाभ होगा जो कम परिपक्वता के लिए जमा रखते हैं, बल्कि जमा की समग्र लागत को संतुलित और अनुकूलित करने और अपने शुद्ध ब्याज मार्जिन की बचत के बैंक के उद्देश्य में भी योगदान देंगे। यह बैंक की छोटी अवधि की रिटेल मीयादी जमाओं में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कार्यनीति के अनुरूप भी है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा के मुख्य महाप्रबंधक रवींद्र सिंह नेगी ने कहा कि रिटेल सावधि जमा दरों में वृद्धि का निर्णय हमारे ग्राहकों को अधिक लाभ प्रदान करने की बैंक ऑफ़ बड़ौदा की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, दूसरी ओर नीतिपरक रूप से हमारे जमा पोर्टफोलियो का प्रबंधन करता है।

उम्मीद 2024 : ओलंपिक, टी20 वर्ल्ड कप समेत बड़े स्पोर्ट्स में तिरंगा लहराएगा भारत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साल 2023 खेल जगत में मिला जुला रहा। एक तरफ जहां क्रिकेट में भारत के हाथों निराशा हाथ लगी तो वहीं, एशियन गेम्स में भारतीय महिला और पुरुष ने गोल्ड जीतकर इतिहास रचा। यह साल स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा के नाम रहा। दोहा डायमंड लीग में गोल्ड पर कब्जा किया। क्रिकेट में भारत ने पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंशिप का फाइनल गंवाया, उसके बाद वनडे वर्ल्ड कप फाइनल जीते का सपना अधूरा रह गया, लेकिन साल में कई टूर्नामेंट भारत के लिए नई उम्मीद लेकर आएंगे। आइए जानते हैं किस-किस खेल में भारत साल 2024 को यादगार बना सकता है।

टी20 वर्ल्ड कप

आगामी साल में वेस्टइंडीज और यूएसए की मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप खेला जाना है। पिछले टी20 वर्ल्ड कप में भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों शिकस्त मिली थी। साल 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में भारत से जीत की उम्मीद रहेगी। वहीं, बांग्लादेश की मेजबानी में महिला टी20 वर्ल्ड कप का भी आयोजन किया जाएगा।

पेरिस ओलंपिक

भारतीय खिलाड़ियों के लिए साल 2024 बहुत ही खास होने वाला है। पेरिस में ओलंपिक का आयोजन किया जाएगा। भारत की पुरुष और महिला दोनों टीमों ने टोक्यो ओलिंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था और उन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। इसके अलावा अन्य खेलों के खिलाड़ियों ने भी पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल किया है।

38वें राष्ट्रीय खेल

अगले साल में उत्तराखंड 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करेगा। 37वें राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। अगले राष्ट्रीय खेलों में भी खिलाड़ियों से बेजोड़ प्रदर्शन की उम्मीद की जाएगी।

यूफा यूरो 2024

इनके अलावा 14 जून से 14 जुलाई 2024 तक फुटबॉल का दूसरा सबसे बड़ा टूर्नामेंट यूफा यूरो 2024 का टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा। यहां भारतीय फुटबॉल टीम से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं, आईसीसी अंडर 19 वर्ल्ड कप 2024 साउथ अफ्रीका में आयोजित किया जाएगा।

क्रिकेट : दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 0-1 से पीछे है टीम इंडिया

नेट अभ्यास में रोहित का फोकस मुकेश पर, जडेजा ने की गेंदबाजी

एजेंसी ▶▶| सेंचुरियन

पहले टेस्ट में मिली हार के बाद भारतीय टीम के लिए सुपरस्पोर्ट पार्क पर शनिवार को अभ्यास सत्र वैकल्पिक था लेकिन कप्तान रोहित शर्मा ने जमकर पसीना बहाया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में रोहित को आउट किया था। यहां दो घंटे तक हुए अभ्यास सत्र में रोहित ने बतौर कप्तान और बल्लेबाज भाग लिया। रोहित का फोकस तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की गेंदों का सामना करने पर था जिन्होंने 45 मिनट तक सिर्फ भारतीय कप्तान को गेंदबाजी की।

फिट होकर लौटे रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ने भी नेट में अभ्यास किया। थ्रोडाउन विशेषज्ञ दयानंद गरानी ने भी रोहित को आफ स्टम्प पर गेंद डाली। अभ्यास के दौरान रोहित ने मुकेश से कहा, 'हवा में अंदर आ रहा है पर कोशिश कर एंगल से अंदर लाने का।' बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने जब उनसे पूछा, 'तू इस नेट पे आएगा' तो उन्होंने कहा, 'नहीं यही पर और दस मिनट बल्लेबाजी करुंगा।'

प्रसिद्ध नहीं हो रहे कृष्णा

रोहित ने मुकेश को अतिरिक्त समय दिया और कुछ टिप्स भी दिए। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले मुकेश पिछले तीन साल में दो बार रणजी ट्रॉफी फाइनल में पहुंची बंगाल टीम के इस प्रदर्शन के सूत्रधारों में रहे हैं। पहले टेस्ट में नाकाम रहे तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को फिर मौका मिलता है तो यह हैरानी की बात होगी। प्रसिद्ध ने नेट पर किसी बल्लेबाज को गेंदबाजी नहीं की और वह सही लैंग्थ तलाशने के लिए मेहनत करते रहे। गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने अकेले उन पर 75 मिनट दिए।

जडेजा पूरी तरह फिट

रविंद्र जडेजा ने काफी समय गेंदबाजी और बल्लेबाजी की और वह पूरी तरह फिट दिखे। उन्होंने अश्विन के साथ करीब 45 मिनट गेंदबाजी की। बल्लेबाजी के दौरान शार्दुल ठाकुर को बाएं कंधे में चोट लगी जब वह फील्डिंग कोच टी दिलीप के थ्रोडाउन का सामना कर रहे थे। अभ्यास के बाद वह आइस पैक लगाकर बैठे दिखे।

बल्लेबाजी करते शार्दुल के कंधे में लगी चोट

सेंचुरियन। भारतीय टीम को शनिवार को झटका लगा जब गेंदबाज आल राउंडर शार्दुल ठाकुर को नेट पर बल्लेबाजी करते हुए कंधे में चोट लग गई। ऐसी संभावना है कि वह तीन जनवरी से केपटाउन में शुरू होने वाले

दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे लेकिन उनकी चोट की गंभीरता स्कैन से पता चल पाएगी, अगर इसकी जरूरत पड़ेगी। इस समय यह पुष्टि नहीं हो सकी कि उनकी चोट के लिए स्कैन की जरूरत है या नहीं। ठाकुर को काफी परेशानी हो रही थी और वह नेट सत्र के दौरान गेंदबाजी भी नहीं कर सके। ठाकुर थ्रोडाउन नेट में सबसे पहले पहुंचने वाले खिलाड़ी थे और जब वह बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ से थ्रोडाउन से गेंद का सामना कर रहे थे तो उनके बाएं कंधे में गेंद लग गई। यह नेट सत्र शुरू होने के 15 मिनट के बाद हुआ। ठाकुर शॉर्ट गेंद का बचाव नहीं कर सके जैसा वह पहले टेस्ट की दूसरी पारी के दौरान हुआ था। वह गेंद लगते ही दर्द से चिल्ला उठे। लेकिन मुंबई के इस आल राउंडर ने नेट पर बल्लेबाजी जारी रखी।

ऋचा और दीप्ति के प्रदर्शन के बावजूद हारा भारत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

ऋचा घोष की कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ 96 रन की पारी और दीप्ति शर्मा का 38 रन देकर पांच विकेट का शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन भारत के काम नहीं आ सका। आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने शनिवार को यहां दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में तीन रन की जीत से तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। जीत के लिए 259 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए घोष ने 113 गेंद में 13 चौके से 96 रन की पारी खेली लेकिन मेजबान टीम अंतिम ओवर में लड़खड़ा गई और उसे घरेलू मैदान पर आस्ट्रेलिया से लगातार नौंवी हार झेलनी पड़ी। भारतीय टीम निर्धारित 50 ओवर में आठ विकेट पर 255 रन ही बना सकी। दीप्ति 36 गेंद में एक चौके से 24 रन और दूसरे छोर पर श्रेयांका पाटिल पांच रन बनाकर नाबाद रहीं। घोष के अलावा भारत के लिए उप कप्तान स्मृति मंधाना ने शुरू में 38 गेंद में तीन चौके और एक छक्के से 34 रन का बनाए। जेमिमा रोड्रिग्स (44 रन) और घोष ने तीसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी निभाकर नींव रखी लेकिन आस्ट्रेलिया को भारत में कभी श्रृंखला नहीं हारने का रिकॉर्ड बरकरार रखने से नहीं रोक सकीं।

- **आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने श्रृंखला में अनाई 2-0 से अजेय बढ़त**

इससे पहले ऑफ स्पिनर दीप्ति ने पांच विकेट झटककर आस्ट्रेलिया की रन गति पर लगाम लगायी लेकिन सात कैच छोड़ने से भारत मेहमान टीम को आठ विकेट पर 258 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने से नहीं रोक सका।

दीप्ति ने दूसरी बार झटके 5 विकेट

दीप्ति ने सूखी और टर्न लेती पिच का पूरा फायदा उठाते हुए 10 ओवर में 38 रन देकर पांच विकेट चटकाए लेकिन उनकी शानदार गेंदबाजी मेजबान टीम के लचर क्षेत्ररक्षण के कारण फायदेमंद नहीं हो सकी। दीप्ति ने एलिसे पैरी (50 रन), बेथ मूनी (10 रन), तहलिया मैकग्रा (24 रन), जॉर्जिया वारेहैम (22 रन) और अनाबेल सदरलैंड(23 रन) के विकेट लेकर अपने कॅरियर में दूसरी बार पांच विकेट चटकाने का कारनामा किया।

इंडिया ओपन : घरेलू बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए मुश्किल ड्रा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एच एस प्रणय और लक्ष्य सेन सहित भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों को अगले महीने होने वाले इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में मुश्किल ड्रा मिला है जिसमें वे घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहेंगे।

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ अंतिम पड़ाव में है और भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी 16 से 21 जनवरी तक इंदिरा गांधी स्टेडियम में होने वाले योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन से महत्वपूर्ण अंक जुटाने की कोशिश करेंगे। एशियाड स्वर्ण पदक विजेता सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी तथा कांस्य पदक विजेता प्रणय विश्व रैंकिंग में अपना स्थान मजबूत करने की कोशिश करेंगे जबकि किदाम्बी श्रीकांत, सेन और प्रियांशु राजावत ओलंपिक में दूसरे भारतीय स्थान के लिए प्रयास करेंगे। ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियमों के अनुसार दो भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी ओलंपिक में भाग ले सकते हैं, अगर दोनों ही 30 अप्रैल तक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया के अंत में शीर्ष 16 रैंकिंग में शामिल रहेंगे।

सेन-राजावत की होगी भिड़ंत

पहले दौर में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सेन और राजावत एक दूसरे के सामने होंगे जबकि आठवें वरीय प्रणय का सामना चीनी ताइपे के चोऊ टिएन चेन से होगा। अगर प्रणय जीत जाते हैं तो वह सेन और राजावत के बीच मैच के विजेता से भिड़ेंगे। पूर्व चैंपियन श्रीकांत अभी 'रेस टू पेरिस' रैंकिंग में 24वें स्थान पर हैं, वह पहले दौर में हांगकांग के ली चेयूक यिऊ से भिड़ेंगे।

पुरुष युगल में कठिन ड्रॉ

पुरुष युगल में पूर्व चैंपियन और दूसरे वरीय सात्विक और चिराग अपनी चुनौती की शुरुआत चीनी ताइपे के फांग जेन ली और फांग चि ली के खिलाफ करेंगे। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को पहले दौर में नामी मातसुयामा और चिहारू शिडा की जापानी जोड़ी से भिड़ना है जो चुनौतीपूर्ण मुकाबला होगा। अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी की भिड़ंत थाईलैंड की रविंडा प्राजोंगजाई और जोंगकोलफान किटिथारकुल की जोड़ी से होगी।

अन्य 'हाई प्रोफाइल' मुकाबले

अन्य 'हाई प्रोफाइल' मुकाबलों में गत महिला एकल चैंपियन एन सि यंग का सामना थाईलैंड की तीन बार की चैंपियन रतचानोक इंतानोन से होगा जबकि स्पेन की कैरोलिना मारिन जापान की नोजोमी ओकुहारा के सामने होंगी। पुरुष एकल में पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यिऊ तीसरे वरीय और मौजूदा आल इंग्लैंड चैंपियन लि शि फेंग से भिड़ेंगे जबकि शीर्ष वरीय विक्टर एक्सेलसेन अपना अभियान चीनी ताइपे के वांग जु वेई के खिलाफ करेंगे। पिछले साल इस टूर्नामेंट को सुपर 500 से सुपर 750 कैटेगरी में अपग्रेड किया गया था।

वॉर्नर चयनकर्ता नहीं टेस्ट में ग्रीन से करा सकते हैं पारी का आगाज

मेलबर्न। डेविड वॉर्नर ने भले ही उनके बाद टेस्ट क्रिकेट में पारी की शुरुआत के लिए मार्कस हैरिस का नाम लिया हो लेकिन आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि वे अधिक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं और कैमरन ग्रीन भी दौड़ में हैं। वॉर्नर पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी में तीन जनवरी से होने वाले तीसरे टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। टेस्ट क्रिकेट में पारी की शुरुआत के लिए वॉर्नर के बाद कई नामों पर विचार चल रहा है। हैरिस, ग्रीन, मैट रेनशॉ और कैमरन बेनक्रॉफ्ट के नाम दौड़ में हैं। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'डेविड चयनकर्ता नहीं है। पिछली बार उसने मैट रेनशॉ का नाम लिया था और शायद अगला नाम कैम बेनक्रॉफ्ट और फिर कैमरन ग्रीन का होगा।' आस्ट्रेलिया को अब वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलना है और कोच ने कहा कि उससे पहले फैसला ले लिया जाएगा।

समद टीम में शामिल, चोटिल जैकसन और मार्टिन्स बाहर

एएफसी एशियाई कप के लिए भारत ने की टीम की घोषणा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मुख्य मिडफील्डरों की चोटों से जूझ रहे भारत ने शनिवार को एएफसी एशियाई कप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें सहल अब्दुल समद जगह बनाने में सफल रहे। लेकिन जैकसन सिंह और ग्लान मार्टिन्स को फिटनेस संबंधित मुद्दों के कारण बाहर रखा गया। शीर्ष मिडफील्डर जैकसन को नवंबर में कंधे में चोट लगी थी और उनका चुना जाना संदिग्ध था। मोहन बागान के मार्टिन्स भी हाल ही में चोटिल हो गए थे। हालांकि ये दोनों 50 संभावित खिलाड़ियों में शामिल थे। इस महीने के शुरू में चोटिल हुए समद हालांकि टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे जिसका नेतृत्व अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री करेंगे।

भारतीय टीम

गोलकीपर : अमरिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह संधू, विशाल कैथ। **डिफेंडर :** आकाश मिश्रा, लालचुंगनुंगा, मेहताब सिंह, निखिल पुजारी, प्रीतम कोटल, राहुल भेके, संदेश झिंगन, सुभाशीष बोस। **मिडफील्डर :** अनिरुद्ध थापा, ब्रैंडन फर्नांडिस, दीपक टांगरी, लालेंगमाविया राल्टे, लिस्टन कोलासो, नाओरेम महेश सिंह, सहल अब्दुल समद, सुरेश सिंह वांगजाम, उदांता सिंह। **फॉरवर्ड :** ईशान पंडिता, लालियानजुआला चांगटे, मनवीर सिंह, राहुल कन्नोली प्रवीण, सुनील छेत्री, विक्रम प्रताप सिंह।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान होंगी सविता

बेंगलुरु। अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया 13 से 19 जनवरी तक रांची में होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर में भारत की 18 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की कप्तान होंगी जबकि वंदना कटारिया उपकप्तान रहेंगी। टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमें पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय महिला टीम की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'पेरिस ओलंपिक के हमारे सफर में एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। हमें अपेक्षाओं पर खरे उतरकर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है।' सविता ने हाल ही में एफआईएच वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार जीता जबकि वंदना 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बनी। भारत को पूल बी में न्यूजीलैंड, इटली और अमेरिका के साथ रखा गया है जबकि जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य ग्रुप ए में हैं।

खबर संक्षेप

लगा नहीं था कि विश्व कप खेल सकूंगा

नई दिल्ली। सर्जरी के बाद एक समय तीन चार सप्ताह वह अपने पैरों पर भी खड़े नहीं हो पा रहे थे। ऐसे समय में भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल के लिए इस साल वनडे विश्व कप खेलने के बारे में सोचना भी मुश्किल था। उन्होंने टूर्नामेंट में 452 रन बनाकर शानदार वापसी की बल्कि कई मैचों में मेजबान के लिए संकटमोचक भी साबित हुए। राहुल ने स्टार स्पोटर्स की 'बिलीव' सीरिज में कहा, 'वापसी कर दबाव तो था लेकिन मैं उस समय जीवन के सबसे खराब दौर से गुजर रहा था मानो कुछ और मायने नहीं रखता था ।'

कुश्ती गतिविधियां शुरू कराने का अनुरोध

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया ने शनिवार को खेल मंत्रालय से अनुरोध किया कि देश में कुश्ती गतिविधियां फिर शुरू कराई जायें क्योंकि पेरिस ओलंपिक में सात महीने ही रह गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ओलंपिक की तैयारियों को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा है। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के प्रदर्शन के बाद से देश में पिछले कई महीने से कुश्ती ठप पड़ी है।

तेज गेंदबाज कोएत्जी दूसरे टेस्ट से बाहर

सेंचुरियन। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी के पेट के निचले हिस्से में दर्द के कारण केपटाउन में तीन जनवरी से भारत

के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट में नहीं खेल सकेंगे। 23 वर्ष के इस गेंदबाज को पहले टेस्ट के दौरान दर्द उठा और बढता गया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने एक्स पर लिखा, 'तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। पहले टेस्ट के दौरान उनके पेट के निचले हिस्से में दर्द उठा था।'

पेले को ब्राजील ने दी श्रृद्धांजलि

रियो दि जिनेरियो। ब्राजील के फुटबालप्रेमियों ने पेले को उनकी पहली पुण्यतिथि पर श्रृद्धांजलि दी और इस मौके पर दक्षिण अमेरिका के

इस देश की सबसे प्रसिद्ध प्रतिमा 'क्राइस्ट द रीडीमर' ने पेले की जर्सी नंबर दस पहनी। फुटबॉल के जादूगर कहे जाने वाले पेले ने पिछले साल कोलोन कैंसर के कारण 82 वर्ष की उम्र में दम तोड़ दिया था। पेले के क्लब सांतोस एफसी के शहर सांतोस और उनके जन्म स्थान ट्रेस कोराकोस में भी समारोह आयोजित किए गए। फीफा ने भी पेले के कॅरियर की झलकियों वाले वीडियो के साथ संदेश दिया, 'पेले की विरासत हमेशा बनी रहेगी।'

अनकैप्ड खिलाड़ी ब्रांड को बना दिया कप्तान

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका की टीम इन दिनों घरेलू सरजमीं पर भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही है। अफ्रीका की टीम फरवरी में दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी, जिसके लिए प्रोटियाज टीम का ऐलान हो गया है। न्यूजीलैंड दौरे पर खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए अफ्रीका ने चौंकाने वाले स्क्वॉड की घोषणा की है। अनकैप्ड बाएं हाथ के बैटर नील ब्रांड को अफ्रीका का कप्तान बना दिया गया है।

न्यायालय कलेक्टर, दुर्ग जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)
व्यक्तिगत उपस्थिति समन

रा.प्र.क्र. 13/ ब-121 / वर्ष 2023-24

प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया, शाखा - सिविक सेंटर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) .....वादी

प्रेषिती

मेसर्स श्री भवानी वायर इंडस्ट्रीज, प्रो.-श्री प्रवीण पाटिल निवासी प्लाट नं. 9/एन हैवी इंडस्ट्रियल एरिया भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग ...अनावेदकगण

उपरोक्त वादी द्वारा इस न्यायालय में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत अनावेदकों द्वारा आवेदक बैंक से वित्तीय सहायता की सुरक्षा हेतु बैंक के पक्ष में रखी गई बंधक संपत्ति-भूमि शेड एवं भवन स्थित ख.नं. 333 वार्ड न.- 01 प्लाट नं, 9/एन हेवी इंडस्ट्रियल एरिया भिलाई जिला दुर्ग फर्म मेसर्स श्री भवानी वायर के नाम पर क्षेत्रफल 15000 वर्गफीट को बकाया राशि की अदायगी नही करने के कारण रिक्त भौतिक आधिपत्य में प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र पर प्रकरण संस्थित कर प्राकृतिक न्याय सिद्धांत के अन्तर्गत अनावेदक को समक्ष सुनवाई किये जाने हेतु सूचना पत्र जारी कर आहूत किया गया था। जारी नोटिस वापस अप्राप्त।

चुंकि अनावेदकों को प्रकरण में समक्ष सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर प्रदान किया जाना है। अतएव इस समन के जरिये अनावेदक को आदेश दिया जाता है कि आप इस मामले की आगामी पेशी दिनाँक 04/01/2024 को कलेक्टर, दुर्ग के न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से अनिवार्यतः उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। यदि आप निर्धारित सुनवाई तिथि को अनुपस्थित पाये गये तो मामले की सुनवाई आपकी गैरहाजिरी में की जाकर आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

(कलेक्टर महोदय द्वारा आदेशित) **संयुक्त कलेक्टर**
वास्ते, कलेक्टर, दुर्ग

न्यायालय कलेक्टर, दुर्ग जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)
व्यक्तिगत उपस्थिति समन

रा.प्र.क्र. 10/ ब-121 / वर्ष 2023-24

प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया, शाखा - पथरिया दुर्ग, तहसील व जिला दुर्ग .....वादी

प्रेषिती

1. श्री गणेश सिंह पिता राजकुमार सिंह
2. श्रीमति प्रियंका सिंह पति गणेश सिंह, दोनों निवासी - 2/पी स्ट्रीट नं. 88 एचएससीएल कॉलोनी सेक्टर 6 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग ...अनावेदकगण

उपरोक्त वादी द्वारा इस न्यायालय में वित्तीय आस्तियों उपरोक्त वादी द्वारा इस न्यायालय में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत अनावेदकगण द्वारा आवेदक बैंक से लोन की सुरक्षा हेतु बैंक के पक्ष में रखी गई बंधक संपत्ति - फ्लैट का सारा हिस्सा फ्लैट नं0 ए–502 चौथ तल टॉवर ए सुंदर विहार कॉलोनी के पास राज महल ग्रीन टाउन कुरूद वार्ड नं0 16 तहसील व जिला दुर्ग में स्थित है, को बकाया राशि की अदायगी नही करने के कारण रिक्त भौतिक आधिपत्य में प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र पर प्रकरण संस्थित कर प्राकृतिक न्याय सिद्धांत के अन्तर्गत अनावेदकों को इस न्यायालय द्वारा समक्ष सुनवाई का अवसर दिया जाना है।

चुंकि अनावेदकों को प्रकरण में समक्ष सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर प्रदान किया जाना है। अतएव इस समन के जरिये अनावेदक को आदेश दिया जाता है कि आप इस मामले की आगामी पेशी दिनाँक 04/01/2024 को कलेक्टर, दुर्ग के न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से अनिवार्यतः उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। यदि आप निर्धारित सुनवाई तिथि को अनुपस्थित पाये गये तो मामले की सुनवाई आपकी गैरहाजिरी में की जाकर आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

(कलेक्टर महोदय द्वारा आदेशित) **संयुक्त कलेक्टर**
वास्ते, कलेक्टर, दुर्ग

न्यायालय कलेक्टर, दुर्ग जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)
व्यक्तिगत उपस्थिति समन

रा.प्र.क्र. 213/ ब-121 / वर्ष 2023-24

प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया, शाखा - उतई दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) .....वादी

प्रेषिती

1. श्री विशाल नियोगी
2. श्रीमति अपर्णा राय सभी निवासी- प्लॉट नं. 5/16 इस्पात नगर वार्ड नं. 63 सिविक सेंटर रिसाली भिलाई तहसील व जिला दुर्ग ...अनावेदकगण

उपरोक्त वादी द्वारा इस न्यायालय में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत अनावेदकगण द्वारा आवेदक बैंक से लोन की सुरक्षा हेतु बैंक के पक्ष में रखी गई बंधक संपत्ति- रिहायशी भूमि एवं भवन स्थित ख.नं. 281/10 प.ह.नं. 28/39 क्षेत्रफल 1000 वर्गफीट मौजा धनोरा रा.नि.मं. अंडा तहसील व जिला दुर्ग स्थित है, को बकाया राशि की अदायगी नही करने के कारण रिक्त भौतिक आधिपत्य में प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र पर प्रकरण संस्थित कर प्राकृतिक न्याय सिद्धांत के अन्तर्गत अनावेदकों को इस न्यायालय द्वारा समक्ष सुनवाई का अवसर दिया जाना है।

चुंकि अनावेदकों को प्रकरण में समक्ष सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर प्रदान किया जाना है। अतएव इस समन के जरिये अनावेदक को आदेश दिया जाता है कि आप इस मामले की आगामी पेशी दिनाँक 08/01/2024 को कलेक्टर, दुर्ग के न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से अनिवार्यतः उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। यदि आप निर्धारित सुनवाई तिथि को अनुपस्थित पाये गये तो मामले की सुनवाई आपकी गैरहाजिरी में की जाकर आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

(कलेक्टर महोदय द्वारा आदेशित) **संयुक्त कलेक्टर**
वास्ते, कलेक्टर, दुर्ग

अनोखा गांव! नहीं बनते पक्के घर, दरवाजे पर नहीं लगाया जाता ताला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में कई ऐसे गांव है जो अपनी अनोखी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं। इन गांवों में हसीन वादियों के बीच वक्त बिताना लोगों को खूब पसंद है। मगर आज हम आपको ऐसे अनोखे गांव के बारे में बताएंगे, जहां आज भी पक्के घर नहीं मिलेंगे। कहा जाता है कि इस गांव में कोई भी पक्का मकान नहीं बनवाता, क्योंकि यहां पक्के घर को लेकर कई तरह के अंधविश्वास प्रचलित हैं। साथ ही, इस गांव में कई ऐसे नियम हैं जो सुनने में थोड़े अजीब लग सकते हैं।

गांव के लोग हैं पूरे शाकाहारी

इस गांव के लोग शराब, मांस और अंडे को छूते तक नहीं हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि गांव के लोग अपने भगवान को नाखुश नहीं करते हैं। साथ ही, लोग सीमेंट का भी इस्तेमाल नहीं करते हैं और खाने में सब्जियों का सेवन करती हैं। अगर कोई गलती से नॉन वेज खा लेता है, तो सजा के तौर पर उसे पूजा करवाई जाती है। हालांकि, पशुपालन के यहां के लोग जिंदगी गुजर-बसर करते हैं।

देवनारायण ने कहा था- पक्की छत मत बनवाना

मान्यता है कि देवनारायण जब इस गांव में आए थे, तो गांव के लोगों की सेवा और भावना से बहुत खुश हुए थे। उन्होंने गांव वालों से वरदान मांगने को कहा तो लोगों ने कुछ नहीं मांगा। मगर इस पर देवनारायण जाते-जाते कह गए सुकून से रहना है तो पक्की छत का मकान मत बनाना। तब से लेकर आज तक लोगों ने गांव की पक्की छत बनवाता छोड़ दीं।

नहीं होता पक्की छत का मकान

जब आप इस गांव में जाएंगे, तो देखेंगे कि एक भी छत पक्की नहीं है। हालांकि, इसका कोई आर्थिक कारण नहीं है, पैसे होने के बावजूद भी लोग कच्ची छत बनवाते हैं। कहा जाता है कि यहां के लोग सुकून से रहने के लिए पक्की छत नहीं बनवाते हैं, क्योंकि लोगों की भगवान देवनारायण पर गहरी आस्था है।

घरों में नहीं लगाया जाता ताला

इस गांव में न सिर्फ कच्ची छतों को बनवाया जाता है, बल्कि दरवाजों पर ताला भी नहीं लगाया जाता। आपको सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन कहा जाता है कि इस गांव में पिछले 50 साल से घर में चोरी नहीं होती। गांव वालों के बीच आज तक कभी कोई विवाद भी नहीं हुआ है।

आखिर इस गांव का नाम क्या है?

राजस्थान के अजमेर जिले में स्थित है, जिसका नाम देवमाली है। इस गांव की आबादी बहुत कम है, यहां सिर्फ 300 परिवार रहते हैं। लोगों की कुल आबादी की बात करें, तो करीब 2000 लोग रहते हैं। यहां लावड़ा गोत्र के गुर्जर समाज के लोग रहते हैं। साथ ही, गांव की तमाम जमीन भगवान देवनारायण के नाम अंकित है, जहां देवनारायण को पूजा जाता है। गांव में बिजली चले जाने पर तिल्ली के तेल से दीपक जलाया जाता है।

घर पर मिली महिला की जली हुई लाश, इलाके में दहशत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

नेलसनार थाना के अंतर्गत नेशनल हाईवे 63 मेन रोड पर एक महिला सेवंती शिवहरे (38) लगभग 10 वर्षों से अकेली किराना दुकान का संचालन कर रही थी। प्राप्त जानकारी अनुसार साप्ताहिक बाजार गुरुवार को भी महिला दुकान में रही। सूत्रों ने बताया कि आधी रात को महिला सेवंती शिवहरे अपनी दुकान पर सो रही थी इसी दरम्यान कुछ अज्ञात लोगों ने दुकान में आग लगाई, दुकान में अकेली सो रही महिला की जलने से मौत हो गई।

- हत्या या कुछ और हर एंगल से पुलिस कर रही जांच

सुबह-सुबह इस घटना की जानकारी गांव के लोगों ने पुलिस को देने पर नेलसनार से उप निरीक्षक नीलांबर नाग के नेतृत्व में पुलिस बल घटना स्थल पहुंची। मामले की जांच कर मृतका की बहन के कथन पर रिपोर्ट दर्ज किया गया। सब इंस्पेक्टर ने बताया कि मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। इस मामले की जांच की जा रही है। सूत्रों ने यह बताया कि मृतका का पति गीदम में रहता है और बेटी जगदलपुर में सांइस कालेज में पढ़ती है। इस दर्दनाक घटना के घटित होने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। नेलसनार पुलिस का कहना है कि इस घटना पर त्वरित कार्रवाई व पड़ताल कर नतीजे पर जल्द पहुंचेंगे। घटनास्थल किराना दुकान से एक लोहे का रॉड भी पुलिस को मिला है। इस घटना में पुलिस को संदेह है कि किसी अज्ञात लोगों ने इस तरह की घटना को अंजाम दिया है।

ग्रेवी में कुश्ती लड़ने से लेकर बदसूरत कुत्ते तक की होती हैं विचित्र प्रतियोगिताएं

अलग-अलग देशों में होने वाली अजीबोगरीब स्पर्धाएं

नई दिल्ली। दुनियाभर में कई प्रतियोगिताएं होती हैं, लेकिन कुछ ऐसी अनोखी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाता है, जिनके बारे में जानकर आपको हैरानी होगी। इन विचित्र प्रतियोगिताओं की सूची में भी कुछ मुकाबले ऐसे हैं, जो इंसानों के लिए नहीं, बल्कि कीड़ों और जानवरों के लिए आयोजित की जाती हैं।

ग्रेवी में कुश्ती लड़ने की प्रतियोगिता

अभी तक आपने अखाड़े में होने वाली कुश्ती की प्रतियोगिताओं के बारे में सुना होगा, लेकिन इंग्लैंड में ग्रेवी में भी कुश्ती की जाती है। इस अनोखे प्रतियोगिता में लोग अतरंगी कपड़े पहनकर ग्रेवी से भरे पूल में 2 मिनट तक कुश्ती लड़ते हैं। हालांकि, प्रतियोगियों की कुश्ती करने की क्षमता पर भी उनका स्कोर तय नहीं किया जाता है। इसमें उन्हें फैंसी ड्रेस और मनोरंजन के लिए भी स्कोर किया जाता है।

पत्नी का भार उठाने की प्रतियोगिता

पति-पत्नी से जुड़ी यह प्रतियोगिता बहुत ही अजीब है और इसका आयोजन फिनलैंड के सोनकाजेरवी में किया जाता है। इसमें पति को अपनी पत्नी को पीठ पर बैठाकर कुछ बाधाओं को जल्दी से जल्दी पार करना होता है। हालांकि, इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कुछ नियम हैं, जिनका पालन किए बिना आप इसमें हिस्सा नहीं ले सकते हैं।

घोंघा कीड़ों के बीच दौड़

इंग्लैंड में घोंघा यानी स्नेल के बीच दौड़ की प्रतियोगिता होती है। इसमें भाग लेने वाले सभी घोंघे को एक टेबल के ऊपर 13 इंच की दूरी तय करनी होती है। इस साल इसमें एवी नामक घोंघे ने जीत हासिल की थी। इस दौरान सभी घोंघे के ऊपर स्टिकर लगे होते हैं, ताकि उनकी पहचान की जा सके।

सबसे बदसूरत कुत्ते की प्रतियोगिता

अमेरिका में जानवरों से जुड़ी एक ऐसी प्रतियोगिता होती है, जिसमें सबसे बदसूरत कुत्ते को विजेता घोषित किया जाता है। इस प्रतियोगिता में जीतने वाले कुत्ते को लाखों रुपये तक पुरस्कार राशि और ट्रॉफी से सम्मानित किया जाता है। फिलहाल सबसे बदसूरत कुत्ते का नाम 'स्कूटर' है। इसका उद्देश्य कुत्तों को गोद लेने को बढ़ावा देना और उन असाधारण कुत्तों को प्रदर्शित करना है, जिन्होंने मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया है।

दुनिया का सबसे महंगा फूल, सैफरन क्रोकस

दुनिया के सबसे महंगे फूलों की सूची में सैफरन क्रोकस का नाम शामिल है। इसी फूल से केसर ही होता है, जिसका इस्तेमाल कई मिठाइयों और ब्यूटी उत्पादों में किया जाता है। फिलहाल बाजारों में केसर की कीमत 2 लाख रुपये किलो के आसपास है। ऐसे में आप इसके फूल की कीमत का अंदाजा लगा सकते हैं कि यह कितना महंगा होगा। बता दें कि लगभग 1 किलो इस फूल की कीमत 8.33 लाख रुपये है।

मेंढक की अनोखी आंखें, हर आंख पर होती हैं तीन पलकें

नई दिल्ली। रेड-आइड ट्री फ्रॉग बड़ा ही अद्भुत जीव है, जो कलरफुल होता है, जिसके शरीर पर हरा, नारंगी और नीला कलर पाया जाता है। इस मेंढक की आंखें बेहद अनोखी होती है, जो चमकदार लाल रंग की होती हैं। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इसकी हर आंख पर तीन पलकें होती हैं। आखिर इन मेंढकों की आंखों पर तीन पलकें क्यों होती हैं। इसके पीछे बड़ी ही चौंकाने वाली वजह है। बता दें कि ये मेंढक सेंट्रल और साउथ अमेरिका में पाए जाते हैं। जंगल में इस मेंढक का औसत जीवनकाल 5 साल है।

तीनों पलकें करतीं हैं अलग काम : वैज्ञानिकों के अनुसार, रेड-आइड ट्री फ्रॉग की दो पारदर्शी पलकें होती हैं, एक नीचे, एक ऊपर और तीसरी अर्ध-पारदर्शी पलक, जो इस मेंढक की आंखों को उन खतरों से बचाती है, जिनसे उसका सामना हो सकता है। इनकी पलकें पानी के भीतर आंख की रक्षा करने और जमीन पर उसे नम रखने का काम करती हैं। इस तरह से मेंढक की आंखें अनोखी तरह से डिजाइन होती है। बता दें कि रेड-आइड ट्री फ्रॉग का साइंटिफिक नाम अगलीचनिस कैलिड्रियास है। ये मेंढक नीली और पीली धारियों वाले अपने चमकीले हरे शरीर के लिए जाने जाते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com